महाशयगण,

आप सभों को बहुत २ योशुसहाय।

प्रचारकगणों ने नये स्केलानुसार तलब बृद्धि की दरख्वास्त CC में दिये- जिसका जवाब CC ने अपनी चिट्ठी No. 866/32 / F-52 ता: 9-2-32 और No. 936/32 / F-9 ता: 14-3-32 में सेक्रेटरी के द्वारा दी- कि "यदि दे सकते हैं तो इलाका देवे- पर लिखित स्केल कोई दावा न करे"

ये दोनों चिट्ठियां स्थायी आम सभा में 12. 4. 32 को डाली गई- कि तलब बृद्धि होवे वा नहीं। कुछ बात चीत होने पर- सभा ने उक्त विषय को वोट के द्वारा 2-6-32 के लिये- मुलतवी रखी।

सो 2री जून आम सभा फिर से बैठी और उक्त विषय पर बात आरंभ हुई। अंगों की हाजरी पादरी 3, कैंडिडेट 1, प्रचारक 23, और साधारण 13 थी कुल 40 जन और CC के 3 विजिटर भी थे।

अनेक तर्क वितर्क - और कौंसिल के सुपरामर्श उपदेश के बाद विषय पर वोट लिया गया-

वोट तलब बृद्धि के 4. और विपक्ष 12 हुआ- सो फैसला हुआ कि तलब स्थायी जैसा है वैसा ही रहे। इस पर प्रचारकों ने पूरा सेन्ट्रालाइज बंद कर दिया और तलब बृद्धि आमसभा से नामंजूर होने का सारा दोष चेयर मेन पर लपेट दिया- जैसा कि उनका लिखित दरख्वास्त है - अभी प्रचारकों को इस दर पर अनुपात तलब दिया जाता है

R. T. E.

Takarma

			Rs. as.	
1/	Pracharak.	Jusaph Bhengra	16 - 0 -	
		Juseph Horo	15 -	
2.	"	Kalep Bagraila	14 - 0	
3/	"	Samuel Surin	14 -	
4/.	"	Jakub Bage	13.	
5,	"	X. A Tiru	13.	
6.	"	Patras Dang	12.	
7.	"	Masihdas Kerketta	10	
8.	"	Prabhudayal Topno	8.	[illegible]
9.	"	Habil Topno	8.	D. B. Madri
10	"			

Benbringe.

			Rs. as.	
1.	Pr.	Johan Jojo ~~Bage~~ sr.	14 - 0	(Rs. 14) -
2	"	Habil Topno.	14 - 0	-
3	"	P. Prasad Lugun.	13 - 0	
4	"	Jakariah Surin.	13 - 0	
5	"	Samuel Lugun	12.	
6.	"	Prabhudayal Topno	10 - 8	[illegible]
7	"	Junas Dang	13 - 0	
8	"	Patras Jojo	12 - 0	
9	"	Prabhusahay Surin.	8 - 0	[illegible]
10	"	Daud Lugun	6 - 0	" "

Lataked

			Rs. as.	
1.	Pr.	Johan Jojo.	16 - 0	
2	"	Boas Ronggol	16 - 0	
3	"	Samuel Bage.	14 - 0	
4	"	Mansidh Manki	14 - 0	
5	"	Kushal Topno	12 - 0	
6.	"	" Surin.	12 - 0	
7.		Anandmasih Kandu	8 - 0	[illegible]
8		Johan Surin	9 - 0	" "

P. T. O.

[illegible]

Rev. S. Kula - Takarma Basia (?)
2/6/32

S.K. ~~के~~ चेयरमैन
~~टकरा ग्राम आम सभा~~ S. Kula के मारफत

Lutheran C.C. के निकट साहिब —

मोकाम रांची

Church Council
Received 6.6.32
Register No. 58
Date 4.6.32
File 9.
Reply No.
Date

महामान्यवर / आप को हम टकरमा प्रचारकगणों की ओर से यीशुसहाय। —

आप को मालूम होवे कि ता: २ जून १९३२ को टकरमा में आम सभा बैठी, जिसमें कर्मचारियों के नये तलब स्केल के दरखास्त बाबत बिचार हुई। इस बैठकी में चर्च कौंसिल के मेम्बर व मिनिस्टर में शामिल थे। महाशय मिनिस्टरगणों ने इस बिषय का समझौता सभा को बहुत उत्तम तौर से मनोहर लेकचर दिया। किन्तु टकरमा के चेयरमैन S. Kula पादरी ने इसपर कुछ ध्यान न देकर अपने ही बिचार को स्थिर कर अन्याय प्रस्ताव डालकर सभा में वोट लिया जिससे रांची महासभा व चर्च कौंसिल की नये तलब स्केल का हल व फैसला को टकरमा के आम सभा से उठा दिया गया। रांची की महासभा की आईन को एक इलाका आम सभा तोड़ नहीं सकता है। अगर यदि उठाया जाए गा तो रांची का महासभा व चर्च कौंसिल से जो बड़ा होगा वही उठा सकता है। क्या सरकारी पिनलकोड को एक थानेदार उठा सकता है? यदि ऐसा होवे तो ऐसा राज्य नहीं ठहर सकता है। इसलिये आप लोगों से अरजी है कि जब तक रांची का चर्च कौंसिल हमारे नये तलब स्केल के मोताबिक शांतिदायक व सन्तोष जनक हुकुम वो फैसला होने का जारी न करें तब तक सेन्ट्रल फंड बंद रहेगा। पादरी लोग नये स्केल पर सुख भोग कर रहे हैं और प्रचारक लोग पुराने स्केल मोताबिक दुःख भोग रहे हैं जो बिलकुल अन्याय है। निवेदियन का दरखास्त है कि नये स्केल के ठीक मोताबिक प्रचारकों का स्केल चालू रहे, आईन्दे हजूर न्याययुक्त मालिक हैं।

वा: स्वा: खृस्तानुकरस्य तिड़ू प्रचारक सा: टोटो ता: २-६-१९३२ ई:

N. Tapono Ronjul 2.6.32
~~Kurian Ekka~~
M. Kerketta
Gabriel Aind 2.6.32
Samuel Surin
Anandmasih Munda
Mansiah Marki 2-6-32
J. Surin 2.6.32
Prabhusahay Surin 2.6.32
Purnprasad Lugun Lurgi 2.6.32
Kaleph Bagraila 2-6-32
Yahan Jyoti Dombai 2.6.32

Purnprasad Marki
Patres Jojo Barilirinja 2.6.32
P.D. Tapono 2-6-32
Y. Dang 2/6/32
Yakub Rage 2.6.32.
Juseph Khergia Pracharak 2-6-32

[illegible] Rev. S. Kula 1/6/32

Abstract of the minutes of Ilaka meeting D/ (13) 4th Febr 1941
place – Takarma. 7 p.m. to 11 p.m. at night

File

4. कोनसोदे मराडली Vide 7–11–1940.

पादरी S. Kula ने बिमारी के कारण ता: ७-२-१९४१ को कोनसोदे जा नहीं सका। वह हेड मास्टर और बाबू नथान टुटी को वहां भेजा। पर कोनसोदे के भाइयों की ओर से यही कहा गया कि जब तक पूरा इलाका यहां न आवे अर्थात् मुद्दाई मुद्दाल्हे हल्ली मुद्दल्ली न होवे तो किसी बात की निपटेरा नहीं हो सकता है। इस लिये Church Supervisor ने कोनसोदे के भाइयों से सलाह कर ता० १३-२-१९४१ को पूरी इलाका सभा मय कर्मचारी समेत बुलाया। पर कई एक विशेष और Technical कठिनाइयों के कारण कर्मचारीगण ओ इलाके ने वहां (कोनसोदे) जाने से लाचार हुए। सुपरवैजर के साथ यहां कोनसोदे बाबत इलाका ओ कर्मचारियों के साथ बैठकी हुई। अनेक तर्क वितर्क होने के बाद ये दो प्रस्ताव पेश किये गये और समर्थन भी किये गये।

I propose that an emergent exec meeting be held today at 6 p.m. [signature] 13/2

प्रस्ताव न: (१) कि कौन्सिल के Commissioner के हुकुम से कोनसोदे मराडली का जो काम अर्थात् वर्त्तमान में जो बन्द है सो खुल जावे।

(२) और कोनसोदे मराडली जब से अपना Centralization बन्द किया है तब तक का Centralise करे और आइन्दे भी Centralise करे। कहने का मतलब है कि वे एक प्रचारक के आमदनी के अनुपात से जो मिले उसी को रखे और गिर्जाघर बनावे, यह बन्दोबस्त तब तक जारी रहे जब तक २००) रुपया (दो सौ रुपया) जमा न हो।

ये दोनो प्रस्तावें सर्वसमति से पास हुए और यह भी पास हुआ कि उपरोक्त फैसलाएं कार्यरूप में परिनत होने को इलाका मय कोनसोदे को C. C. से order मिले।

5. Latakel Parish — इस कारण कि लताकेल पेरिश को केवल सात मराडलियां हैं और पेरिश Centre पूर्व किनारे पर है और बानो में थाना और M.V. स्कूल है यह इलाका ओ कर्मचारी सम्मिलित सभा फैसला करती है कि (१) टकरमा पेरिश से कोनसोदे और जमटोली मराडली, (२) बड़ीबिरिंगा से कनारोंवा मराडली लताकेल मराडली को दी जाय

और लताकेल पेरिश Centre को उठाकर बानो Parish centre बनाया जाय।

Sd L. Jojowar
Chairman.
13-2-194.

Sd C. H. Herenz
Secretary.
13-2-1941

Sd S. Kula.
Ilaka chairman.
13-2-1941

S. Kula
Ilaka chairman
13/2/41.

C. H. Herenz
Secretary
13-2-1941

L. Jojowar
13.2.41.

Takarma
8-2-41.

महामान्यवर,

आप को हमों का यीशुसहाय।

कृपा करके आज हमों की दीन अर्जी ग्रहण कीजिये। हम लोग ३ कारणों से कोनसोदे में जाना स्वीकार किये को असंभव समझते हैं।

१, समुचे इलाके के कर्मचारी वो इलाके मेम्बरों को तुरंत नोटिस देना अभी तुरंत मोसकिल है।

२/ यदि वहां जमा भी हो जांय तो उनका खरचा खरचा जुटाना अभी तुरंत अति कठिन है।

३/ हमों के विचार में वहां जाना झगड़ा को बढ़ाना वो सभों के मन को बेचैनी में डालना है।

इसलिये हमों की दीन अर्जी है कि आप सिधे टकरमा आइये वो कर्मचारियों को कुछ शिक्षा, चितावन, देने की कृपा करें। वो यहां पर आप को वो सभों की राय होवे तो दूसरा ही दिन कोनसोदे जाने को ठहराया जाय।

सो हमों की दीन अर्जी को कृपया ग्रहण कर यहां आने की जरूर कृपा करें।

आपके आज्ञाधीन दास
S. Kulu.

[illegible] 8/2/41

M. [illegible] 8/2/41 — J. Toppo 8/2/41 — J. Bhengra 8-2-41

No. 157 - File 9 (a)

From.

The Public of the Takarma Ilaka.

To

The Secretary C. C. Ranchi

4-4-1941

Sir,

We have been informed from the reliable source that Mr. Junas Bala would not be installed in the principalship in the coming session of June 1941 owing to some technical obstacles. Now we have the clear idea that it is being tried that Mr. Bala should have no chance. The Mahasabha resolution is going to be made null and void.

In the circumstances we request that the resolution which has been twice passed in the Mahasabha be carried out without any further delay.

We have the honour to be,

Sir,

Yours faithfully,

[illegible]
Bhanu Topno 4/4/41
[illegible]
Paulus Topno
[illegible] 4-4-41
Chety Toru
P. P. Lugun
Suleman Dungdung
Patras Bage
H. Guria
M. Aind
J. Topno
[illegible]

P. S. Aind
D. Lugun
K. Bagraila
P. Jojo
B. Topno
A. Munda
S. Kul 4/4/41
Birpono 4-4-41
J. Horo
D Bage
[illegible]
S. C. Dangwar
[illegible]
[illegible]

[illegible]
Marihdas Surin
Jarmiah Topno 4.4.41
Johan Bage 4.4.41

C. H. Arenz.
D. D. Bage 4.4.41.
J. Bage. 4-4-41.
J. Khungar 4/4/41
P. D. Kandulna
Prabhudayal Surin 4/4/41
[illegible]
N. Tuti 4/4/41.
C. S. Topno 4/4/41
H. Toppo
Halal Surin
[illegible]

File

Konsode
23. 3 - 81

महा मान्यवर श्रीयुक्त पाद्री J. Stosch President को कोन्सोदे मराइलों के भाई बहिनों का यीशुसहाय होवे।

आगे आप को मालुम होवे कि S. Kula अभी तक हम लोगो से न मेल किया है न प्रभुभोज दिया है वह बिना मेलसे प्रभु भोज बांटने को आया है या मराइलो को मन बिगड़ अवस्था मे कैसे ले सकता है इस लिये मराइलो न लिया आप के पहिले फैसला को भी पाद्री S. Kula नहीं दिया केवल दूसरा फैसला सुपरवैजर पाद्री लूथर जोजोवर के जरिये पाये अब सुन रहे हैं कि इला का इसके बिषय मे अबसे झगड़ रहा है वह आपके फैसला को यो न मंजुर करके गोलमाल को बढ़ा रहा है इसे कोन्सोदे मराइलो को पुरा ख्याल है झगड़ा का मूल कारण कुला पाद्री है ऐसे छलबल वाले पाद्री से कैसे प्रभुभोज लेंगे इसलिये हम लोगों को इच्छा है कि पाद्री S. Kula बदली किया जाय और हम लोगो को तुरन्त नया पाद्री दिये जाने को कृपा कीजिये क्योंकि हम लोग साल भर से अधिक दिन आत्मिक भोजन से भूखे हैं और बहुत बालक और शादी वाले वैसाही पड़े हुए हैं इस लिये हुजूर महाशय हम लोगों को दीन -

P. T. O

लाचार देहाड़ि पर कृपाया न से नजर रखिये।

आइन्दे हुजूर मालिक हैं

आपके आज्ञाकारी कोन्सोदे मराडलो के भाई बहिन

Gmarki

23-3-89

आनन्द मसीह मड़की कोन्सोदे बा:स्व:

Habil Marki Konsode

मनसीद मड़की बा:स्व:

Kalyan Marki

दाऊद मड़की बा:स्व:

हबिल सुरिन बा:स्व:

सुलेमान कोनगाड़ी बा:स्व:

योहन मड़की बा:स्व:

दाऊद सुरिन बा:स्व:

पतरस कोनगाड़ी

प्रमुद्ध खालको बा:स्व:

अनीता मड़की बा:स्व:

मरियम मड़की बा:स्व:

सुलेमानी मड़की बा:स्व:

दाऊद कुजुर बा:स्व:

मतियस कुजुर बा:स्व:

मतियस कागे बा:स्व:

जुएल जोजो बा:स्व:

माधुएल बाड़िगा बा:स्व:

E-9 Khunti
19.1.41

Dear Mr. Tiga,

I have just come to learn that the Takarma Ilaka Sabha has forwaded to the Church Council the Latakel Mandli Dispute together with the findings of the Ilaka Commission. I do not know how the Council will tackle it. I am informed that a Commission from the C.C. is likely to go to Letakel to settle the matter. If it be so I would like to request you, as a friend would, to kindly see that the Commission does not include Rev. Luther Jojowar. I shall tell you the reason when I come to Ranchi for the next Mahasabha. Please treat this as purely a personal one.

Yours very sincerely
B. Dangwar

Reply see back of Page 4 of this letter.

Baribiringa

3.4.41

Maha manyawar Rev. J. J. P. Tiga

Ap ko bahut yishusahay.

Main ap se bahut dintā purbak arji bhejtā hun, aur asha kartā hun ki ap meri arji ko grahan karne ki kripa karenge.

Main ne suna ki meri badli ki bát Council men ho rahi hai, so kripa karke meri badli ki bat ko utha dijize. Main ne to kabul kiya hai ki C.C. mujhe jahan bhejega, main jane ko taizar hun. Par meri binti hai ki 2-3 baras Baribiringa men rahne dijize.

Lowarom ke Padri ke upar nanaprakar ki shikayat Poletical ki or se Council men jati hai, waisa mere upar bhi han adhik bhi shikayat ho sakti hai, aur badnam bhi ho saktā hai. Is liye meri badli ko utha-

done ki puri asha ap hi ke upar rakhta hun.

meri burhape ki arji ko kripa kar grahan kijiye.

yah Private chithi ap ke nam se bhejta hun.

ap ka din
sewak
Christochit Toppono

Mayyawer

~~Dear~~ Rev. Chintochit Doporno

ko Yisusahay.

Ap ki chithi

mili. Kai karanon se

prayah nischay hai ki

abhi Loarom men wahi

Padri rahega. Usko badli

karne ka bichar hota

~~tha~~ par saed ab darkar

nahin hai.

Ap Shubh,

LUTH. M. A. SCHOOL
No.
D.

895/41/F- 9. 8th April 1.

To,

The Rev. Christochit Topno,

G. E. L. Church, Baribiringa.

P. O. Lassia. Dist. Ranchi.

Manyawar Rev. Christochit Topno ko yishusahay.

Ap ki chithi mili. Kai karanon se prayah nischay hai ki abhi Loarom men wahi Padri rahega. Us ko badli karne ka bichar hota tha par saed ab darkar nahin hai.

Age Shubh,

Secretary
G. E. L. CHURCH,
CH. NAGPUR & ASSAM.

No. 737/41/F 9.

22-3-41

The undermentioned document is forwarded to the Ilaka Chairman, Takarma for information and guidance.

J. Tiga

Extract from the Minutes of the meeting of the CC Executive held 14.3.1941.

Item 23.

"Monsade trouble. Rev. L. Jojowar ne Ilaka se arji huwi kagajon ki khaton ko sankhep se Council ko samjaya jinmen Ilaka ne bishop karke Centralisation ki niyam ke bhang kiye jane ke khatra ka jikir kiya hai. Ek bat batayi gayi ki in kagajon men Ilaka Panch ke bahut memberon ki sahi to hai par Ilaka Chairman Rev. S. Kula ki sahi nahin hai isliye Rev. L. Jojowar se arji ki gayi ki in kagajon ko Rev. S. Kula ke pas bhej dewe aur use arj kare ki unmen unki sahi na hone ki kya wajah hai aur in baton par unka kya kahna hai usko Church Supervisor ke nam men 29.3.41 tak men Khuntitoli bhej dewe. April 3ta. ko Rev. L. Jojowar aur Rev. Lucas Topno Govindpur Commission hoke Takarma jawen."

9. 4.9.40

Letter from the brethren of Jambahal - Jamburla D/- 17-6-40

&.

Rev. Jojowar's suggestion on it - D/- 20-8-40 have been sent to the Rev. E. Ekka, Rajgangpur on the 6th Sep. 1940 along with the office letter Nos. 1562 & 1563 D/- 6th Sept. 1940.

B.B. [signature]

6-9-40.

To,
The Secy.
Takarma I Ulka.
P. O. Lassia.
Dt. Ranchi

Secretary G. E. L. Church, Chota Nagpur & Assam,

No. .... Lutheran Compound
Ranchi.

The Secretary,
Takarma Ilaka

Date...7...3.41

DEAR SIR,

Received your letter ~~petition~~ No...14...of date.....5. 3. 41.......

on the subject of..............Konsode.......on 12.3.41

The same will be placed before the Council [Executive] and the result communicated to you in due course.

Yours sincerely

Joo Vega

Secretary.

509/41/F- 9. 27th Feb. 1941

To,

The Ilaka Chairman,
Takarma.

Mahashay,

(1) Hathnanda case :-

C. C. Executive ne 26.2.41 ko faisla kiya ki Hathnanda ke case ke bishay Ilaka apni faisla kare. Larka larki ko bulaye aur yadi we na awen to unko saja de dewe.

(2) Latakel Parish ka naya Centre :-

Ilaka Panch niyamit rup se karan sahit darkhast dewe ki kyon Bano ko centre banane chahte hain aur is bat men Latakel Parish aur Latakel Mandli ka kya kahna hai.

Ap ka bishwast,

[signature]
Secretary.

506/41/F- 9. 25th Feb. 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. S. Kula Chairman, Takarma Ilaka for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committee (contd.) held on the 13th February, 1941.

Item Nos. 36 and 37.

" 36. Candidate Babu Daud Roy :-

Takarma Chairman ki chithi parhi gayi.

Phaisla huwa ki Babu Daud Roy ko Rs. 5/- non-recurring arthat kewal ek bar sahayta ke nam se diya jay."

" 37. Korwa Larka :-

Takarma Chairman ki chithi par phaisla huwa ki jo Korwa Larka Takarma School men parhta hai jis ko Takarma ne free boarder aur free-scholar rakha hai Church Council us ke liye pustakadi kharch ke liye Rs. 6-7-0 bhej dewe. Yah non-recurring samjha jay."

---

9 Pite JP 10/1 Full Council

JB 12/1 16

To,
The Secretary,
Lutheran Church.
Ranchi.

From:-
Takarma Ilaka.
Lassea.
Ranchi.
10. 1. 41.

Mahashay,

C. C. ke Memberon ko Takarma Ilaka ki orse Yishusahay.

Ilaka Minute Tarikh 9. 1. 41. Item 5, Bishay Daniel Dang Hathnanda, O Mansukh Lohar Hathnanda O Sukhmani Surin Hathnanda ki Vyabhichar sambandhi baten.

Sanklap:- Ilakene anek tark bitark karne ke bad antim isi natijepar pahuncha ki sabse uttam upay yah hoga ki Latakel ke ukt bhai bahinon ka antim bichar aur phaisla ke liye Church Council ko sare kagjad nathi bamaujib Number o Tarikh ke sath supurd howe.

So ham Ilakaganon ki C. C. se bishes arji hai ki uchit bichar karke apni phaisla sunane ki kripa karenge. Kagjad nathi karke bhej diye jate hain.

Ilake ke hukumse,

Apke agyadhin Das.

S. Kul... 15/1/41.

P. D. H. Bap.
10. 1. 41.

Latakel Mandli ka Gohnal.

Sukhmani Surin, Daniel Dang aur Mansukh Lohar ke sambandh men ke kagjad ke List:—

Nos.

1. Chitthi 14-10-1939. To Kaka Titu, from Daniel Dang Duiya.
2. 25-5-39 To Sukhmani Surin Hathnanda, from Danial Dang. Duiya Khadhan.
3. 6.4-39 Prabhudayal Munda Hathnanda ka kabuliyat.
4. 19.4-39. To Sukhmani Surin Hathnanda from Daniel Dang Duiya.
5. 9.4.39. To Suleman Surin Hathnanda, Darji, from Daniel Dang Duiya.
6. 15.4.39. Hathnanda Parha phaisla kagaj.
7. 5.2-40 Latakel Mandli Ainsabha ka minute.
8. 11.6.40. Notice to Sukhmani Surin
9. 11.6.40. " " Daniel Dang.
10. 11.6.40 " " Mansukh Lohar.
11. 10.6.40. Minute of Ilaka Commission meeting at Latakel.
Page 1—17.
12. 2-10.40. Mathu Chaukidar ka likhit kagaj.
13. 2.10.40. Chaukidar ke maran Bahi ka Nakal. Nakal karnewala Babhuradhwal Dang Hathnanda.

No. 14. 15-4-39. Prabhudayal Surin Hatkmanda ka Ijhar.
Secretary. Ishak marki Latakel.
Chairman D. Storo. 15-4-39.

No. 15. 13. 5. 39. To Sukhmani Surin Hatkmanda from Daniel Dang Duiya Khadhan.

No. 16. Date 7. 5. 39. To Miss Sawdhani Surin (V) Torondauli, P.O. Anandpur. (Rajanandpur B.N.Ry) Dist Singhbhum)

No. 17. 22. 5. 39. To Sukhmani Surin Hatkmanda from Daniel Dang. Duiyakhadan

No. 18. 22. 5. 39. To Sawdhani Surin. Torondauli from Daniel Dang. Duiya Khadan.

No. 19. 11-6-39. To Sukhmani Surin Hatkmanda from Daniel Dang Duiya.

No. 20. To Sawdhani Surin Torondauli from Daniel Dang. Duiya.

No. 21. Markas marki Latakel ka gowa ijhar. 4-1-41.

No. 22. 1. 12-40. Akhtiarnama.

No. 23. 31. 12. 40. Akhtiarnama.

P. D. Bap
10. 1. 41.

P. Dayal Surin
10/1/41

No1. 19/10/1939

मन मे नीत पियारे आआ हो रु

आप को बोहार से साल होरे ह हो को

मेरा यारा सहाय होवे

आज आत मैं आसरा हो रु आप लोगों

का भी चीठी से ज़ुवारा साला हाल मालूम

किया बात यही है आप मेरा इसाल आ

आर आद किया इसका ह लड़का को

देते हैं को इसका का लड़का होन

देगा आपना लड़का को डाल मुझ को

नहि देगे तो इस सब का लड़का होन-

को मैं जीन दाना मार आमा

दूगा और आप इसको बस्ते

जोर करायेगा तो मैं आपको

सब होता और आमीरा

देदूगा ह लड़का को देते है

को आपना लड़का देन

देते है होन डाल देते है

तो इहा आदान से आप

लोगा छोन आटना

सु अमरीके है पूरा जाल बिछा किये
है तो ऐसा होने से मैं जाड़ा
मैं जां अर मे अमीन अदरगा
अब हे मेरा इसात बरबादी आया
है पुस हवाचका पुरानी आर
रहा है मैं इलाका पुराना आमी
होगा अगर गा
इतना [illegible] बाद आपका दिल
जल जल सु आर अपड़
ना L. Daniel Dang
Dana

No 2. Duniya Ichachhan

25-5-39

मन के भाव विचारे जुड़ी सगात आप को जो घर के सब छोटे बड़ों को मेरा यथा सहाय व प्रेम के साथ चुमा पहुंचे

आज कल मैं ईश्वर पिताजी आपार दया से अच्छा चंगा हूं और आप लोगों का भी ईश्वर की कृपा से सब कुशल खबर मैं चाहता जैसे बताई तैसे मैं सोच और फिकिर में डूब गये आप का क्या दुःख और क्या दरद है मैं घर की चिट्ठी के दुवारा मालूम करना मैं देख दुःख बना के भेज देऊंगा अगर आप के सेनाव आने सकेंगे तो आना आप का दुःख जोर होता है की घरता है इस कठिन से मुझ को नहीं बताया मैं बहुत अफसोस करता हूं बाई सब को ठिक से पहाड़ ना वो, वो, जैसी तकलीफ में आप पड़ गये जैसी हम दोनों आप मैं गिरे हैं तो भी ईश्वर का नाम को कभी नहीं भूलना दिन बार दिन ईश्वर का नाम लेना मैं आप को कभी नहीं छोडूंगा मैं सही करके कहुंगा आप मत सोचना की आप ने मुझ को छोड़ दिया ई बात नहीं होगा जिन्दगी भर मैं आप को कभी नहीं छोड़ सकता हूं और इस बात की मैं मरसात बाबू के हाथ मैं २०) रुपया भेजा था इसको आप पाये हैं कि नहीं इतना चिट्ठी मैं भेजता हूं आप क्यों नहीं भेजते हैं आज पहुंचेगा कल पहुंचेगा बोलता रहे आप ऐसा तकलीफ में पड़े हैं इस को वो मालूम नहीं था मरसात मुझ को बताया की जांग तोरा पकड़ा है बोलता रहा मैं भी आप के वास्ते विनती और प्रार्थना करते रहता हूं जैसे अच्छा होगी तैसे आना और बाबा और दीदी आप दोनों को मैं बोलता हूं की आप दोनों आगे से दुःख का चिन्ता करियेगा मैं जाने नहीं सकता हूं आज कल इतना बड़ा रहस्य निकल गया की क्या बोलेंगे बहार जाने का फुरसत नहीं मिलता है

मैं आप का खबर जैसे पाया तैसे खाना खाने का दिल भी नहीं करता हूं पर क्या करे सो कहिए आः जाय बोल कर के मैं धीरज धरे हैं चिट्ठी का जवाब जरूर भेजना थोड़ा होने से भी खबर मैं पहुंगा नहीं तो सोच फिकिर हो से मैं मर जाऊंगा जो होगा सो मैं देख लेऊंगा आप भी धीरज पूरा करना करना

આપ લોગ માત બોયાર અપના ભાઈ આપ બતો
છોડ દિયા હૈ કુ બાત નહીં હોગા મૈં ફિલ દુરાગે આર
અજાવ નહીં છોડ સકતા હું કે લોઅન મૈં આપ લોગો
ભાયહી બોલતા હું ભી બરાબર કિચાહી એસના
ઇતના હી બાત લોખતા હૂં હુઃ બાદ, લે અબપાન સે
ખુદા મુજ સરકાર બે પઙ્ગા

૧ ડી. Daniel · Dang · Dmiya · Jekaelhani

પાદ્દ

મુત્ત માનો સાંકેન

દુરા તા: દી:

No 3.

लि: रजाल-कुजा-वाल्द रामु-मुण्डा-साकिन-
मौजे हरलालदा परगना गरेरा-थानावाला जिला-
रांची का हैं आगे आज-ता: ३-४-१९३९ ई:
को ...रखवाल-पहान-का रजाल मुण्डा-का बतलाया
पहान-का हरूस-पहन-का आगे बतलाया का
घर में जा हम को आ हमारे बच्चे सुखमानी से
जा २ बात पूछा-गया-और पूछने का-जवाब जो
दिया हैं सो बिलकुल-ठीक-है आप से हम से
पूछा गया-कि-हमलोग-जो गांव में सुना सुनने में
आता है क्या तुम्हारा बच्चे गरवाते है कि-मरर
बात है तब हम जवाब दिया-कि-ठीक है
तब सुखमानी का पूछा-गया-कि क्या तुम गर
वाते हैं तब जवाब ~~किया~~ दिया-कि हाँ हम
गरवाते है फिर पूछा गया कि कितना दिन का
बच्चा-है तब जवाब दिई कि-नववाँ महीने का
(आठ चार महीना का)
तब फिर उसका पूछा-गया कि किसका बच्चा-
तुम लिया है वह उसका बताओ तो वह बोली
कि-हमारे घर में जो चांगर हुआ था सो मनसुख
को हर का है इतना कहके बोलन जो हम का

और वह सुख मानते लिये हैं सो लिखने के
सबब और आइन्दा निजखान से बादशाह परजा
बात हुआ है सो आपने खुद मिजाज से
बात है और जवाब लिये है अगर यह सखावत
का इरादा आपने इजाद फरमान और सरन
के नार आमल ~~खोलते~~ खुलते कर व खून
खतरा कर ~~[illegible]~~ P.R. व होगा तो गाँव के पाहन
मुण्डा और दूसरे गाँव नाइयों का कोई कसूर
नहीं है और अगर ऐसा खतरा होगा तो ये
चार आदमी आपकी आज्ञा समाजे पंच और
मालिक और इस बात का कसूर हम दोनों
के ऊपर होवे और होगा इसलिये यह सादा
कागज में यह इकरार कबूल लिख देते हैं कि
वक्त पर काम आवे

पढ़ के सुनाया

द: प्रभुदयाल पाहन
इचनालया

टीप सही प्रभुदयाल मुण्डा इचनालया.
द: P.R. [illegible] ता: ६-8-३६

Seen by
S. Kulo & [illegible] in the [illegible]

No 4. 19/4/39 ~~19~~

प्रिये मित्र गुड्डे राम सुकमनी तुम को व घर के सब
छोटे बड़े को मेरा यीशु सहाय होवे

आगे हाल समाचार को आज कल ~~...~~ रात को रोज बुखार होता हूं
और तुम कैसे हो सो हम को न मालूम है पर आसा करता हूं
कि तुम अच्छे ही होगे

लिखने का यही कारण है कि तुम्हारे साथ में मुलाकात
नहीं हो सका सो मैं बहुत ही अफसोस में पड़ा हूं एक और साथी का
आना नहीं तो मर ही जाऊंगा मैं ~~...~~ [illegible] मुलाकात
होने नहीं सका मैं तुम्हारा घर गया था लेकिन मुलाकात होने
नहीं सका फिर मैं लौट गया और मैं रोते रोते छुइया पहुंचा
हूं और आजकल और रातो दिन बुखार में पड़े हैं ~~...~~
हम जरूर कर के आना और तुम जो पैसा दिया रहा
~~इसका~~ इससे मैं सड़ी खरीद कर ~~...~~ समसान के हाथ में
भेजा देता हूं और चोटी चपाटी को नहीं
भेजती हो जरूर चोटी चपाटी भेजना
यहां ये आदमी साथ कुछ बोलेगा भी जाने देना
बोलने वाला को बोलने दो लेकिन मैं तुम्हारी
सड़ी समसान के हाथ में भेज देता हूं

इतना ही बात लिखता हूं

भूल चूक सुधार के पढ़ना

लि: हीनरएल जोगा छुइया

उत्तर [illegible] का सड़ी भेज देता हूं

No 5. 9/4/39 38

मन के आंति पियारे ईयार सुलेमन भाव को
वो घर के सब छोटे बड़ों को मेरा शीश सलाय
वो प्रेम के सत चुमा पहुंचे

हाल समाचार यी आज काल मैं अच्छा ही हूं
र आप लोग कैसे हैं सो हमको नमलुम है पर
नौ यों आसा करता हूं पर आप लोग भी अच्छे ही
होंगे .

लिखने को यह ही जरूर है को आपको लिखे
दवा मगांयेंगे बोलते थे पर जुनास बाईद बोला
की उस आदमी को बुलाव मैं देख लेऊंगा
और दवा उसके लिये बना देऊंगा बोलता है
सो आप जरूर भर के आना और चौकी भी
ले आना सब रेडी हुवा है कपड़ा भी मैं लिया
हूं केवल बैटने को बाकी है और आप क्यों
चिट्ठी नहीं भेजते हैं सो मैं बहुत नराज होता
हूं आप जरूर ही खबर सब भेजना और
जरोय ~~[illegible]~~ दाऊद बोला रहा भी हुनीफ
अस्पताल में होगा तो भेज देना बोली के ~~[illegible]~~
रहा अस्पताल में *आईरस हुनीफ है कौन
हुनीफ को ~~[illegible]~~ बेयोहार किया था उसका
नाम भेजना चाहिये इतना ही लिखता हूं
भूल चूक सुधार के पढ़ना छुट बड़ो से
लि: दानरल डांग दुईया

No 6.

फैसला.

प्रभुदयाल सुनितको उसकी बेटी सुलमानीके इजहार पर जो इकरार नामा ओ कबुलियत जो लिखा था- उसको जब सभा पढ़ सुन लिया. और सभाके समनेह जो प्रभुदयाल बेआन किया ओ अपना कबुलियतको खुशी दिलसे मान लिया. इसपर सभा तजवीज किया कि सुलमानी जो अपना इजहार अपना बाप ओ प्रभु रखवाल बगैरह के समनेह दिई है सभा पाया कि- वह किसी के चमकाने, डरवाने से नहीं पर अपनेही सच्चा दिलसे इजहार दिई है और इसीसे लड़की जब अपनेको देख पाई कि मैं अब लोहर कुलमें चली गई हुं समझकर वह घरसे निकल गई और लापता हो गई। और वह दूसरा बयान सबुता सामान साड़ी ओ चिट्ठी वगैरह जो प्रभुदयालने सभाके समनेह दाखिल किया. सभाके देखरेखमें ना लायक ओ जलपाक पाया गया. क्योंकि यह सबुता पहिले इजहारमें कोई चर्चा नहीं किया गया था। ओ तजवीजमें वह साड़ी तो अपना भेजा हुआ पैसाका खरीद था और चिट्ठी जो था सो तो गुड़राम नातेपर का चिट्ठी पाया गया. इसपर सभा यह फैसला निकाला कि सुलमानी का गर्भवास जो है सो मनसुख लोहरहीका है आखिर बाहस किया गया कि- आजसे सुलमानी लोहरा कुलमें गिनी गई और प्रभुदयाल अपना घरवारी समेत कुलसे बाद है। आगे जब प्रभुदयाल अर्जी किया कि मुझे यही सभा आजही मुंडा रीतके अनुसार सुधय पवित्र करके मुंडा कुलमे भीतर कर देवे; इसपर सभा अपना जाति पड़हा रूप धारण कर जो रेवाज मुंडा कुल का है उसके अनुसार उसे भीतर करनेके लिये राजी हो गये और अपना रेवाज के अनुसार प्रभुदयाल सुनित को और उसके घरवारी को सुधय पवित्र करके सब सभा को गैरह मिलकर खा पीकर समपु कर दिया- ओ कुलमे भीतर कर लिया।

पदधारी, उतराधिकारीयों की सही

सही जुएल मुंडा कुंवार सम्मानित लतरकोल ब: १७:
सही मनसुख डांग हतनदा बं० १९०
सही - सुलेमन - मड़की - ठाकुर - खेताकोल ब: १७:
सही बानेल सामद ठाकुर पोशर बा:१७!
टेप सही - मानी जुगुन - दमान - पोसोर
टेप सही सोमा - लोहरा - ठाकुर - पोसार
टेप सही - बिलु - सुरिन लाल साद

टेप सही दामराल - मड़की - लतलाकल - बा: १७
ता: १९/ ...

સહિ નાયબફોજદાર મનામે નાન મેળ

સહી હેડ રાણા મોહિયા બારૈયા

ઠે.અ. શાહે ભાનુ- દેવન- બરજા- પોમાર

ઠે.અ. શાહે યુસફ- અબ્દુલ્લા- લાલુ હમાલ્લા

No 7.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2, [illegible]

(a) [illegible]

(b) [illegible]

(c) [illegible]

(d) [illegible]

6, [illegible]

7, [illegible]

[illegible]

8, [illegible]

[illegible]

2 [illegible]

(C) [illegible]

10, [illegible] ता. 14-8-39 [illegible] 25-5-39 [illegible] 28-10-39 [illegible] 24-2-39 [illegible] ता. 14-8-39 [illegible]

11, [illegible]

12. [illegible]

[illegible] ता. 11-2-40 [illegible] ता. 11-2-40 [illegible]

S. [illegible]

M. P. Dang.
21-2-40

Minute ke asal nakal

D. Horo
Chairman.
21-2-40 —

To No 8. ~~Copy~~ Notice

Sukhmani Surin

लताकेल
११.६.'४०

आप को एकरमा-कर्मचारियों की ठहराई हुई कमीशन ११.६.'४० की ओर से चीथु सहाय-

इस नोटिस के द्वारा आप को आगाह किया जाता है कि क्योंकि ता. १०.६.'४० लताकेल मंडली के यही लिखा जाता है कि आप नोटिस पाने के तीन रोज बाद या उसी रोज लताकेल में आके कैफियत दें-

१. क्या आप ने मनसुख लोहार को वनिफल डोंग साकिन हथनन्धा दोनों ने वा एक ने व्यभिचार किया?

२. क्या आप को वनिफल डोंग कमीज प्रेम की रक्त और प्रेम के चिन्ह के निमित्त कपड़े आदि भेजा करते थे?

३. क्या आप को १५-४-३९ में मनसुख लोहार से एक किता मंडली सजा व्यभिचार के कारण से हुई थी?

४ आप १९३९ में किसका गर्भ होवी थी?

~~अवश्य~~ होगा आप ही खास आकर के इसका कैफियत लताकेल में दें वा अपने निज हाथों से लिखित कैफियत इन्हीं जनों के हाथ में उक्त तीन विषयों पर दें।

नोट:- अगर आप लिखित कैफियत देते हैं तो शुरू ऐसा लिखना होगा-

मैं सुखमनी सुरिन निष्कपट ईश्वर पिता पुत्र और पवित्रात्मा के सामने और इन गवाहों के सामने यह —— करार करते हुए लिखती हूं।

खास नोट :- अगर आप नोटिस पाकर न आवें वा लिखित कैफियत न दें तो कमिशन को हक होगा कि वह आप को मनसुख लोहार और वनिफल डोंग से व्यभिचार का दोषी ठहरावेगा और इसका उजर किसी भी हालत से नहीं माना जायगा

Sd/ Chairman
S. Kullu
11/6/40

Sd/ Secretary
P. D. S. Bage
11/6/40

No 9. Copy.

To,
Daniel Dang.

लताकेल
११-६-४०

नोटिश.

आप-को रखुमा-कर्मचारियों-की ठहराई-हुई-कमिशन ६-६-४० की-ओर-से-यीशुसहाय—

इस-नोटिश-के द्वारा-आप को-आगाह-किया-जाता है-व मौखिक कमिशन-की बैठकी-लताकेल-मंडली-ता० १०-६-४०-के यहीं-लिखा जाता है-कि-आप-नोटिश-पाने-के ३ रोज-बाद-या-उसी रोज-लताकेल-में-हाजिर-आके-कैफियत-दें।

१. क्या-आपने-सुखमनी-सुरिन-वल्द-पजुदयाल-सुरिन-साकिन-हपानडा-से-नाजायज-किये?

२. क्या-आपने-२४-५-३६-को-कोई-प्रेमकी-खत-सुखमनी-सुरिन-को-लिखे-हैं?

३. क्यों-आपने-१८-१०-३६-को-सुखमनी-से-प्रेम-सम्बन्धी-बात-टीडु-पहान-को-लिखे-हैं?

अच्छा-होगा-कि-आपही-खास-आकर-इसका-कैफियत-लताकेल-में-दें-वा-अपने-निज-हाथ-से-लिखित-कैफियत-इन्हीं-जनों-के-हाथ-में भेजदें उक्त-तीन-विषयों-पर।

नोट:- अगर-आप-लिखित-कैफियत-देते-हैं-तो-शुरू-ऐसा लिखना-होगा—

मैं-डानिएल-डांग-त्रिएक-ईश्वर-पिता-पुत्र-और-पवित्रात्मा-के-सामने-और-इन-गवाहों-के-सामने-यह—— करार-करते हुए लिखता-हूं।

चिट्ठी-का-नकल-नयी-कर-भेजा-जाता-है,

खास-नोट!- अगर-आप-नोटिश-पाकर-न-आवें-वा-लिखित-कैफियत-न-दें-तो-कमिशन-को-हक-होगा-कि-वह-आप-~~को~~-सुखमनी-सुरिन-से-नाजायज-का-दोषी-ठहरावेगा—और-इसका-उजूर-किसी-भी-हालत-से-नहीं-माना-जायगा।

Sd/ Chairman S. Kula.
11/6/40.

Secretary
D. D. Bing
11.6.40.

To No10. Com.

Notice

लताहेल
११-६-'४०

Mansukh Lohar

आप को रवन्ना कर्मचारियों की बुलाई हुई कमिशन ६-६-'४० की ओर से [illegible]-

इस नोटिस के द्वारा आप को आगाह किया जाता है क्योंकि उक्त कमिशन की बैठकी ता: १०-६-४० लताहेल मंडली के यहाँ किया जाता है कि आप नोटिस पाने के तीन रोज बाद या उसी रोज लताहेल में हाजिर आके कैफियत दें।

१. क्या आपने बुधमनी सुरीन वल्द युगुदयाल सुरीन साकिन हसान्दा से व्यभिचार किये थे?

2 क्या आप ही का गर्भ १९३९ में बुधमनी सुरीन होती थी?

3 क्या आप ~~ही का गर्भ~~ १९३९ के अन्त तक लड़की बुधमनी को घर में रखा थे?

अच्छा होगा कि आप ही खुद आकर के इसका कैफियत लताहेल में दें वा अपने परिचित जन से लिखित कैफियत इन्हीं जनों के हाथ में उपरोक्त विषयों पर दें।

नोट- अगर आप लिखित कैफियत देते हैं तो शुरू करना होगा—

मैं मनसुख लोहार निष्कपट ईश्वर पिता पुत्र और पवित्रात्मा के सामने और इन गवाहों के सामने यह —— स्वीकार करते हुए लिखता हूँ।

खासनोट- अगर आप नोटिस पाकर न आवें वा लिखित कैफियत न दें तो कमिशन को हक होगा कि वह आप को बुधमनी सुरीन से व्यभिचार का दोषी ठहरावेगा और इसका उजुर किसी भी हालत में नहीं माना जायगा।

Sd/- Chairman S Kulu
11/6/40

Sd/- Secretary
B. D. S. Bage
11. 6. '40

५-२-८० के आमसभा की बैठक में जो ~~कई~~ मंडली संबंधी कईएक बातों का विचार करने के लिए बैठी ~~Agenda एवं नोटिस~~, जिसके १०वां ११ Item को आज के मंडली कमिशन सभा ने गत ५-२-८० के Chairman & Secretary ने जो फैसला दी जिसमें लोगों ने सुखमनी हुरेन और दानियल डांग के व्यभिचार के पाप में गिरने का फैसला किया और छोटी सजा में रखने का आदेश निकाला।

तिसपर ~~मुदा~~ मुदाल्लेह,

जुनस डांग।
ओबेद डांग।
बेन्थिन डांग।
मसीहप्रसाद डांग।
दाऊद डांग।
मनसुख डांग।
बिआस डांग।
सिलास डांग।
नेकफ डांग।
इलियास डांग।

ये लोग सुखमनी हुरेन और दानिएल डांग के व्यभिचार के पाप में गिरने का फैसला ५-२-८० के मिनिट के अनुसार नामंजूर हैं। और ११ item और १२ item का अन्तिम Para, "आज में सभा ने कहा ..... ठीक है" का उजुर करते हैं।

Item 11. को भी आमसभा ने विचार किया। इस बात को Secretary और President करार करते हैं कि प्रस्ताव सभा में किया गया लेकिन Secretary और President के कहने के अनुसार ५-२-८० के मिनिट में प्रस्ताव और फैसला नहीं लिखा गया।

P.T.O.

V

५. योरव भुईया।
६- बरनाबास - डांग।
७. ऐयुब कौड़िया।
८. अमुस कौड़िया।
९. एलिपस माड़की।
१०- अबिशालोम तोपनो।
११- दाऊद - माड़की।
१२- हनुख डांग

(b) १. जुनस डांग।
२. सिलास डांग।
३. दाऊद डांग।
४. ओबेद डांग।
५. बोअस डांग।
६. मनसुख डांग।
७. कलेफ डांग।

(a) इज़हार

१:- मसीहप्रकाश डांग:- मेरा नाम मसीहप्रकाश, वल्द नथानियल, पेशा खेती, इलाका पेंच, साकिन खनन्दा, उम्र 80 बरस, कुदुं थाना बाते, जिला रांची का हूं। ५-२-८० में मंडली आमसभा बैठी। ३६ जन हाजिर थे। मंडली आमसभा थी। Chairman श्री.म.ज. थे। Secretary मैं मसीहप्रकाश डांग था। मैंने मिनिट लिखा। मिनिट सादा कागज में रखा था। ६-२-८० को मिनिट लिखा। चार मुख्य बातों का बिचार किया। ११-२-८० को मिनिट तैयार होकर सभा को सुनाया जाय और पास किया जाय। मंडली को सुनाते समय पादरी गैर-हाजिर थे इस कारण १० रोज का तारीख दिया गया। मिनिट पर चार जगह २१-२-८० को पादरी के कहने मोताबिक "पढ़ा सभा" लिखा गया आमसभा के सामने नहीं। 10 item के विषयमें इलाका Chairman को दरस.... हमलोग मिनिट का पूरा नकल और दो चिट्ठियों का पूरा नकल भेजा।

Continued from 7th Page
P.T.O.

<u>कागजात :-</u>

~~Ex~~ (a) Driya Khadan 25-5-39. by Daniel Dang
8D.A ~~(b)~~ to Sukhmani Surin.

(b) 14-10-39. from Daniel Dang to Titu Kaka.

(c) Dayal Munda का कबुलियत २६-8-३६.

(d) 9-4-39 from Daniel Dang Driya to Suleman Lyar

(e) 9-4-39. from Daniel Dang to Sukhmani Goiram.

(f) फैसला १५-8-३६ सुखमनी के बारे।

दूसरी बेला की बैठकी।

1. सभापतिने प्रार्थना के साथ सभा को आरंभ किया।

<u>५-२-४० के आमसभा मेम्बर :-</u>

१. प्रभुरखवाल डांग।
२. हनुख डांग।
३. बरनाबॅस डांग।
४. पतरस मानकी।
५. प्रभुदान डांग।
६. दाऊद मानकी।
७. मार्टिन मानकी।
८. एनेम मानकी।
९. अबिसलुम तोपनो।
१०. फुनस पनवार।
११. मसीहदास तोपनो।
१२. अमुस बोड़िया।
१३. फिलिप डांग।

2. नीरइसहाक मातमी को:- कुजंपर जूको टोप लाकूर के पास बतलाया गया इसलिए इन चिट्ठियों को सबूत के लिए खोला।

~~२५-५-४० की चिट्ठी कैसे आप लोगों को मिला?~~
१

२५-५-३६ की चिट्ठी को इसहाक मातमी आमसभा मे दाखिल किया था। इसहाक मातमी इसको आमसभा के बैठने के अर्थात ५-२-४० के १ या २ रोज पहले समसोन लोहार से पाया। इसहाक. मड़को ब: १ल:

१४-१०-३६ की खत को भी इसहाक ने आमसभा मे पेश किया जिसे वह टीटु पहन से पाया। टीटु पहन को पूछने से मालूम हुआ कि उसने इसको बन्दुगाओ के स्तिफान के हाथ से पाया। स्तिफान ने (इसको) टीटु को कहा कि, "मैं इस खत को मनहरपुर में आप लोगों के गांव के गया हुआ जन से पाया।" टीटु से पूछने पर कि क्या आपका इयार दिया उसका नाम बतलाया? जबाब, नहीं। चिट्ठी को टीटु बीते कार्तिक महीने में स्तिफान से पाया। इस चिट्ठी को टीटु डेढ़ दो महीने अपने पास रखा और किसी को नहीं पढ़वाया। चिट्ठी बिना लिफाफा में थी। चिट्ठी देनेहारा स्तिफान और लेनेहारा टीटु दोनों अनपढ़ हैं।

६-८-३६ की दो अलग अलग खत जिनसे सुखमनी के पिता ने १५-८-३६ को ये सबूत के लिये पेश किया था कि दानिएल डांग ने मेरी बेटी का इज्जत लिया था और साथ में कितने चीज जैसे दो साड़ियां, साबुन और शीशी इति। तिसपर पंच ने १५-८-३६ को दानिएल डांग को निर्दोष पाया।

Masihprakash Dang
10.6.40

3. आमसभा के (५-२-४० के) मिनिट के तसदीक के लिए ये लोग उन्हीं से चुनकर सभा में पेश किये जाते हैं जिसे सभा ने मंजूर किया

(a) १. मसीहप्रकाश डांग।
2. पादरी बाबू दानिएल होरो।
३. प्रभुदयाल - डांग।
४. इसहाक माड़की।

No 11.

I

1. आज ता० ३०-६-८० को लतापेल मंडली में, टकरमा कर्मचारियों की भेजी हुई कमिशन ~~की बैठकी~~ जो लतापेल पंच ~~को~~, गैरह की समलित ~~बैठकी~~ बैठक हुई।

2. पादरी ए०स० कुवा ने गीत ६६ के १+२ रे पद को गवाके गीत ५०:१५ के आयत पर छोटा उपदेश देकर सभा को प्रार्थना के साथ आरंभ किया।

3. सब सम्मति से सभा के चलाने के लिए सभापति पादरी ए०स० कुवा और रेकार्डिंग सेक्रेटरी ~~पादरी~~ पी०डी०ए०स० बागे चुने गये।

4. हाजरी:-
कमिशन
(a) पादरी ए०स० कुवा।
(b) पी०स० बागे।
(c) पुरुष ~~...~~ डांग।
(d) पुरुष टोप्पो।
(e) एक गैरहाजिर (दाऊद मांझी ~~...~~ के पर पीछे से हाजिर हुए।

लतापेल मंडली पंच:- ६ जन।
(a) ए०म० डांग (मसीह प्रकाश डांग)
(b) जे० डांग (जुनस डांग)
(c) जे० भुइंया (जुस्व भुइंया)
(d) एसुव बाड़िया।
(e) इलियस मांझी।
(f) इसहाक मांझी।

लतापेल के गैरह भाई लोग:- ४७ जन।
मिजिर इलाके के:- ~~६ जन~~ १५ जन।
मिजिर और इलाके के!- २ जन और पादरी पी०डी०ए०म०।

5:- बिषय:-
मनसुख लोहार, सुखमती सुरिन और दानिएल डांग के व्यभिचार के बिषय।

P.T.O.

समसोन लोहार का इजहार।

समसोन लोहार साकिन लपनन्दा

बाप का नाम डीबू। मेरी उम्र 80 बरस है। मैं गृहस्थी और लोहार का काम भी करता हूं। मैं २५-५-३६ की चिट्ठी को नहीं लाया और नहीं जानता हूं और मैं बीते ७ या ८ महीने पर कोई खत वा कागज वा पट्टा इस्हाक माड़की को नहीं दिया। इस्हाक जो बोलता है कि मैं इस खत को समसोन लोहार से पाया सो झूठ है। सभा में रखवाल के गवाह को जीरा करते पर करार किया कि उसीके घर से इस्हाक को खत मिला। पर रखवाल की ये बातें कि पुनस डांग सब मारेंगे पीटेंगे, सो झूठ हैं। खत को तपकारा थाना तोरपा से हमारे कुटुम्ब सब लाये थे। डिबर दुईया खदान से इस खत को लाया था।

लिण्गुदयाल सुरिन:— उम्र ६५ बरस है। साकिन लपनन्दा। थाना बानो, जिला रांची का हूं। मुझे रखवाल, हनुख के घर में लाया जहां पर हनुख था और उसके घर के बाल बच्चे झुकते निकलते थे। उस समय में मुझे जबरन सही सादे कागज पर लिया यह कह के कि तुम्हारी लड़की के गर्भ को मत फेंको अगर नहीं तो मैं तुमको Police में Report करूंगा। लड़की को रखवाल या कोई दूसरा इजहार किया सो मैं नहीं जानता हूं। सभा के समय भी मेरी बेटी हाजिर नहीं थी। सबूत में मैं हन्ना के कहने पर दो खत को २ साड़ियां और साबुन सभा में पेश किया जो नाजायज किया गया। कथुलियत का समय था फाजिर - जगह हनुख की पींडा। मुझे बरनाबास के घर में नहीं पर हनुख के घर में

ठेपा सही किया गया।

प्रभुदयाल 10.6.80.

From Page 5.(Contd)

1:- सभा की बात को पंचसभा के भाव में बदला सभा को मंडली में नहीं सुनाया। सुखमती सुरिन को किसी सभा में इजहार नहीं किया गया था। मनसुख लोहार और दाखिल डोंग को भी सभा में इजहार नहीं किया गया था। मनसुख को मंडली सजा नहीं दिया गया- क्यों? बाप के कबूलियत पर। इन तीनों को बिना इजहार किये क्यों एक को सजा मिला और दो को नहीं?- उत्तर है:- नहीं कह सकते हैं। ५-2-80 के मिनिट का Rough मांगा गया, वह दाखिल नहीं किया। मिनिट क्रमानुसार नहीं लिखा गया, गड़बड़ा गया। मुझे बुढ़ी भरैत में लूथर बगैला से मुलाकात हुई और दाखिल डोंग के विषय पादरी बाबू ए.म०० से चिट्ठी पाये हैं कि नहीं इसके विषय पूछा। उसने जबाब दिया कि मैंने ८ या १० रोज हुए एक चिट्ठी उसके विषय पादरी ए.म०० से पाया। जुनस डोंग कसम शब्द नहीं कहा था पर पवित्र गिरजा घर में "पवित्र गिरजा घर कहके बोला" इसी का भाव मिनिट में कसम शब्द लिखा गया। ११-2-80 को आमसभा नहीं बैठी थी और Chairman नहीं थे। कानून के मोताबिक मनसुख, दाखिल और सुखमती को बिना इजहार किये सजा देना सजा दिये और सजा का फैसला किये सो गैरकानूनी है।

नोट:- सुखमती को सजा और क्षमा मिला। मनसुख लोहार को कोई सजा नहीं मिला। दाखिल डोंग का छोटी सजा का Order हुआ है जो मिनिट से सबूत है।

X.

६-४-३६ को बजरिये मुद्दयाव हुआ लेखक पु मुदरखवाव पहान मेरे सामने मे लिखित पेश नहीं हुआ जो लोग कबूलियत को लिखवाये वे ही अपनी बातों से सभा को २५-४-३६ को जनाये। उक्त ६-४-३६ के कबूलियत के कारण मुदरखवाव और मुद्दयाव के बीच में झगड़ा हुई कि मुझको जबरजस्ती उसमें सही करवाये हैं पर वह कागज आमसभा में पेश नहीं हुआ और मैं ने भी नहीं मांगा और वे भी दाखिल नहीं किये अर्थात कबूलियत ६-४-३६ को। ५-२-४० की मंडली आमसभा में भी न सुखमनी, न मनसुख लोहर, न तो दानिएल डोंग हाजिर थे। मुद्दई और मुद्दालेह को बिना इजहार फैसला देना गैर कानूनी है।

D. Horo
10-6-40

३:- मुदरखवाल पहान का इजहार:-

मुदरखवाल पहान रुपनन्दा। पेशा खेतीबारी। साकिन रुपनन्दा थाना बानो, जिला रांची, उम्र ४० बरस है।

५-२-४० में मंडली आमसभा बैठी थी। उसमें अन्दाज ३५ या ३६ जन हाजिर थे। Chairman Rev. D. Horo और Secretary मसीहप्रकाश डोंग थे। मंडली volunteer के विषय, Adult स्कूल के बारे, दानिएल और सुखमनी के व्यभिचार सम्बन्धी के बारे बात विचार किये। Secretary मिनिट लिखते थे। जो फैसला हुआ सो सभा में पढ़ा गया के नहीं मिनिट साफ नहीं हुआ, मिनिट Rough में था। इसहाक ने साफ़ुएल डोंग के बारे बात किया। दानिएल डोंग के विषय और सुखमनी को व्यभिचार करते नहीं पाये हैं। दानिएल के विषय सभा में कैसे निकली? पादरी, मसीहप्रकाश और इसहाक मालको ५-२-४० के पहले ४-२-४० को इसके विषय विचार करने की बात ठीक किये। दानिएल और सुखमनी के विषय चिट्ठी के द्वारा निकाला गया। दानिएल और सुखमनी हाजिर नहीं थे, वे नहीं बुलाये गये। मैं

III.

मिनिट को २१-२-८० में पंचासभा के नाम में
रख करके Chairman और Secretary का
~~देस्तर~~ सही हुआ आमसभा के बिना इजाजत।
8.B.
मंडलीका दो भाग लिखा करने को मैं इसका
Member के हैसियत ~~होने नहीं समझता~~ 8.B.
हूं गैरकानूनी समझता हूं।

१० Item के पिछला Para में फिर से सुखमनी
सुरिका सजा (छोटी) लिखना चाहिये था।

Masihprakash.
Dangi
10-6-80.

2:- Rev. D.Horo:-

पादरी दानिएल होरो Chairman का
इजहार:-

मैं दानिएल होरो, लताकेव मौजा में और उसके Parish
में लूथेरन पादरी का काम करता हूं। मैं लताकेव मौजा,
थाना बानो में पादरी का काम करता हूं। मेरी उम्र ५७ बरस
की है।

लताकेव
हम लोग ५-२-८० को गिर्जा में मंडली आमसभा
बैठे थे जिसमें ३६ हाजिर थे। मैं सभाका Chair-
man और मसीहप्रकाश डांग Secretary थे।
मिनिट उस समय लिखा गया Rough में। मिनिट
का पढ़ना २१-२-८० को हुआ। Item 10 और 11
के विषय Secretary ने अपनी इच्छा से इसका
Chairman के पास भेजा मेरे बिना सलाह से।
इसको मुझे २ कामों में पूरा मालूम हुआ। उस
~~दरखास्त इसका~~ 8.B. 8.B. 8.B. दरखास्त के अनुसार इसका कापी
कमिशन भेजा। मैं ११-२-८० को
लताकेव में
जिस समय मिनिट पढ़ा गया हाजिर नहीं था।
~~मिनिट को Secretary~~ 8.B. १-६ item तक मिनिट
आमसभा ही में तैयार होकर पढ़ा गया। बाकी item
याने १०, ११ और १२ को मिनिट को Secretary

ने आपने तैयार करके लाया और ३ जनों के सामने मिनिट पर सही किया गया (Chairman, Secretary और इनटारन माइ-भी) २१-२-८० को। ११-२-८० को १०, ११ और १२ item तैयार था कि नहीं सो मैं नहीं जानता हूं। ~~"पक्का" शब्द को ३ जनों के सामने हमलोगों ने लिखा।~~ "पक्का" शब्द २१-२-८० को लिखा गया।

दानिश के और सुखमनी के ~~बीच~~ बारे जो सवाल हुआ कि ~~कोटिहा~~ दोषी दार हैं करके सवाल हुआ, तब मैंने कहा कि दानिश के न रहने से कुछ नहीं ~~हुआ~~ होगा। तब २५-५-३६ और १८-१०-३६ की दो चिट्ठियों को सभा में पेश किया। सभा के अनुमति से बागैवा को लिखा गया कि दानिश डांग आपके इलाका में काम करता है इस कारण आप जांच करके खबर दीजिये क्योंकि उसकी २५-५-३६ और १८-१०-३६ की चिट्ठी के अनुसार दोषीदार के लायक समझा जाता है। तब Chairman ने पाद्री ऊपर बागैवा को २ चिट्ठियां और २ Reminder भेजे ~~गये~~ पर अब तक कुछ खबर नहीं मिला है। उसके बाद इसके विषय में (दानिश डांग) आमसभा में किसी प्रकार का विचार नहीं ~~के सका~~ किया गया है। २५-२-८० के आम सभा के मिनिट में जो ~~सुना~~ फैसला लिखा ~~किया~~ गया है ~~कि~~ कि छोटी सजा में "दानिश डांग" रखा जाय सो गलती है। फैसला हुआ कि दानिश डांग के Parish पाद्री ऊपर बागैवा को सख्ती पाते की चिट्ठी लिखी जाय। १-९ item तक सभा से समर्थन किया गया और उसी पर मंजूरी करके सही दिया जो फिर चाहिए था कि १०, ११, और १२ item को छोड़ के मुझे दस्तखत ~~करना~~ करना था इसमें मैंने गलती किया।

२५-८-३६ के सभा ~~आमसभा~~ में हमलोगों ने न सुखमनी से न मनसुख से इजहार लिया क्योंकि वे गैरहाजिर थे। कबूलियत

कबुलियत और ^दानिएल की चिट्ठी चिट्ठियाँ ~~वि~~ इत्यादि ~~का~~ बात के सभा ने
विचार किया। १५-८-३६ में ~~काला~~ सुखमनी और मनसुख का
विचार हुआ। और सुखमनी को छोटी सजा दी गई।
सुखमनी का इजहार कबुलियत के अनुसार हुआ। कबु-
लियत की बात प्रभुदयाल सुनि और सुखमनी सुनि की
है। दोनों को सबार से कबुलियत लिखा गया। कबु-
लियत लिखने के समय सुखमनी सुनि नहीं थी। कबुलियत
लिखने की बात की निश्चयता मैं नहीं जानता हूँ। सभा में
प्रभुदयाल कबुलियत ~~मेरा~~ को कबूल किया और २ साड़ी
और साबुन को सभा में दाखिल किया। सुखमनी
के करार के अनुसार बोझा मनसुख लेता था।
उसी समय से दानिएल डांग सुखमनी को भगाया
फिरता था। मेरे विचार में यही है कि बोझा ~~मउ~~
मनसुख और दानिएल दोनों का था। २५-५-३६ और
१४-१०-३६ की चिट्ठियों के अनुसार दानिएल डांग दोषीदार
समझा गया। मनसुख, दानिएल और सुखमनी तीनों
दोषीदार हैं क्योंकि सुखमनी, मनसुख और दानिएल दोनों
का बोझा लेती थी। पादरी को मुल्जिम वानी मैं इसलिए
मानकी बोला था कि मनसुख को छोटी सजा दीजिये
पर पादरी ने उसको छोटी सजा में नहीं रखा। मिनिट में
"चिट्ठी पाकर" मंडली में ^बुरा गन्ध ~~दुर्गन्ध~~ फैलने लगा" सो गलती है,
क्योंकि चिट्ठी पाने के पहले बात से यह फैली। मिनिट
में २ साड़ी साबुन इत्यादि पाकर के और वे भगा
यह भी जान कर के आप लोग दानिएल को निर्दोषी
ठहराते हैं - क्यों? और पीछे से २ चिट्ठियों से
उसको दोषीदार ठहराते हैं - क्यों?
"ले भगाया" उसको सभा में कोई बात नहीं निकाला।
पर जानते तो थे, ~~हैं~~" इसकारण उसको निर्दोषी ठहराया,
लेकिन २५-५-३६ और १४-१०-३६ की दो चिट्ठियों
के अनुसार दानिएल डांग दोषीदार ठहराया गया
५-२-४० के आमसभा के मिनिट में। मेरे बिवेक के

द्वारा मैं ~~[illegible]~~ मनसुख और दानिएल दोनों को दोषीदार समझता हूं। गिर्जा को दो भाग करना मैं ठीक नहीं समझता हूं।

हस्ताक्षर- मड़ओ ता: १०-६-८० व: १०:

(b) १:- पुनस डांग मार्टजटार:-

पुनस डांग वल्द दानिएल डांग, साकिन टपनखा, थाना बानो, जिला रांची का हूं। मेरा उम्र ३६ बरस है। ५-२-८० के आमसभा में मैं हाजिर था। उसमें ३६ जन भाई बहिन मिले थे। Chairman Rev. D. Minj और Secretary मसीहप्रकाश डांग थे। पंच-चुनाव, मंडली ओकसियर, बुजाबुनिस्कूल और दानिएल ~~और सुखमनी~~ के विषय और सामुएल और मुन्सुक्स के विषय के बिषय बातविचार हुआ। बातविचार का मिनिट सेक्रेटरी Rough में लिखते थे। उपरोक्त बातों पर विचार हुआ १-६ item तक की बातों का फैसला को Secretary लिखकर पढ़ते गया। Item No 10 खतम होने पर बिना उसको पढ़े 11 item पर विचार शुरु हुआ। 11 item में सामुएल के रखनी रखने की बात थी। 11 item के बातविचार खतम होने पर Secretary को कहा गया कि मिनिट पढ़ा जाय। पर Secretary ने पढ़ने के बदले उत्तर दिया कि आज मिनिट तैयार नहीं है जब मिनिट तैयार होगा, ~~[illegible]~~ पाते आने वाला एतवार को सभा को बतना देंगे। मिनिट तैयार करके ११-२-८० एतवार को पढ़ा गया उसको भाई लोग बताये। मैं हाजिर नहीं था लेकिन मैं लड़कों से सुना कि गिर्जा बाद सिरनी नापने के समय पढ़ के सुनाया गया, उस वक्त आमसभा नहीं बनी थी। ~~10 और 11 item का~~ 10 item के बिषय

घूस खाये हैं इसलिए दानिएल डांग, लड़की सुखमती को बचाने के लिए लेगाया। मेरे विचार से बोझा मनसुख सोहर का था और अगर घूस रुसवात खा कर के दानिएल डांग को सुखमती चोले गवाया तो दानिएल डांग का दोष नहीं है। रुसवात खाया उसका दोष है। गिर्जा को दो भागमाता मेरे बिवेक में ठीक नहीं है।

P. R. Lung

10/6/40

Cross-Examination ~~on~~ of Prabhurakhwal का बयान।

~~A.B.~~ B.B.: दानिएल डांग के बिषय जो ५-२-४० के आमसभा के १० वे Item में जो फैसला है सो सच्चा नहीं है क्योंकि वह घूस रुसवात के वजाह से लड़की को बचाने के लिए ही (सोहर से) लिखी पढ़ी गई थी यही मेरा बिवेक और बिश्वास कहता है। सो ५-२-४० के १० वें Item का फैसला कि, दानिएल डांग* छोटी सजा में रखा जाय नजायज है।

P. R. Lung

10/6/40

४:- इसलाक मानकी का इजहार:-

५-२-४० को मंडली आमसभा बैठी। Chairman Rev. D. Ho. & Secretary मसीह प्रकाश डांग थे। ~~मिनिट Rough में लिखा गया था~~। ~~दानिएल~~ B.B. मिनिट के १-१२ item तक Rough में लिखा गया, सभाही में लिखने के लिए Exercise पादरी बाबू ने मसीह प्रकाश डांग को दिया। ११-२-४० को मसीह प्रकाश ने सभा को मिनिट पढ़ सुनाया और २१-२-४० को पादरी के पास सही करने के लिए लाया और पादरी ने सही किया। मिनिट का १-१२ item मंडली आमसभा में हुआ, पर का सभा में नहीं हुआ। सुखमनी, मनसुख और दानिएल को किसी भी सभा में इजहार नहीं किया। ६-४-३६ के ~~कलीसि~~ B.B.

जैसा विचार किया गया था वैसा बताया गया। मैं किरिया नहीं खाया था 11 item की बात है। 11 item की बात ही में क्या २ बात पढ़ा गया, इसके विषय मैं ने कहा कि इसहाक बोला था कि क्या न क्या बात को कह के, पर आमसभा ने इसको समर्थित नहीं किया है। ११-२-८० को सुनी हुई मिनिट की पढ़ी हुई बातों को मिला के २१-२-८० को वैधरी मिनिट की बातों को पढ़ने से और ही अन्तर पाया जिस के कारण मैं उजुरदारी बना।

10 item के "मंडली में सुखमनी सुरिन .... बातों" तक सभा में उच्चारण ता: १५-८-३६ तक की बातों तक सभा में उच्चारण ही नहीं किई गई थी। चिट्ठी पेश हुई, पर चीज़ पेश नहीं हुई। चिट्ठी को इसहाक ने पेश किया था। ५-२-८० में मैं सभा के अन्त तक था और इस के विषय बातचीत ही नहीं हुई और मिनिट भी नहीं सुनाया गया। चिट्ठी के बारे बातचीत हुई। सवाल हुआ कि यह चिट्ठी किसकी है? उत्तर मिला, दानिएल से कहां से चिट्ठी पाये? "कहीं से पाया आँखों से देखने को क्या काम"। "दानिएल की चिट्ठी यह कैसे मालूम सकती है? जवाब दिया सेक्रेटरी को पुकारते हुए कि देखिये सेक्रेटरी लिखनेवाला कौन है। सेक्रेटरी बोले दानिएल डांग, ~~और पढ़े और सु ख~~ पावे-८० सुखमनी सुरिन। चिट्ठी को सुखमनी पाई कि नहीं उसको मैं नहीं जानता हूं। भाव प्रगट करने के लिए प्यारी बाबू प्रस्ताव डाले कि दानिएल डांग दूसरे इलाके का आदमी है यहां फैसला नहीं दे सकते हैं सिर्फ कोई राय भेज सकते हैं इसी आधार पर राय फैसला निकला कि चिट्ठी के अनुसार तो दानिएल छोटी सजा होने के लायक दीखता है, सो पादरी दानिएल बाबू ही उसके पेरिश के पादरी को चिट्ठी लिख कर भेज देवे वही देख भाल करे। (इनी: गी नेल बैयेकार) । लूथर बाबू से कोई चिट्ठी

सुखमनी को इजहार करने के बाद एक कबूलियत ९-८-३६
को लिखा। सुखमनी करार किये कि गर्भ मनसुख लोहार
का है। प्रभुररवाल, बरनाबास, दाऊद डांग, हनुख डांग
और प्रभुदयाल सुरिन के सामने सुखमनी सां क्र 2
बरनाबास के घर में इजहार दिये। पहले उस का बाप ने
करार किया कि मेरी बेटी सुखमनी गर्भवती है।
सुखमनी सुरिन ने करार किया कि मैं मनसुख लोहार
से गर्भवती हूं और यह गर्भ जनवरी महीने से है।
कबूलियत को प्रभुररवाल, बरनाबास, दाऊद डांग हनुख डांग और को दिया गया।
सुखमनी सुरिन की सही नहीं है। कबूलियत हनुख के
घर में लिखा गया और लिखने के समय सुखमनी सुरिन
हाजिर नहीं थी। इजहार का काम अगले दिन बरनाबास के घर में प्रभुररवाल,
बरनाबास, दाऊद डांग और हनुख डांग के द्वारा किया गया। और
प्रभुररवाल कबूलियत को ९-८-३६ को लिखे जिसमें
प्रभुररवाल लिखने वाला है और प्रभुदयाल
सुरिन सुखमनी का बाप का ठेपा सही है। सुखमनी
सुरिन से सही नहीं किया गया। कबूलियत को
प्रभुररवाल आप ही लिखा और सुखमनी सुरिन
का ठेपा या सही नहीं किया गया। कबूलियत
कानूनन गलती है प्रभुररवाल कबूल करता है।
दानिएल डांग को इजहार नहीं किये हैं। किसी
सभा में हाजिर नहीं था। मैं दानिएल डांग को
अपने विवेक से दोषीदार समझता हूं क्योंकि वह
सुखमनी को गर्भवती होने के समय गंडरी गांव
भगा के ले गया। मनसुख के द्वारा सुखमनी को
जो गर्भ था उस को दानिएल भगा किया मैं उस को (दानिएल)
को बचाने वाला। बोझा मनसुख का है पर
झूठमूठ का दानिएल सुखमनी को भगा फिरता था।
दानिएल सुखमनी को गंडरी गांव भगाया सो मिसिल में
नहीं है। मेरे विचार से दानिएल डांग के भाई लोग प्रभुदयाल सुरिन से

आवेगी इसी आशे में इस Item पर चुप रहा।

11 Item में सामुएल का रखनी रखने की बात सवाल हुआ जो आज करीब ९ या १० बरस से रहा है जिसको सारी मंडली कबही से जानती थी। इतने बरसों के भीतर २ बार आये भी थे। कोई बात नहीं निकली थी। वह छोटी सभा में रखा गया है। इसको मंडली भी जानती थी। तिसके बाद ~~मुख्तारों~~ यह प्रस्ताव निकला कि "यदि युनस मास्टर रखनी के हाथ से खाया पिया हो तो छोटी सभा में रखा जाय" जैसा तभी Secretary बाबू बोले थे। तब मैंने जवाब दिया कि ऐसा नहीं हुआ है इसका गवाह बरनाबास पहान दिया कि हम लोग नहीं देखा है, न खाते देखा है, न पकाते देखा है, न खाया है। तिसके बाद एयुब कौड़िया भी वैसा ही बोले। बाद और और लोग भी ऐसा ही बोले। तिसपर भी मेरे ऊपर जुलुम हुआ था। मैंने कहा कि शुरू ही में मसीह प्रकाश डांग हम को बताया है कि ये सब (सामुएल सब) छोटी सभा में रखे हुए आये भी हैं। मंडली आईन अनुसार इनको अलग रखिये। मैंने वैसा ही किया है। तिसपर भी एक आदमी बोला कि युनस डांग छोटी सभा में रखा ही जाय। इसी समय मैंने कहा कि ऐसा व्यवहार नहीं होता है, गवाह लोग भी सभा को बताये, मैं सच सच बोलता हूं गिर्जाघर में, ऐसा कभी नहीं हुआ है। २२-२-८० में देखते हैं कि "गिर्जाघर का कसम खा कर कहा" ऐसा लिखना गलत है। अन्त में फैसला हुआ — "छोटी सभा में न रखा जाय" वही फैसला इस मिनिट में नहीं लिखा गया है। मैं सामुएल को रखनी रखने का राय नहीं दिया था। डाली टाका या खान पान का खर्च मैंने नहीं उठाया। मैंने रखवाल को नहीं कहा कि देखो दानिएल, सुखमनी को भगा ले जाता है। हम लोगों के सामने ~~सभा~~ सभा में न मासुख को, न दानिएल का और न सुखमनी का इजहार हुआ। आम सभा में उनकी चिट्ठी और कबुलियत कर के उनका बिचार और फैसला हुआ। सभा ने चिट्ठियों को तसदीक के लिए दानिएल के पास नहीं भेजा गया। P.T.O.

[signature] 10.6.80

XVII.

कमिशन का सवाल :-

दोनों पार्टी से पूछा गया कि इतने ही लोगों से इजहार देंगे कि और पूछेंगे? जवाब मिला कि इतना ही बस है।

~~कमिशन का सवाल~~:- (a) दोनों पार्टी को ~~कहा~~ Notice दिया गया था कि फलाना २ को हाजिर कीजिये तो क्यों हाजिर नहीं किये गये? (दाखिल, मनसुख और सुखमती को)

मसीहप्रकाश डांग Secy:- समय की कमी के कारण से हम लोग उनको हाजिर करने नहीं सका।

बेंजामीन डांगवार:- सुखमनी और मनसुख कहां है पता होने नहीं है और दाखिल को २ दिन के भीतर में लाना मुश्किल है।

दोनो पार्टी वाले उनको लाने का कोशिश ही नहीं किये समय की कमी थी और कितनों का तो पता ही नहीं है।

(b) दोनों पक्ष के इजहार से मालूम हुआ कि मनसुख लोहार, सुखमनी सुरीन और दाखिल डांग से इजहार नहीं किया गया है और जो कागज दाखिल है उसका लेखकों से ~~ठीक~~ तसदीक नहीं किया गया है। इसलिए कमिशन की ओर से दोनों पक्षवादी को २ सवाल दिये गये कि वे एक को चुने,

१ला सवाल:- उन तीनों को बिना इजहार किये ओ चिट्ठी पत्रियों को बिना तसदीक किये हुए, क्या आपलोग कमिशन को फैसला करने का इजाजत देते हैं? अथवा नहीं?

२रा सवाल:- चाहे १५ दिन का मियाद देकर कमिशन दोनों पक्ष के लोगों को अर्जी करती है कि वे उन तीन जनों को हाजिर करे कि कमिशन उनको जांच करके फैसला करे?

नं० २ पर मंजूर हुआ। Masihprakash Secy.
James Dangwar
10/6/66

10/6/66
[signature]
Secretary
H.O.

No. 12.

ता० २-६-३६ ई० में जो मेरे बाही में लिखा गया है सो दउद मुन्डा और ठिठु पहान के बताने से। बाही में लिकने वाला मालु चौक बिंजामरचा चौकीदार।

लि: माठु चौकीदार उरमुवा: खास

ता: २-१०-४० ई०

No 13.

चौकीदार के मरसा: बही का: नकल।-

२ $\frac{छि}{३र्च}$	लड़का - बाप - मनभुप्प लोहार बेनामी ग्रा: हथनान्धा। थाना रजिसटर नम्बर २२	6/6/39

नकल करनेवाला प्रभु रखवाल

डांग हथनान्धा का: खा:

ता: २-१०-४०ई०

No14. नकल

ता: १५ । ४ । ३६

मौजा- हथनन्दा- थाना- बानो जीला- रांची ।

आज- तारीख- को- मौ० हथनन्दा- में सभा- बैठी- जिसमें सभापति- पादरी- बाबू- दानिएल- होरो सेक्रेटरी- इसहाक- मड़की । - मड़की- पड़ा- से ६ जन, डगाव २३ जन, कुदिया- १ जन, लुगुन- ५, समद- ४, लोमगा- १, बरजो १, कन्दुलना- १, औरिया- ३, हेमरोम- १, धनवार १, सुरिन- १, इनमें- से १२ पड़ा- कलीसिया- ५१- जन- थे ।

सवाल- ।

प्रभुसहाय- डाग- हथनन्दा- सवाल- किया- सभा- में कि- प्रभुदयाल- सुरिन- हथनन्दा- को बेटी- सुखमनी- के- विषय- में । कि- वह- प्रभुदयाल- का- चंगा- मनसुख- लोहार छोटका डोहल- के साथ- फंस- गया- है और- अभी वह- चार महीना- का- बोझा- अर्थात कि- चार- महीना- का गर्भ है इसी- बात- का- जो- कागज- प्रभुदयाल- कबुलियत- लिख- के ठेपा- सही- किया- है सभा के आगे- पेश- किया- गया ।

प्रभुदयाल- सुरिन- और- उसका- बेटी सुखमनी का- कबुलियत- सभा के साम्हने- पढ़ के- सुना- दिया ।

बरनाबास- डाग- और हनुक- डाग को पूछा- गया- कि- क्या- यह- कबुलियत- का- बयाना- ठीक है और तुम- लोग- भी- साम्हने- थे ? । बरनाबास- और हनुक- बोले- कि- यह- बयाना- बिलकुल- ठीक- है क्योंकि- हम- लोगों के साम्हने ही यह- बात- प्रभु- दयाल- और- उसकी बेटी सुखमनी को पूछा- गया- ।

सभापति- प्रभुदयाल- सुरिन- को पूछा- कि- क्या- तुम- यह- कबुलियत- को मनजूर करके ठेपा- सही- खुसी- से दिया- है ? प्रभुदयाल- सुरिन- बोला- कि- हाँ हम- मर चट- जीवें जो- हो- सो- हो- जो कुछ- हम- पाया- है सभा के साम्हने- दाखिल- करते हैं । करके- कुछ- दो साड़ी- १ साबुन, सुगन्ध तेल- १ शीशी, दो चिट्ठी, एक- सुलेमान के लिये और दूसरा- सुखमनी- के लिये । दानिएल- डाग- कुदिया- से- आया था- पेश- किया ।

प्रभुदयाल- को फिर- सवाल- हुआ- कि- क्या- तुम्हारा- बेटी- जो- बोझा- बोहा- है सो लोहार- का- है विश्वास- करते हो ? प्रभुदयाल- सुरिन- बोला- हमको सन्देह- है वह लोहार- मनसुख- का बोझा- नहीं है इसी बात- का हमको सभा ठीक- समझा- देवे- । दोनों- चिट्ठी- सभा- के साम्हने- पढ़ा- गया- १६ नम्बर- चिट्ठी सुखमनी का- और ३२ नम्बर सुलेमान- सुरिन- के लिये- था- । सुखमनी- का- चिट्ठी जिसको- दानिएल- डाग- लिखा- है सभा- उस चिट्ठी- में उन- दोनों का दोषी नहीं ठहराता है क्योंकि- गाड़ीप- नाता में उन लोग- ऐसा- लिखा- पढ़ी किये हैं । मगर- कबुलियत- कागज से- सभा- सुखमनी को- और मनसुख- लोहार- का- दोषी ठहराया- है ।

सभा- को- सवाल- हुआ- कि- सुखमनी- के- गैरहाजरी- में इन- तीन- कागजों से- अपना- काम- खतम- करेंगे- कि- नहीं ? सभा- बोला- बिना- सुनाई- सुनाले में कैसा- खतम- करेंगे । प्रभु दयाल- सुरिन- उस- के- सभा- के साम्हने यही मान- लिया- कि-

जो- इकरार-हम-को-हमारी-बेटी मुसलमानों-दीये- हैं। इब्राहीम, जो हनुमान, जो करनाआम, जो दाऊद के साहब- उस इकरार-के बाद-जो कबूलियत-लिखा-गया-है सो ठीक-है और ठेका-सही सो हम-दिया-है इस-लिये-मैं-मान-लेता हूं कि मैं दोषी दार-हूं सो अब तो मैं-अल्लाह से आरजू करता-हूं कि-यह-सजा-मुझ-को मुआफ-कर देवे। इसी- करार-पर- केवल- मुसलमानों- पर दाड. व्यवस्था- कायम- किया-गया- क्योंकि-मनसूख-लोहार न पता-है॥

शरी- इसहाक-मइको-लीलक ल-सलटेरी- अ: १८:

D. Low, 15-4-39

Camp Hatuanda.

अंत में आदि पियारे सौ भानी तुमको बारम्बार से सलाम होवे 7 - 5 - 29

आड़ा को मेरा यीशु मसीह का प्रेम में [illegible] तुमको पहुंचे आगे Daniel Dang

[illegible] मैं बेमार में पड़ है सो ~~तुम लोग~~ तुम्हारी दादी [illegible] [illegible]

मेरा देना और तुम लोगों सो ईश्वर [illegible] [illegible] होगे जिसमें [illegible]

[illegible] तो [illegible] के मुताबिक [illegible] पड़ा है [illegible] होता है

[illegible] के मुताबिक [illegible] पड़ा है जिसमें [illegible] बार से थोड़ा

थोड़ा [illegible] देते हैं इस से जितना [illegible] [illegible] होगी

[illegible] में तो [illegible] और के [illegible] से मैं ऐसा होता हूं [illegible] मैं देखूंगा

[illegible] [illegible] से [illegible] होगी और मैं [illegible] तुम्हारी दादी से [illegible]

[illegible] हो [illegible] [illegible] में [illegible] [illegible] कुछ [illegible] को

मैं [illegible] और [illegible] बात को [illegible] को

[illegible] [illegible] पहुंचेंगे [illegible] मैं [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] नहीं [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

POST CARD

No. 16.

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

NINE PIES

MANOHARPUR

To Miss Saudhani Surka

(V) Toronda-uli

P.O. Anandpur

(Rajanandpur)

Distt. Singhbhum.

B.N.Ry

No 15:

13-5-39

Daniel Dang

Diwiya Sekoelhan

मेरे માન કે આદિ પિયારે ગુરૂ ઈસગાંવ
આપ કો વો દાર બેલાવ હેરે વડો કો
મેરા ચીરૂ સહાય વો પ્રેમ કે સાથ ચુમા
પહૂચે આપકા આદર મેં આદરવા હો હું
પર આપ લોગ કૈસે હૈ સો દાયમો ના:
મહૂમ હૈ પર આસા હૈ કી આપ લોગ
ભી ઈશ્વર કિ દયા કી આધાર દ્વારા
આરૂહે હી હોંગે
લિખને કો યહી કારન હૈ કી મૈં
આપ કો અભી નહીં છોડુંગા સો આપ
કોઈ સુરત સે કારન આગના મૈં નાને
નહીં સમજતા હૂં આદમી નહીં દેખાઈ
દેતા હૂં પર ચિઠ્ઠી મેં હી હૂં ઔર દુસરા
[illegible] આદમી નહીં સમઝાના ચિઠ્ઠી
ચેડો હૈ સમઝના કી ડાનીએલ ડાંગ
હી આપ કો પ્રેમ કો દીખાતા હૈ
ઐસા હી પ્રભુ આપકો આપમાન મેં વિચાર
કરના દેવના દિન બાતલાતા હૂં
ગુરુ ચુમ ઔર દ્વાર કે પડના
લિ: ડાનીએલ લડાંગ સુદૈયા

No. 18 22-5-39

Daiy khaelkhan

मन को आनंदित करने हमारे सुन्दर तुम्हारा का पत्र

को साथ आठे बड़ा भी मेरा थोड़ा सन्देश आ पुस्तक

साथ पूमाया हूँ

आगे होता समाचार भी आया आशा से ईश्वर

पिता भी आपका सेवा हूँ से सदा रहेगा हूँ पर तुम लोग

को सब हैं मुझ भी आ: मालूम है पर ऐसा आता

है भी तुम लोगों भी ईश्वर पिता भी पास आते

हो होंगे

लिखने को जरूरत है भी सब है भी चिट्ठी का

जवाब नहीं भेजते हो भा- हमें समाचार भी

सबाल नहीं भेजते हो तुम लोग मुझ से बड़ा गोसा

हो गये मैं आशा देखते देखते थक जाते हैं बा: और

मर साल भी मुझ भी बोल दीया भी सब हो पड़ी थे

हमेशा: जायेंगे और ले आयेंगे बोला मैं बहुत आशा

करता था पर तुम लोग बड़ा हो गये मैं हूँ: साल तो जाने

नहीं सकूंगा इससे हम बा: भी बोल दीया भी चपचाप

से ले देना जो हूंगा मैं देख लेऊंगा ऐसा मैं बा: भी बोल

दिया पर आज तक बड़ा हो गये ना आदमी हूँ आती

हैं ना: चिट्ठीका जवाब मुझ को मिलता है

जो होगा सो मैं देख लेऊंगा मैं आप को नहीं छोडूंगा

जान जाये तो जाय मैं देख लेऊंगा आप आप लोग मुझ से आप

गोस्सा होगा जय हुकुम जो मैं आप लोगों से माफ मांगता हूं

जरुर आप के आप लोग [illegible] आप लोगों का होना

नहीं होगा आप लोगों के हुकुम मैं जो होगा तो मैं देखूंगा

आप लोग जरुर होना कि कुछ [illegible] का युद्ध [illegible]

आप लोग जान [illegible] होंगे तो [illegible] [illegible] में

आप लोग हैं तो डाक में चिट्ठी भेजना

तीन चार कपड़ा होवेंगे तो होवेंगे मैं आप को नहीं

छोडूंगा

इतना ही बात है [illegible] [illegible] भेजना

L. Daniel Dang Dmiya Schaelkan

पावे

श्री [illegible]

[illegible]

X

22-5-39.

Dwiya Schaethan

मान के जोग प्यारे मित्र सलाम ~~[illegible]~~ मुनशी मानीसुन्दरन आपको

को घर के साथ छोटे बड़े को मेरा यीशु सहाय को प्रेम के

साथ चुमा सब कोई को होवे

हाल समाचार यो आगे आज मैं ईश्वर पिता की दया से

भला चंगा हूं पर आप लोग कैसे हैं सो मुझ को ना:

मालूम है पर आशा करता हूं कि आप लोग भी ईश्वर पिता

की अपार दया से भले चंगे होंगे

लिखने का यही कारण हो गया कि इतवार ही मैं भेजता

हूं आप पते हैं कि नहीं मुझ को चिट्ठी का जवाब ना: आप ही

[illegible] ही [illegible] की म:; और मरसलाल मेरे यहां आये

थे और ~~[illegible]~~ को पूछा कि तुम हम लोगों को क्या बोलते हो

इसका जवाब तुम दोनों को देवे तब मैं इन दोनों को बोल

दिया कि मैं इन [illegible] के वस्ते जाने नहीं सकूंगा सो आप

लोग चुपचाप से ला: देना जो होगा सो मैं देख लेऊंगा बोला

तब म: कुढ़िया और मरसलाल ~~[illegible]~~ बहुत खुश हुवा तब इन दोनों

बोले कि अच्छा हम लोग ला: देगा बोले पर आप लोग

क्या संसार में पड़ गये जो अभी तक नहीं और तो ही अगर

दुःख तकलीफ में हैं तो चिट्ठी होने से भी भेजना चाहिये

मैं खातिर होजाऊं [illegible] ठीक भी नहीं करता है

जहां देखूंगा जहां पढूंगा ऐसा ठीक लगता है सो आप

जल्दी आना (आता है [illegible] होन लेवाई हुआ आना

आता है जो ताय [illegible] इता समाई तना बो, भी की [illegible]

[illegible] नाम मेरा [illegible] [illegible]

[illegible] हार सो बड़ा [illegible] सनागी तना [illegible] होजू

इसे [illegible] मैं इतना काम बोलता हूं कि तीन चार

हूं बड़ा होने से भी मैं आप को अभी नहीं छोड़ सकता

हूं जो होगा सो होगा मैं आपना देख लेऊंगा लेकिन

मैं आप को अभी नहीं ~~[illegible]~~ छोड़ सकता हूं

इतना ही बात लिखता हूं

D. Daniel [illegible] Schaeff[illegible]

પાંચે

સુભમાનો સુરત

રૂથ ભાઃ રાં

ઓરે મરતે

X

No 19. 11-6-39

Dwiya Ekadkam

मन की बात लिखकर भिजवा सकूं ऐसा समझाती
होकर आपका खत पाकर के साथ झोरे बड़ी की
मेरे और से दिन बदिन चुभ पहुँचे
आप का खत मैं पढ़ रही हूं पर आप कैसी हो
मुझ को नहीं मालूम है ऐसा है कि आप लोगा
जो इतवार पिता की बाबत दया से सब चंगों
होगों। लिखने का यही कारण है कि आप को
चिट्ठी का जवाब नहीं भेजती हूं मैं का दोस्त नया
सो मुझ को माफ करना आज कल काम के कारण
से एक एक रोज तो खाना खाने का कुछ समय नहीं
मिलता है सब इकट्ठे खाने रह जाते हैं सो आप
क्या रही हो है तो को मुलाकात से लाना नहीं तो वजह से
माफ करूंगा वो आज कल मेरा हालत लिखने को
आपका मेरा चेहरा और बहुत बिल्कुल खराब
होता है अब मैं आप से मुलाकात हूं कब मैं आप
से रोज हूं दिन और रात मान तो आपही का मैं
लगा रहता है काम करने का हाल भी नहीं
लगता है सोचते सोचते ~~[illegible]~~ दिल भी बेबस होता
है जो काम और आप का मैं चला जाऊं और
मुझ आज कल ऐसा हाल हुआ हो गया

और रकम बात की तो हुई देखा या और रकम हुई गंदी
बनावट के लेते ले आना इसलिए ही लेते ले आना।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

L. Daniel Dang Duya.

[illegible]

NO 20.

Duiya Jchaelkan

मान ले ना तंबारे सौधानी तुम को बाहर के
सब छोटे बड़ों को मेरा थोड़ा सेवाय की प्रेम
के साथ तुम पहुंचे
आगे हाल समाचार की आज काल मैं अच्छे
ही हूं पर तुम लोग कैसे हैं सो मुझ को ना:
मालूम है पर आशा करता हूं की तुम लोग भी
अच्छे ही हों गे
लिखना ते का यह ही कहर है की इतना चाहिये
मैं भेजता हूं इस का जवाब क्यूं नहीं भेजती हो।
सौधानी तुम लोग मुझ से क्या गुस्सा हो गई चिट्ठी
का जवाब भी नहीं देती हो जरूर कर के जवाब
भेजना चाहिये नहीं तो और एक बेर मां को भेज
देना मैं बात कर लेऊंगा और दूसना: हो: तुम्हारी
दीदी का खबर कैसा है उस को भी चिट्ठी से
मुझ को खबर देना मैं तो कभी तुम्हारी दीदी को
भूली नहीं छोड़ूंगा जो हो गया सो हो गया मैं
सबर करके बकूंगा अगर तुम्हारी दीदी अच्छी
ही है तो जलदी भेज देना क्यूं की मुझ को आज
काल खाना पकाने का कोई पूरा साथ नहीं मिलता

मा: हेम का करवा आज दिया है लो: हेतो बोलते

और इधर मैं आपका देखते देखते हूं क्यों पैसा का

होते हैं यांत्रा आपका का पता नहीं मिलता है

आज आठ तो मैं भारत छुटक ने आ मिस्तान बना रहे

हैं पूना आ घोड़ा या ~~[illegible]~~ मुरस्सात मरा मिलता है

सो तुम्हारी ही ही आ डाल ही खोलना

इत नाही बात लिखता हूं सार पूना

सुधा ले पढ़ना

L. Daniel Dang. Deviya Ichaethan

तुम्हारा हेहे हो आ डाकट
सिर्फ हैनाओं होता आम
हैदल यापुर हैं

NO 21.

इंगु मरकास मनकी ताताकोल गिरजा होता—

सुरनमाली सुरिन ओड़ा दनीबोल इंग हतनाःदाञा बोर गोवा।
आइंग सेरन बेनना सम धीयान खिस बाड़ी ते आलिंग बाखायाहर
ओतोंग बधियाबुर कुड़ी मेलले सेन केना एन ताः एते आले पुर
गुंया हतु तेले हिजुःतनईमिता अंकुआ हजुराःपाला मला छोटाः
लाइन रेल होरा रे आले ओपै दल अकिनाके दल ओबेद अड़ेः
सिलास धुड़ियाते किन सेनोःतन इमना होरा रेलेनवमयाना।
सेपेन जिपिताव लेना लेहुड़िंग लेका इमता आइंबा वेकिन हकौरुवड़
कोदिंगा एनते इंग एनकिंनतआवुवाड़ यनाइकिद तबसेनते इंग कुल्ली
कोद किनाइंग जिनाः मेनते बेन हकौरुवाड़ कादिंगा कागी आमको
हलिंगबोरोवामतना चिना चिकाड़ नेयागे लिंगबोरोवामतना चि
आलिंग धुड़ियाते लिंग सेनोतना चिना चिका चि-आलिंग दनेलको
लिंग कजीयाइया चिलेताः मितरे जांते आतोम हनतड़ मे चियाचि
लिंग कजीयाइया चिलेताः मितरे जांते आतोम हनतड़ मे चियाचि
कामीसनः हुकुमलेका ते ओड़ो को आमके दाड़ा कोहिजुआमेनते
नेया काजीइती केलीम चेतौं तुकालिंगसेनोतना नेया काजी गो
फलनार तेकिन सेनोतना मेनते हतु मरुवाड़ तना आलोम बकड़
बड़ायानेयागी आलींग काजी मेनाः।

मरकास मड़ की बःसनः ताः ४-१-४१९

No. 22

લાલોલ —
૧-૧૨-૪૦ ઈ૦—

મહાનુભાવ—

ઈલાકા સભા કા પ્રેસિડન્ટ સાહાય—

હાજુર સે અર્જ હૈ કિ– લાલોલ નગરલોક– સુરજમાલ
સુરિન્દ– દુગ્ગલ– ઔર ધનિરપત– સિંગ– દુગ્ગલ કે– વિષય
મેં જો– મામલા– હાજુર કે હાથ મેં હૈ– સો હાજુર ઈસ વિષય
કા ફૈસલા– કર દેં– આઈન્દે હાજુર માલિક હૈં– 1

મસોદ પ્રભાષા– સિંગ– દુગ્ગલ– તા: ૧-૧૨-૪૦—

શાહી કિશોરલાલ. પડકો વ: હ:

સાહી પ્રભુરામ વાલ– સિંગ
૧-૧૨-૪૦ ઈ

શાહી જુગલ મુખીયા લાલોલ વ. સ.
તા૦ ૧-૧૨-૪૦

શાહી નરપત સિંગ દુગ્ગલ વા: હા:

શાહી બરનાવાસ સિંગ દુગ્ગલ વા: હા:

નિશાન અંગૂઠા– હાકમ-સિંગ-દુગ્ગલ–

જોગેરહ —

નિમ્ન લિખિત– ચિઠ્ઠિયાં– જો સુરજમાલ સુરિન્દ ઔર
ધનિરપત સિંગ કે– વિષય– સાબિત હૈ– દખલ કા–
સભા કો– ઈસ લિખિત અભિયાન કે સાથ ભેજ દિઈ
જાતી હૈ—

૧– પોસ્ટ કાર્ડ– ૭-૫-૩૭–

૨- હાથ ચિઠ્ઠી - ૧૩ - ૫ - ૩૯ -

૩- કાગ ચિઠ્ઠી - ૨૨ - ૫ - ૩૯ -

૪- કાગ ચિઠ્ઠી - ૧૧ - ૬ - ૩૯ -

૫- પં. જૈન શાળા કાગજ કા - નકલ - ૧૫ - ૪ - ૩૯

૬- ચૌપડવાલે - મદ્રાસ - બાદ્દો મેં-જો સુખમાલે (સુદિન - સા: દયનદા કે - બે નામે - લડકે કા - નકલ ભી યાના રીતિવાશે નકલ ૨૨ મેં ગો સાક્ષિવટે - દિયા ગયા હૈ -

No. 23.

श्रीमान चेयर मैन,

टकरमा इलाका,

ता॰ हातनादा 31-12-40

महाशय,

आर्जी गुजारिस है कि बीते ओक्टोबर और नोवेम्बर के इलाका साभा का फैसला को हुकुम अनुसार मुद्दाई राजी होने ओ न होने की कोई इच्छा प्रगट नहीं किये। हम लोग तो मुदालेह हैं, इलाका साभा धर्म माता पिता हैं, हम लोग इलाका सभा का न्याय को मानने के लिये तैयार हैं।

आपके बिश्वासी -

जुनास डांगवार हातनादा
ता॰ 31-12-40

सही मनसुख डांग हतनादा
ता॰ 31-12-40

सही दाऊद डांग हतनादा
ता: 31-12-40

ठेपा सही कलेप मुन्डा हातनादा

[illegible]–
૧૨-૭-૪૧–

મહામાન્યવર–।

મહાશય–

પ્રેસિડેન્ટ સાહબ બહાદુર–

હુજૂર કે ઇજલાસ મેં– હમ લોગોં કા મોકદમા– વિચાર કે નિમિત્ત ગયા હૈ। હુજૂર કો– મોકદમા કા– સ્વાંગ લિખ દેના [illegible] હૈ– સો હુજૂર પેશ– આતા હૈ, કિ આગે મોકદમા કે બારે– હુજૂર કો લિખ દેને મેં– જો લિખ કા સુનાને મેં– ગલત કો– આદેશ કા [illegible] હોતા– જાય ઉસકો– મુજે– ઇત્તલાહ ઔર [illegible] કિ– જો [illegible] કો– ના– વિચાર કા– માલૂમ કર લીજિયે।

૧, મોકદમા મેં તીન બાતેં હૈં। I સુરવાનાથ સુરીન– II વાલિસ્ટર– ડાંગ– III પબ્લિક લોગો। ઇન તીનોં મેં પબ્લિક લોગોં કા– વિચાર સબ સ્વયં હો ગયા હૈ। કેવલ સુરવાનાથ સુરીન ઔર વાલિસ્ટર– ડાંગ કે વાસ્તે [illegible] ના– વિચાર બાકી બાકી હૈ।

૨, ઇનલોગ– પેશ કે લિએ મહાશય ગાય– પ્રેસિડેન્ટ મેં વિચાર કિયે– કિ વાલિસ્ટર ડાંગ– કો [illegible] ઠહરાવે– પર ઉન કા– પ્રેસિડેન્ટ વિચાર– કરના ના– ઉન મહાશય ગયોં કો માલૂમ હુઆ। હમ લોગોં કો માલૂમ હુઆ ઇજલાસ મેં ભેજા ગયા હૈ।

૩, આપ સબ વિચાર ઔર ફૈસલા આપ કે પાસ– ઇનલોગ સભા કે ઉન પેશ તો– [illegible] ઇનલોગ સભા મેં– બોલ દિયા કિ– ઇનલોગ હમ લોગોં કે ફૈસલા કો નહીં માનેંગે। સો આપ ઝગડા હોગા– હમ લોગ ઇસ મોકદમા કો– સામને ઔર [illegible] દેંગે– ઇસી લિયે હુજૂર કે ઇજલાસ મેં ગયા હૈ।

૪, સુરવાનાથ– સુરીન ઔર વાલિસ્ટર– ડાંગ– કા વિચાર હો ચુકા હૈ– વાલિસ્ટર– દોનોં પાર્ટી કો સમય– [illegible] આમ સભા મેં તા: ૫-૨-૪૦ [illegible] પર હોકર– ગૈ ગો [illegible] બાર મેં બિઠે હૈં [illegible] નહીં [illegible]– મૈં– આપ કો [illegible] નહીં [illegible]। પાર્ટી કો નહીં રહા– । [illegible] સભા મેં રહા ગયા– પર વાલિસ્ટર પાર્ટી ઉનકો છુટ્ટી સભા– મેં

૫, વાલિસ્ટર ડાંગ કે પક્ષ કે– લિએ નાઈ લોગ– I. A. B. A. પાસ કિયે હૈં– ઔર [illegible] મેં માલૂમ હુઆ હૈ ઔર હમ લોગ– વાલિસ્ટર ડાંગ કે પક્ષ કો– [illegible] ઔર [illegible] કો નિરાદ કે લિયે– કિ– ઇનલોગ– સભા કે પેશ મેં જો કિ [illegible] મહાશય ગયા– વહી I. A. B. A. લોગોં પર [illegible] કા કોઈ [illegible] રહે હૈં।

[illegible]

Masihprakash. Dang

Ahwa(?) 12-1-41

115/41/F- 9. 17th Jan. '41.

To,

The Rev. S. Kula,
G.E.L.Church,Takarma.
P.O.Lassia,Dt.Ranchi.

Dear Rev. Kula,

Thanks for the Census and list of delegates. I am glad you have accepted to deliver sermon in the Christ Church Ranchi on the 2nd February, 1941. I am sorry to learn that you are not getting the Gharbandhu. Would you kindly once enquire from the Lassia Post office. I am very ~~shortly~~ strongly told that the Gharbandhu is ~~a~~ sent to you from the Press.

Regarding the numbers of delegates I and Rev. L. Jojowar both find that you have given 4 names more than your number allows. 3 pastors and 2 candidates can come Ex-officio. You have 7245 Communicants in your Ilaka and so you can send 7 more delegates but you have sent me a list of 16 in which there are 5 Ex-officio and 11 elected delegates. In case you have meant 4 to be substitutes or visitors then please state which of the 11 are the 7 delegates.

With Yisushahay,

Yours sincerely,
J. D. Tiga

The Gossner Evangelical Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

Mission Estd. 1845—Autonomous 1919
Registered under Societies Registration Act XXI of 1860 on July 30, 1921.

Officers and members of the Executive,

1. *President* : Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer* : Mr. N. Soy,
3. *Secretary* : Rev. J. J. P. Tiga,
4. Mr. Th. Surin,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. S. Bage,
7. Mr. C. D. Ekka,
8. Rev. L. Jojowar,
9. Rev. S. Kula,
10. ,, W. Radsick,
11. Mr. P. Soy,
12. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 3/41/E- 9.

Dated the 2. 1. 1941.

To,

The Rev. S. Kula.
Chairman, G. E.L.Church
Takarma,P.O.Lassia,Dt.Ranchi.

Manyawar Rev. Kula ko yishusahay aur Naye Sal ka ashis mile.

Main ap ke pas yah darkhast bhejta hun aur arji karta hun ki is bat par ap logon ne kya karrarwai kiya hai aur ap logon ki kya sipharish hai likh kar C. C. Office men isi darkhast ke sath bhejiye.

Age Shubh,

J J P Tiga 2/1

Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

Wait land settlement.

9

To karma.
9-4-40.

To,

The Secretary Church Council.

Ranchi.

From — Rev. S. Kula. Takarma Mission Ranchi.

श्रीमान —

C.C. के सेक्रेटरी साहेब को — यीशु सहाय।

Paulus Hemrom और Johan Hemrom. Khuntitoli
का — ग्राम — [illegible] — खाता — [illegible] जमीन — रैयती
को — जमाबंदी १९४० — में — C.C. में लिया — गया — है — पर
उस का — लगान — [illegible] — नहीं मिला — है। —
मैं — Paulus Hemrom — को — [illegible] — [illegible]
[illegible] — [illegible] — उन को — मकान — [illegible] दिया —
[illegible] — कि [illegible] १९३८ से [illegible] — [illegible]
जो उनका — [illegible] — [illegible] — हो रहते — हैं। [illegible] —
उस — जमीन — [illegible] — [illegible] — मकान — [illegible]
को मेरे — [illegible] किया [illegible] — रहते — हैं। सो मैं — C.C.
से — [illegible] — हूं — कि — वह जमीन — जो —
Patras Oraon — का था — [illegible] — [illegible]
Paulus Hemrom — को — [illegible] — [illegible]
[illegible] — [illegible] — [illegible] Patras Oraon का
जमीन — [illegible] Masihdas Munda — का — [illegible]
की जमीन — Paulus Hemrom को [illegible] — उनको
[illegible] रैयत — [illegible] — [illegible] जावे।

[illegible]

S. Kula

9

Diankel
1-4-40

Wait for Jar.
the Jahn[illegible]

माननीय सेक्रेटरी N. Topono को जोहर सहाय।

I निवेदन की बात यह है कि १९३६ ई० में दियांकल मिशन खेत से अयसटाइ में ३२ काठ धान मिला है पर मूसा-चूहा आदि जानवरों से वह बड़ा नुकसान होते जा रहा है।

II उक्त खेत के लगान पाने वाले जमीदार मालगुजारी का दाइन दो तीन बरस का है। ठाकुर साहब ने उसके ऊपर नालिश किया है। जिसके कारण III वह आदमी इन लोगों से भी १९३६ ई० का मालगुजारी हुकुम कर रहा है। सो मेरी माँग है कि - इस्टेट वाले के तहसीलदार को कह दिया जाय कि वह इस वर्ष के चन्दा धान मिशन का मालगुजारी चुकती कर देवें तथा धान भी बर्बाद होने से बच जाय।—

N. u
u u

J. N. Topono

9 3

C.C. meeting — on ~~23~~ 31st May to 2nd June 1939.

Item — no 13 — Lamdom parish in Khuntitoli Ilaka neglected. Is it feasible to ~~amalgate~~ amalgamate it with Jakarma Ilaka?

Lamdom Parish —

पहले का रहा पर पादरी Christ Anand Minz — थे पर वह कोई कारण से वहां से खूंटीटोली चला गया और तभी से Lamdom Parish छिर गई। सो अगर यदि पेरिस Jakarma में ~~मिल~~ मिलाया जाय तो एक मंडली की भलाई हो सकती है पर जेरिस जैसे के तैसे रह जायगी सो अच्छा होगा कि खूंटीटोली का एक पादरी Lamdom में रहे। तो बहुत ही अच्छा होगा दूरी के विचार से। और एक बात कि बालकोट इलाके में एक पादरी का रहना अवश्य ही जरूरी है।

और Lamdom बड़े रास्ते के किनारे होने से आगे के लिये कोई बड़ा स्टेशन होने की संभावना है —

S. Kul

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1863/40/F- 9. Dated, the 29th October, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. S.Kulla Chairman, Takarma ~~kkk~~ Ilaka with the request to communicate the resolution to the persons concerned.

J. D. Tiga
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. meeting held on the 7th October, 1940 in the morning.

Item No. 30.

" Application of Benjamin Kandulna and Kripa Guria (Congr.23)

In ko pharmaya jay ki we 3 mahina tak Dutpatrika aur Gharbandhu men ishtihar dewen ki we Kripa ka pahilewala purush yadi jita hai aur Stri ko apne pas le jane chahta hai to jabab dewe. Yadi us ki or se koi roktok ki bat na awe to ye donon jo a bhi ek sang hain mandli men grahan kiye jayn. Karyyakarini ko adhikar di jati hai ki us dasha men mandli grahan ka hukum pharmawe."

Secretary G. E. L. Church, Chota Nagpur & Assam,

No. 1527.

Lutheran Compound
Ranchi.

Rev. S.Kula,
Takarma

Date... 11.ix.1940

DEAR SIR,

Received your letter/petition No. nil ...of date... 9.9.40 ....
on the subject of...... Benjamin Kandulna & Kripa Guria,
The same will be placed before the Council [~~Executive~~] and the result communicated to you in due course.

Yours sincerely

Tiger

Secretary.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.   No. 1272/40/F- 9.   Dated the 9th July 1940.

To,

The Rev. S. Kula.
G. E. L. Church, Takarma.
P. O. Lassia, Dt. Ranchi.

Manyawar Padri Babu ko yishusahay.

Gangpur Commission Gangpur ja kar aya ya nahin. Commission ka report ham logon ko milne ki jarurat hai.

2. Arj hai ki September mahine ke Gharbandhu ke liye ek updesh taiyar kar bhejne ki kripa kijiye. Updesh 15th August, 1940 ke pahile pahunch jana chahiye.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845—Autonomous 1919]

Officers and members of the Executive,

1. *President :* Rev. J. Stosch,
2. *Actg. Treasurer :* Mr. N. Soy,
3. *Secretary :* Mr. F. N. Topono.
4. Rev. J. J. P. Tiga,
5. Mr. A. L. Tirkey,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar,
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. Th. Surin,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy.
13. ,, D. Tirkey,

G. E. L. COMPOUND,
RANCHI, (BIHAR) INDIA.

No. 1041/40/F- 9. Dated the 10th June 1940.

To,

The Rev. S. Kula.
Takarma.

Manyawar Padri Babu S. Kula ko yishusahay.

Malum ho ki Gangpur ke bhaiyon ko malgujari dene ko samjhane ke liye ap ke Ilake se 6 jan chune gaye hain. Ap koi ek tarikh mukrar kar un ko turant Ghoghor Parish ke Jhurmur, Gopur, Ghoghor, Tetrabahar, Simko aur Karimatti Parish ke Dhangrinacha, Jolongbira, Kardega mauzon men bhej dijiye. Jaisa ap uchit samajhte hain ap 6 jan ko 2 group men kar sakte hain aur ek ko Ghoghor aur dusra ko Karimatti Parish bhej sakte hain. Jitna ho sake tarikh June mahine ke bhitar hi pare. Commission ko jaisa kaha gaya hai un ki khoraki di jaygi. Commission ke ang ye hain :-

1. Johan Bage - Dumbria.
2. Masihprakas Dang - Hatnanda.
3. Prabhudayal Surin - Chotordah.
4. Isahak Lugun - Idega.
5. Jusaph Bhengra - Takarma.
6. Kushalmay Surin - Lurgi.

Ap ka bishwast,
N. Topno.

Secretary,
G. E. L. CHURCH
CH. NAGPUR & ASSAM
RANCHI, BIHAR, INDIA.

P. T. O.

P. S. :- Sab malgujari ek sath aday karna muskil hai. Bhaiyon ko samjhaya jay ki we malgujari dene ko shuru kar den aur State men arji pesh kare ki un ko malgujari jama karne ka yathest samay diya jay.

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

9

No. 87.
5-9-39

To

The Secretary, Church Council,
Ranchi.

File
N.T.
4-9-40.

Dated, Takarma, the 5th Sept 1939.

Sir,

I beg to submit herewith a copy of the minutes of the Ilaka Executive Committee, of 4-9-39.

I have the honour to be,
Sir
Your most obedient
Servant.
H. L. Hasse
Head Master, Takarma M. E. Sch.
Secretary to the
Ilaka
Takarma.

Copy of the minutes of the Ilaka Executive Committee, of 4-9-29.

A meeting of the members of the Ilaka Executive Committee was held today at 4 P.M. in the M.E. School office. The following members were present:—

1. Miss A. Fritz.
2. Rev. S. Kula.
3. Babu R.S. Ainid.
4. Babu J. Topno
5. " N. Tuti
6. " M.E. Hasse.

Subject:– Fixing of House rent.

After due consideration it was decided that house rent should be paid at the rate of /2/- (two annas) per room, per month. Hence the house rent payable monthly by each house-holder, amounts to, as follows:—

1.	Babu	M.E. Hasse	Hd. M. M.E. Sch.	-/6/-
2.	"	N. Tuti	2nd M. "	-/4/-
3.	"	D. Minz	Teacher "	-/4/-
4	"	B. Surin	" "	-/4/-
5	"	J. Guria	"	-/4/-
6	"	J. Kiro		-/4/-
7	"	S. Dang		-/4/-
8	"	S. Topno	Compounder	-/2/-
9	"	Boas Jojowar	Sch. servant	-/2/-
10	"	P.S. Topno.	Servant of Miss Fritz	-/2/-
11	Miss	T. Surin	Teacher Girls' School	-/2/-
12	"	S. Topno	"	/2/-
13	"	S. Horo	Pracharini	-/2/-
14		One room occupied for School Book Shop		-/4/-
15		One room vacant as at present		-/2/-
			Total	Rs 3/-

A Copy of it should be sent to the Secretary to C. C. and one to the Hd. Supervisor.

M.E. Hasse.
Head Master Tangerpara M.E.
Secretary to the Ilaka.
4/9/29.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANGPUR AND ASSAM.

Memo No. 806/40/F- 9. Dated, the 30th April, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Chairman, Takarma Ilaka for information.

V. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 26th April, 1940.

Item No. 11.

" Takarma Bungalow aur Bagan :- Kaha gaya ki us ke liye mahwari Rs. 8/- Chaukidar nimit Padri ke pass bheja jay."

9.

Jakarma
3. 4-40.

To,
The Secretary. L.C.C. Ranchi.
From. Rev. S. Kula. Jakarma.

महाशय।

आप सभों को धन्यवाद।—

J. P. Tiga की बारीक हालत से मैं अर्जी करता हूं कि अगर 1940 तक के लिये उसको काम करने दिया जाय। और 6.4-40 से ही उसे छुट्टी न दी जाय। किन्तु उसके बारीकता से बरोज जाता है। यही मुझे अर्जी करना है।

आप का आज्ञाकारी

S. Kula.

File
N.L.
22-4-40

[illegible]

Jaikarma.
12-3-39.

Sri Dr [illegible] —

[illegible] —

Porkatoli — [illegible] — [illegible]

20 — 2 - 39 — [illegible] C.E. [illegible]

તા. 25-2-39 — [illegible] —

[illegible]

[illegible] — [illegible] — [illegible] :

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] — [illegible] C.E. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

S. [illegible]

POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

NINE PIES

RANCHI 15 MAR [illegible] 3 PM

RANCHI

To. The Secretary

S. Church Council

Ranchi

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 727-28/40/F- 9. Dated, the ~~19th~~ 20th April, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Chairmen, Takarma & Rajgangpur Ilakas for information

N. Topno.
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the minutes of the C. C. Executve Commtt. held on the 8th April, 1940.

Item No. 30 (c)

" 30. Bagan :-

(a) --- --- --- --- ---
(b) --- --- --- --- ---

(c) Takarma & Rajgangpur :- Bungalon ke Chaukidaron ko C. C. se talab Padriyon ke jariye bheja jayga. Aur is liye Bagan ka jima wahan ke sthaniye Padri ke hath men rahe. Padri us ka intijam karega chahe Bagan ko thika men dene ka prastao karega. Smaran rahe ki Bagan thik rahe aur amad kharch men jarur phaida dikhai de. C. C. ko malum hai ki Bagan abhi Compounder ke dekh bhal men hai isliye Padri aur Compounder is kam ko ek dusre se salah kar karen."

for Takarma

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 440/39/F- 9. Dated, the 14th June, 1939.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. S. Kula for information.

N. Topno.
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. Meeting held on the 2nd June, 1939 at 4 p. m.

Item No. 2.

" Takarma Corn Bank :- Takarma Chairman ne pesh kiya ki Takarma Ilaka Am Sabha ne pass kiya hai ki Takarma Corn Bank Church Council ko jima diya jay jisten wah Ilake ke phaide ke liye us ko chalawe. Bad bibad ke pichhe phaisla huwa ki Am Sabha ka Minutes C. C. Office men bheja jay. C. C. ko adhikar rahe ki Corn Bank se Bank ko chalane men jo rupaiya lagega so lene sake."

चौरापानी

ता- २६/८/३८-

श्रीमान- महामान्यवर- धर्मोपदेशक- पादरी- जेस्तोरा-
आप- को हम सबों का प्रभु सहाय- होवे ।

१- आप- को हम- मंडली- के भाई बहिन- लोग- मंडली का-
हाल- चाल- सुनाने में इच्छुक- होकर आप के पास- नीचे
बातों को लिखकर प्रकाश- करते हैं कि आप- इन-
बातों को पढ़कर कुछ- हमों को अन्ति- देंगे।-

२- बात यह है कि- मंडली में छुआ छुत की बात- विषय- हमों
ने कौंसिल- के पास ता-२-१०-३७ और- १८/११/३७ को -चिट्ठियां-
लिखा- जिसके बारे कौंसिल- ने आपनी राय- को फैसला- हमों के
पास- लिखा है ।

३- कौंसिल- ने इलाका ~~चेयरमेन~~ को लिखा था- कि छुआ छुत- की बात
को मंडली कर्मचारी लोग पद्म पंचसे मिलकर सफाई करें -
कौंसिल- की इस हुकुम अनुसार यही आशय- थी कि कर्मचारी
लोग- जरूर छुआ छुत की बात को सफाई करेंगे पर क्या देखा-
जाता है कि दकरमा- इलाका चेयरमेन- इसके बारे कुछ चिन्ता नहीं
करते हैं हम लोग जाकर मुंह से कहा कि आप- लोग डोमदोली मंडली
में जाकर भाइयों को समझाइये पर केवल- मुंह से हां कहता है
पर जाकर काम नहीं किया- जिससे मंडली में ख्रिष्टानी जीवन- की
बढ़ती में बधा होती है ।

४- हम लोग आपसोच करते हैं कि हमारे मंडली के कर्मचारी लोग-
यानें चौरापानी प्रचारक ओमान- समद- को लुइगी का प्रचारक-
सुमलमय- सुरिन- को डोमदोली का प्रचारक- याकुब कडुलना- को-पादरी-
नथानिएल- बागे ये लोग जो कर्मचारी होकर हमों को अछुत-
समझते हैं जिससे हम बहुत दुखी हैं और मंडली के भाइयों के साथ
दुबार सेवकें आनन्द- नहीं बुझाता है । प्रभु भोज- खाने और पीने में भी कहीं क-
बुझाता है ।

५- कौंसिल ने हमों को मंडली काम के विषय में यही राय- लिखा कि कहीं
दूसरे इलाका में काम के लिये दरखास्त देवें पर कहीं जगह न होने के
कारण- अब तक- दरखास्त नहीं दिया है । नहीं
इलाका चेयरमेन- और कर्मचारी इसके बारे कुछ चिन्ता करते हैं इसलिये
हमों की अर्जी है कि आप आकर छुआ छुत की बात को सफाई
कीजिये ॥— आप- के आज्ञाकारी- प्रभु सहाय- प्रचारक- चौरापानी

मंडली के के कितने नाई लोग और कितने पांडे और कम्मी चारी लोग चाहते हैं कि हम लोग पुराने दस्तूर के मोताबिक शुद्ध किये जायें और वे चाहते हैं कि वह लड़की जो दूसरा जात से मिल गई थी और अब पश्चाताप कर के मंडली से हटा दी गई है वह लड़की अलग खाना पीना न करावे और खावे हम और अनुकरणी प्रचारक उस के पकाये हुआ खाना नहीं खाते हैं इसलिये हम लोगों को अपनी समाज से अलग करते हैं और मंडली में काम करने नहीं देते हैं और हम लोग जानते हैं कि कलीसिया में सब जात के लोग ख्रिस्तान हुए हैं उन लोग खाने पीने में छुत छात नहीं मानते हैं और साहबी ब्याह में रखता रहते हैं हम लोगों ने छुत छात को मिटाने वाले मिलन में एक दफा पर खबर दिया उसका निपटारा नहीं हुआ है यदि हम लोगों के शुद्ध होने में शुद्ध होना नहीं है तो हम लोगों को हुकुम दीजिये जिसते हम लोग मंडली में काम करने और सेवकाई सके जैसा कि कितने प्रचारक पांडे और नाई लोग चाहते हैं

आप के आज्ञाकारी — प्रभुसहाय — प्रचारक — चोरियानी

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Behar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No. 1313/38/F 9. Dated the 29th Aug. 1938.

To,
The Rev. S. Kula,
Takarma.

Manyawar Padri Kula ko Yishusahay.

Aphsos ki bat ki ap ke Ilake men Chhuwa-chhut ki bat barhti hi jati rahi hai. Nishchay kar ke 'purity of blood' bahut jaruri bat hai. Aj kal Germany men is ka bahut jikr kiya ja raha hai aur bap dadon ka kursinama liya ja raha hai. Par dharm le kar hamen is ka bahut hi jor se birodh karna parega. Desh ke dastur anusar anya jat se hamen shadi bibah na karna ho to na karna ho par khan pan men ham ko badha nahin pahunchana chahiye. Khan pan grahan na karna ghin karna hai aur yadi ham aise jat ko jinhen nich jat samajhte hain khan pan men bahishkar karte hain to unhen Christani dharm men kabhi la hi nahin sakte hain. Ham nich jat ho kar bhi ham par kitni adhik daya ki gayi. Abhi Christan ho kar ham nich nahin kahlate par bare jaton men ek jat gine jate hain. Kya ham itna nahin kar sakte hain ki jaisa ham par daya kiya gaya waisa hamen bhi dusron par daya karna chahiye. Ham jante hain ki Parha Rajaon ka jor kitna hai. Yadi we abhi Padri Pracharakon se chhor diye jayn to bolengen un ka koi jor hi nahin hai. Par unhen chhorengen nahin par desh ki dasha anusar hamen kanun ko kuchh badalne ki jarurat hai. Khan pan men rok na ho par shadi bibah men rok hona chahiye. German log ham logon ka bhat khate hain par we hargij hamen apni larkiyon ko shadi men nahin dengen. Chahe ap to khud barah Budh rakhne wale hain. Ap jis Budh ko achchha samajhte hain us ko ap kam men laiye. Pichhe yah Chhuwa-chhut barh jane se ham ko sammbhalna muskil ho jayga. Abhi Uraon sab jitna Chhuwa-chhut mante hain

utna Munda nahin mante hain par taubhi Uraon Christanon men jat pat ka bichar hi nahin hai.

Shiksha Class ke samay ap se report liya jayga ki ap ne is ke liye kya kiya.

Ap ka bishwast,

N. Topno

Secretary.

Minutes of the C. C. Executive Meeting held on the 24th August, 1938.

Item No. 4.

" Report from Prabhusahay Pracharak Takarma Ilaka and Chhuwa-chhut :- Bahut bat bichar huwa par koi bhi rasta achchha nahin malum para isliye phaisla huwa ki Takarma Ilake ke Chairman ko likha jay ki Chhuwa-chhut sachmuch men Ishwar ke Raj ki barhti ke raste men ek kanta hai use ukhar kar phenk dene ki atyant jarurat hai aur is liye yah aniwarj hai ki Ilake bhar ke Padri ~~xxx~~ , Pracharak, Panch Prachin mil kar us ko ukhar kar phenk dewen."

N. Topno.

Church Council
Received 11.7.38
Register No. 469
Date 9.7.38
File 9
Reply No. ...
Date ...

Takarma.
६-७-३८.

महाशय, चर्च कौंसिल को रूमरमा इलाके के खोरसी पोशुमसाज.

इलाका मिनिट नाः I ताः 7-7-38. विषय बाबत अनुगरमा प्रचारक और छुआछुत। जिसके विषय Rev. J. Stosch President का खत उक्त विषय पर ताः 2-7-38 को खत मिली।

इस विषय पर इलाके की राय यही हुई कि यह एक विशेष विषय है जो छोड़ी नहीं जा सकती है —. खृस्तिान धर्म अर्थात मुन्डा उरांव समाज का कानून के आधार पर जरूर निर्णय होवे। और नहीं तो उरांव नियम और धर्म नियम में बारंबार कठाव होती रहेगी।

इसलिये इलाका अपनी साफ सिफारिश करती है कि सेप्टेम्बर में होगी खाकर पादरियों की शिक्षा क्लास जो होवे और मिनिस्टरियल उसमें इस विषय पर तर्क वितर्क होवे और इस विषय को अंतिम निर्णय के लिये चर्च कौंसिल को पदाधिकारियों को होवे। C.C. यदि उचित समझे तो पदाधिकारियों को C.C. में भी बुलावे और जो सुधार होगी उसे महासभा से पास कराने की मेहरबानी होवे।

चुंकि यह विवाद (छुआछुत) केवल रूमरमा इलाके में है सो नहीं वर सकल मुन्डा जातियों में है। अच्छी बात होगी कि S.P.G. और R.C. के हेड आफिसर लोग भी इस विषय पर अपनी राय जाहिर करने के लिये बुलाये जांय।

मिनिट — नाः II विषय. नवातिथेन बागे थार्थ. को दरखास्त कि उनको फिरते शादी करने की इजाजत मिले.

P.T.O.

नयानिदेव बागे बलद वालेष बाबो शः शब्दी. के
दोबारे शाखो की दरख्वास्त ता: ३.७-३८ के।
इलाका यहां फैसला किया कि दरख्वास्त सिफारिश
के साथ C.C. में अंतिम निर्णय के लिये भेज दी जाय।

नोट— नयानिपेल बागे को दरख्वास्त, ३.७.३८ की
और उसके ससुर असुरार के पंचों की रिपोर्ट
ता: २६-६-३८ — साथ नत्थी है।

इलाके के नाम से
नाथ बागों के आज्ञानुसार
S. Kul

टाटी मराडली
ता० ३-७-१९३८ ई०

महामान्यवर इलाका चेयरमेन औ इलाका सभा को टाटी मराडली के पंचों औ मराडली के भाई बहिनों वो कर्म्मचारी की ओर से यीशुसहाय—

आप को मालुम करते हैं कि नथानिएल बागे वल्द कालेप बागे सा: टाटी थाना बसिया जिला रांची, की शादी सरमजोड़ा के हिलना केरकेटा वल्दि याकुब केरकेटा थाना तोरपा जिला रांची, के साथ १७ वीं मार्च १९३० ई० को मर्ची के खिृस्त गिर्जे में पादृी दानिएल होरो के द्वारा शादी दिया गया, कुछ ही हफ्तों के बाद लड़की हिलना केरकेटा नथानिएल बागे को छोड़ कहीं चली गई, आज तक उसका कुछ पता नहीं है। औ आज सात बरसों से बेसी गुज़र गया, लेकिन उसका पता नहीं है, इसके बारे नथानिएल नोटिस द्वारा घरबन्धु में छपवाकर बतारीक ५-३-१९३८ को इश्तिहार निकाला। लेकिन उसका तब भी पता न मिला।

आज तक नथानिएल दूसरी स्त्री रखनी नहीं किया है। इससे निर्दोष है। लड़की इस बात में दोषीदार थी।

इश्तिहार औ नोटिस मोताबिक सरमजोड़ा के प्रचारक औ मराडली पंच वो मां बाप लोग भी उसका पता न चला सके, इसलिये टाटी मराडली भी यह सिफ़ारिश करती है कि नथानिएल बागे को दूसरी शादी मिलने का हुकुम हुजुरों से फ़र्माया जाय॥ पंचों की राय से।

कातिब Daniel Dang Chorbindha
मनसिद्ध बागे टाटी मराडली मान्य
ब: ख:
C: B. Kerketta

તિમોથિયુસ-ટાટી- કમીશન-પંચ

યોહન બાગે ટાટો કમીસન પંચ

મરાડ઼લી પાંચ યોહન બાગે નવાંટોલી

સલી પતરસ કાન્ડુલના ટોંગરીટોલી

ઠેપા સહી મરાડલી પાંચ પૌલુસ સુરિન ઇચાગુટુ

ઠેપા સહી મરાડ઼લી માઈ યોહન સુરિન ઇચાગુટુ

મરડલી માઈ પૌલુસ બાગે ટાટી।

મરડલી માઈ અબ્રાહમ બાગે ટાટી।

मेरोमबोर
२६/६-३८

महामान्यवार राठो मराडलो के पांच आदीयों को

मेरामबोर मराडलो के पांच आदीयों का
प्रभु सहाय

आगे राठो मराडलो को नथानिएल बोग राठो और हिलना केरकेरा सरमकोड़ा के विषय, चिट्ठी का जवाब देते हैं कि हम लोग बाबु नथानिएल को हिलना केरकेरा को शादी कर के दे दिया। सरमकोड़ा नकमा, बाप के घर थी नहीं आई थी, नथानिएल के घर से कहां चली गई इस का पता हम लोग नहीं जानते हैं।

पांचो का हुकुम से प्र: श्रीमान कोनगाड़ी

मेरामबोर
लोटिया - बरला मेरामबोर
कमलसिह - कोनगाड़ी कोरंगो

J. Hanson

[illegible] सरमकोड़ा
[illegible] समुएल को
जुनास - कोनगाड़ी
घर नथानिएल [illegible]
टेपा माटी याकुब केरकेरा सरम कोड़ा

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1176/38/F 9.
Dated, the 12th August, 1938.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. S. Kula, Chairman, Takarma Ilaka for information and guidance.

N. Topno.
Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Meeting held on the 27th July, 1938.

Item No. 16.

" Takarma Ilaka Sabha ka Minutes :-
(a) Pracharak Anukaran Tiru aur Chhuwachhut :-
Kuchh batchit huwi par kuchh phaisala nahin huwa. "

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1169/38/F 9.
Dated the 12th August, 1938.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. ~~Nathaniel Bage~~ S. Kula, for information and guidance.

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Meeting held on the 29th July, 1938.

Item No. 2.

" Nathaniel Bage of Takarma Ilaka :- Nathaniel Bage ki stri ne shadi ~~k~~ ke bad Nathaniel ko chhor kar kahin chali gayi. Uska kahin pata nahin hai. Gharbandhu men notice diya gaya par pata nahin ~~maxx~~ chala. Tati aur Sarmoda, sasurar aur naihar donon jagahon se chitti panch taraph se mili ki stri ka pata nahin hai. Is liye prastao ho kar phaisla huwa ki Nathaniel Bage ko dusri shadi karne ~~ki~~ ijajat di jawe."

---

file

Takarma
9-7.38.

Dear, Secretary N. Topno —:

आप-को इजरायल को सहाय ।

हम सब कोई अच्छे हैं - ~~हम सब कोई अच्छे हैं~~ ।

पर आंख की तकलीफ़, सफ़र को घर में भी अति कठिन दुःख है । यहां कोड़े की कि सही से ४-८ जन मर गये और बीमारी चल ही रही है । जल्दी में इस विषय को लेके डर पैदा हो गई है । आप लोगों के भी बीमारी का ख्याल जब मैं करता हूं तो मुझे दुःख और शोक भरता आवे है कि आप लोग कैसे हैं — सब बाल बच्चों को हमों का विशेष यीशु सहाय ।

I ~~कृपा~~ करके Rev. J. Stoch को तुरन्त हाल देने की कृपा कीजिये ~~कि~~ Hunkeram के बारे जो उनका खत २.७.३८ को था — उसका जवाब इसका दिया है

II आप को मालूम होवे कि मुझे C.C. का मिनिट्स महासभा से आज तक का एक भी कापी नहीं मिला है

III. Rev. W. Bage. का खत दरखास्त बाबत C.C. का फैसला

परसों मिला — आज जरा फुरसत के समय में।
1936 के C.C. मिनिट को देखिये जिसमें स्कीम बारे
और महाशाखा फैसले के बजाए जो बाकी रह गये
किनारे उस पे लेकरी में मैं जाहिर किया कि
जब तक स्कीम न बने तब तक इलाके में स्कीम जारी
जरूर ही चाहिए रहे। मैं कुछ पादरियों के ऐसे दुःख की
संभावी जरूर हूं और C.C. के फैसले पर रहूंगा
पर मुझे भी दुःख होगा कि यदि यह बात C.C.
के मिनिट में नहीं हो।

III इलाका — या धारा — अवस्था में जैसे तैसे गुजर रहे हैं।

IV कृपया जरा के आदिवासी कुमा को खुला छोड़ने की
कृपा कीजिये।

VI. Mr. J. S. Ch का नाम और फादर का नाम
यदि बने तो जनाने की कृपा कीजिये।
मैं बहुत अफसोस करता हूं कि शांति के खबर से
मैं एक दम वंचित कर दिया गया हूं।

S. Kul

Church Council
Received 13. 6. 38
Register No. 437.
Date 9. 6. 38.
File 29
Reply No.
Date

G. E. L. Church, Takarma.

Full Ilaka Meeting of 9. 6. 38.

Item No. 7 :- पादरी नयानिरुक्त बागे का तलप सम्बन्धी C.C से चिट्ठी:- कि "C.C को इसके प्रत्युत्तर में १९३७ के महासभा के तुरंत बाद के C.C फूल मिटिंग का संकल्प, बाबत तलप के, लिखा जाय — कि जब तक नया स्केल नहीं बनाया जाय, तब तक इलाकाएं जो स्केल चालू रखी हैं; वही रहे। इसलिये इलाका अर्जी करती है कि C.C. इस बात को जल्दी सफाई करे, कि कर्मचारियों में मिस अन्डरस्टेन्डिंग (misunderstanding) न होवे"।

[signature]
Ilaka Chairman.

[signature]
Secretary.
10. 6. 38.

File
6-7-38

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1000/38/F 9.

Dated the 5th July, 1938.

From :-

N. Topno Esqr.,
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

To,

The Rev. S. Kula,
Chairman,
G. E. L. Church, Takarma.

Manyawar padri babu ko yishusahay :-

Ap logon ki chitti anusar main ne minute book men samucha dhundha, par Mahasabha ke pichhe scale sambandhi kuchh minute darj nahin huwa hai. Mahasabha ke pahile usko Mahasabha men pesh karne ki bat milti hai par pichhe us ke sambandh men kuchh likha hi nahin huwa hai. Wahan jo rit rewaj ap log follow karte hain usko main ne kah sunaya par manjur nahin hota hai. Bahas men nikla ki ap log Pracharakon ko ghati barhi talab dete hain arthat un ki talab bridhi jo ho gayi hai us ko ghataye nahin hain. To Padriyon ka akela kaisa ghataya jay ? Aur aurgument thik hi malum parta hai. Ghatana ghatana, sab ko ghataiye aur bridhi anusar dena hai to sab hi ko bridhi anusar dijiye.

Ap ka bishwast,
N. Topno.
Secretary,
G. E. L. Church.

Minutes of the Church Council, held on the 30th June, 1938.

" Padri N. Bage :- Takarma ke Chairman o Secretary jo bakya likhe hain talab scale ke bishay so yahan minute book men bari yatn ke sath khoja gaya par waisi koi bat nahin mili so prastao ho kar pas huwa ki padri ka hak na mara jawe."

N. Topno.
Secretary,
G. E. L. Church

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR ANS ASSAM.

Memo No. 932/38/F 9. Dated the 3rd June, 1938.

The undermentioned document is forwarded to Rev. S. Kula, Chairman, Takarma Ilaka, for information and guidance.

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

Rev. N. Bage.
Minutes of the Meeting of the Church Council Executive, Dated the 1st June, 1938.
Item No. 8.

" Rev. N. Bage :- Padri likhte hai ki Ilake ne us ka talab ko Rs 40/- se Rs 30/- kar diya. Bad bibad ke pichhe phaisla huwa ki Kula Padri ko li kha jay ki Padriyon ke talab ko ghatana-barhana Council ka kam hai aur Ilaka ka nahin.
Burha Padri ko jyada milna wajib hai."

Kula Baribiringa
30.9.37.

महामान्यवर Church Council के मेम्बरान

आप लोगों को येशुसहाय।

I आप लोगों को सबिनय अरज यों करता हूं कि मैं १८६६ ई० से अनुथेरान कलीशी को सेवकाई कौन्सेट्ट के पद से आरम्भ किया और १९०८ ई० से आज तक लगातार पादरी का काम कर रहा हूं १९१३ ई० से आगे मेरा तलब स्केल नियम अनुसार इमतिहान देके तलब बृद्धि हुई। १९२८ ई० के महासभा के फैसलानुसार मेरा तलब स्केल ४०) रु: किया गया है और यह स्केल १९२९ से जारी और चालु किया गया है। जिसका सच्चा नकल भी भेजता हूं।

महाशय गन! हम पास्टरों का अभिप्राय यह है कि हम महासभा और C.C. के फैसलानुसार करने का order रखें। इस आरडर के अनुसार मेरा हक है कि ४०) रु: के स्केल के अनुसार मुझे तलब दिया जाय, क्योंकि जब से मेरा तलब स्केल ४०) रु: हुआ तब से इसी के अनुसार तलब मिलता है। पर मेरे खुंटी टोली से बेड़ो बिरिंगा बदली आने के बाद रुकरमा इलाका के चेयरमेन ने अपनी इच्छा के अनुसार ३०) रु: का स्केल बनाके तलब देना आरम्भ किया और जब ऐसी बात होने लगी तब मैं ने चेयरमेन को मेरे स्केल के बारे कहा जिसपर उसने कहा कि इलाका में दरखास्त दीजिए। मैं इलाका में दरखास्त दिया - इसके फैसले के लिये इलाका बेड़ो, पर अब लों वही स्केल के अनुसार तलब दिया जाता है। रुकरमा इलाका के कोई कर्मचारी का स्केल नहीं घटाया गया सिर्फ मेरा घटाया गया है।

इसलिये मैं C.C. और महासभा

To be paid ... Kula

के अधीन होकर अपने हक पर दावा रखते हुए यह अरज करता हूं कि मुझे ४०) रु: के स्केल के अनुसार तलब मिले। इस का अन्तिम फैसला मुझे जनाने को कृपा करेंगे।

II मैं आप लोगों फिर से स्मरण दिलाता हूं कि जब चुरदाग से खुटीटोली बदली हुआ, उस समय भी वहां के कानून और प्रबन्ध ध्यान से जो तलब मिलने को हक था और नहीं मिला, जिस के लिये मैं C.C. में दरखास्त भी दिया और जवाब मुझे दिया गया था कि आप को गोबिन्दपुर इलाका से दिया जायगा पर अब लों कुछ नहीं मिला है। सो इस के बारे आप ध्यान दीजिये। कारण क्या जो नहीं मिलता है।

III बीते नोवेम्बर फिर मेरी बदली खुटीटोली से बड़ीबिरिंगा हुई है। यहां भी खुटीटोली में रहते समय में जो सेन्ट्रलैण के बहाने पर मेरा हक पावना गोल माल हुआ। तिस के बारे भी मैं वहां के कर्म्मचारियों से जो दृष्टान्त करके मेरे हक पावना से लिया गया है, दिला पाने के लिये C.C. को जवाब मुझे कुछ भी नहीं जनाया है, पर अब लों इस विषय का जवाब मिला है। मैं तो विश्वास करता हूं कि C.C. का मित्र कर्म्मचारियों पर पूरा power है वह सब कुछ ठीक कर सकता है। मैं आप लोगों का ओरडर कायम रखने का कोशिस किया है पर सब जगह हानि पर हानि उठा रहा हूं, मेरा दिल अफशोस से भर गया है। आप लोग मुझ पर दया की दृष्टि नहीं करते हैं सेन्ट्रा लैज करने से भी हानि उठाया और न सेन्ट्रा लैज करना भी दुख है। तो बेहतर है कि न सेन्ट्रा लैज करके अपनी घर पर सन्तुष्ट रहना।

सो महाशय गन मेरी अरजियों पर कृपा दृष्टि कर ध्यान देंगे॥

आपका आज्ञाधीन सेवक
Nathaniel Bage.

Pastors' salary.

महासभा के फैसला के अनुसार सब पादियों और कंडिदातों
को जो मंडली में काम करते हैं उनका तलप को
६० % C.C. से दिया जायगा।

हर एक इलाका ~~के~~ पादियों और कंडिदातों के लिये
जितना उन के लिये १९२८ में खर्च किया सो इस साल में
C.C. को देवे, C.C. जो ६०% के तलप तक बाकी है
सो दूसरे फन्ड से जोड़ देगा।

कोरों जो इलाका में तीन पादरी और नौ कंडिदात
हैं उनका नाम और महिना (पूरा तलप ६०%) है।

१. ओबेद तिड़ . . . ४०) रु:
२. मनमसीह कुजूर ३०) रु:
३. ख्यानिस्त बागे ४०) रु:

Sd/ M. Prehnwep

A petition to
the salary scale.
N.I.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

১. [illegible] ৪০/-

২. [illegible] ৫০/-

৩. [illegible] ৪০/-

Sd/ M. [illegible]

[illegible] petition [illegible]

[illegible]

OFFICE OF THE ~~CHURCH~~ COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN
CHOTANAGPUR AND ASSAM.

From,
Mr. A.L.Tirkey, B.A.,B.Ed.
Secretary,
G.E.L.Church,
Ranchi.

Extract from the Minutes of the Church Council Executive, held on the 3rd Dec. 1937.

" 4. Peter Khalkho ka darkhast (23.10.37) talap bridhi ke liye.
Yah darkhast talap bridhi ki shipharish ~~x~~ ke sath Takarma Ilaka ko bheja jay."

Memo No. 610/37/F.9., dated the 10th Dec. '37.

Copy forwarded to the Chairman Takarma Ilaka, with recommendation favourably.

~~The~~ A copy of the application of Candidate Peter Khalkho is sent herewith.

A. L. Tirkey
Secretary,
G.E.L.Church,
Ranchi.

Church Council
Received 24.11.37
Register No. 197
Date 23rd Nov 1937
File ~~4/5~~ 9
Reply No. 610 -
Date 10.12.37

To,

The Church Council,
G. E. L. Churches in Assam
& Chotanagpur,
Ranchi.

Sirs,

Most humbly and respectfully I beg to lay the following for your kind and favourable consideration.

That I have been serving the School and the Church since a year at a minimum pay of Rs 10/- (Rupees Ten) only. I have also to discharge hostel duties as a house-master. Hence I am in much difficulty to manage with this small sum. I can't even get help from my father who himself being a pastor draws a small pay with a family to support. I am also to support my parents with this small amount.

Further, all the Candidates, even newly appointed ones are paid a minimum sum of Rs 15/- (Rupees Fifteen) in other Ilakas.

I would, therefore, request you to kindly make an increment to my pay and put me at the same level of my co-working Candidates, Thanking you in advance,

Takarma,
The 23rd Nov. '37.

I remain to be Sirs,
Your Obedient Servant
Peter Khalkho.

COPY

To,
The Church Council,
G.E.L.Churches in Assam
and Chotanagpur,
Ranchi.

Sirs,

Most humby and respectfully I beg to lay the following for your kind and favourable consederation.

That I have been serving the School and the Church since a year at a minimum pay of Rs 10/(Rupees Ten) only. I have also to discharge hostel duties as a house master. Hence I am in much difficulty to manage with this small sum. I can't even get help from my father who himself being a pastor draws a small pay with a family to support. I am also to support my parents with this small amount.

Further, all the Candidates, even newly appointed ones are paid a minimum sum of x Rs 15/ (Rupees Fifteen) in other Ilakas.

I would, therfore, request you to kindly make an increament to my pay and put me at the same level of my co working Candidates.

Thanking you in advance,

Takarma.

The 23rd Nov. 1937.

I remain to be Sirs,

Your obedient servant

Peter Khalkho.

Domtoli 18-11-37

श्रीमान महामान्यवर महाशयगण कौंसिल अंगों को सआदर मेरा यीशुसहाय ।

महाशय गण, चार्च कौंसिल के अंगों को मालूम होवे कि मैं ने दो खत आप लोगों के पास लिखा जिसका उत्तर अब तक मुझ को नहीं मिला है, अब मैं तीसरी वार आप लोगों के पास लिखता हूं और मंडली का हाल सुनाना चाहता हूं कि आप लोग सुन कर इसी सफर में इसका जांच परताल कर बहुत कुछ पा सकते हैं और मंडली में को जो गड़बड़ नीचे लिखी जाती है साफ कर सकते हैं और इस प्रकार से मंडली में जो सच्ची ख्रीष्टीये एकता का बिश्वास औ प्रेम जो घट जाती हैं फिर दृढ़ हो जाएगी और मंडली में हम सभों को सम्मिलित ईश्वरीये सभा आराधना और प्रभुभोज खाने और पीने में आशीष होगी और यदि आप लोग इस पर कुछ ध्यान न देंगे तो खूँटी मंडली में छुआछूत का बीज रोपा जाकर ख्रीष्टीये बिश्वास और प्रेम घट जाएगी । मैं आशा सहित लिखता हूं कि आप लोग इसी सफर में नीचे लिखी बातों का बिचार जरूर कुछ करेंगे ।

जो गड़बड़ है सो नीचे संक्षेप से लिखता हूं कि १९३४ में एक सादी वाली छोकड़ी एक चोका छोकड़ा के साथ आसाम चल निकली थी । वह दोषी दार होकर मंडली सभा में रखी गई और अन्त में उसी साल पाप क्षमा उसको मिली, सुलेमान बाग पादरी के द्वारा वह मंडली में ग्रहण किई गई । पादरी ने दोनों स्त्री पुरुष को सादी के दृढ़ बन्धन में रहने की चितावनी दिई और उसी समय से वे साथ में रहते हैं पर डोमटोली मंडली के पंच उनको अछूत समझ कर उनको खान पान से अलग करते और उनके साथ जो खाते पीते हैं उनके नाम से मंडली २ चिट्ठी काटते हैं और अछूत वालों से रुपैया खर्चा लेलेकर भोतर करते हैं याने पाक करते हैं और यही बात मंडली में आज कल खूब चल रही है और झगड़ा झगड़ औ तकरार होती है सो आप लोगों से अर्ज है कि यहां का जो गोलमाल छुआछूत का है मिटा डालिये कि मंडली साफ रहे और यदि आप लोग हमों को छोड़ दी चाहते हैं और कुछ ध्यान न देंगे तो उसका खुलासा जवाब हमें दीजिये जिस्तें हम कोई दूसरा उपाय अपने लिये करें मैं आशा करता हूं कि आप लोग मेरी इस लिखित का बिचार औ जांच जरूर करेंगे और जो गलत मंडली में पावेंगे सुधार करके लौट जाएंगे

प्रेम से आप लोगों का

ख्रीस्तानुकरण योहन तिड़ू

डोमटोली

एन्द्री मरकुस सुरिन आ: ख:

डेयानिशियस
इलियस सुरिन
डुमरटोली

22-11-37
[illegible]

पावें

पादरी दाऊद कुजुर प्रेसिडेन्ट

औ पादरी डबल्यु ~~[illegible]~~ ए दशिक साहेब

चार्च कौंसिल के आंग -

file

રાયસીંઘાં — ૩૦-૧-૩૯

શ્રીમાન ચીફ કૌંસીલ ટુવેરાન મીશન રાંચી
પ્રોટ્સાહાય

હમારા શાદી આ-દાજા ૧૫ બરસ હોગયા સાદી હોકે
હમારા શાદી કિયા હુઆ પહલે સાલ મેં ૩ બરસ રહ કે
બાદ આપના નહીંઆર ચલીગઈ આર હમારા ૧ા
૩ન કા બીગાડ — બહુત બાર રહી હુઆ બા હમારા પાસ
આને નહીં ચહતી હૈ બીંગરાય કે પાંચ લોગ હમારા બહીનોં
કે શાદીમેં બહુત રોકા ટોક કિયા ઇસ સાદી મેં
મેં — ધાન ... પાદ્રી કે પાસ મેં ૩ન કો બુલાય
લેકર હમારા આરીવરીવાવ કિયા કે હમ ... રાયસીંઘાં
નહીં ... ઉનકે પાસ ... રહેંગા — ઉનકે
... — પાંચ — ઔર હમારા બહીનોં કા શાદી કા રોક
ટોક કિયા ... પાંચો કો ૧૦) જુરમાના ...
કરેંગા તો હમારા બહીનોં કા શાદી કા ... દેંગા ...
પાંચો કો ૫૨) જુરમાના દિયા પાદ્રી ... કે ...
દિયા ... આપ — હમ — ... હમારા ...
... હમારા ... બરબાદ હુઆ
આપ કૌંસીલ સે હમારા આરજી હૈ કે ... શાદી
હોને ... હુકુમ ... હમારા શાદી ...
... હોગા કે હમલોગ ... બરસ સે આલગ
રહતે હૈ આર ના — પ્રચારક — ના — પાદ્રી — ના
પાંચ ... બિવાહ પ્રચાર કિયા ...
... મેહરબાન ...

આપ કા

આયુ — ... રાયસીંઘાં

Takarma
16-11-37.

To The Lutheran Church Council, Ranchi.

From The Takarma Elaka Lassia P.O. Ranchi.

महाशयगण,

आप — सभों — को — यीशुसहाय।

[illegible] — Ch. Anukaran Tiru का — दरख्वास्त — जिसे C.C. ने इलाके को — लौटा दिया था — और उनसे जिक्र किया था — कि.

To The Elaka for consideration and report. Khandulna.

सो C.C. के हुकुम — मुताबिक इलाका — ~~12~~ 12-11-37 को बैठी। [illegible] [illegible] कि [illegible] रहता। इलाके [illegible] ने [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] — है। [illegible] — नहीं — होगा — चूंकि — उनका — [illegible] [illegible] [illegible] जिसे इलाके — ने — मंजूर किया — और [illegible] Rev. D. Horo [illegible] [illegible] — और (Committee 2-10-37) [illegible] — और [illegible] S. [illegible] — सभा — के [illegible] [illegible] [illegible] — रहा। सो इलाके — ने नहीं [illegible] — [illegible] — [illegible] [illegible] [illegible] इलाके [illegible] उक्त दरख्वास्त — पर [illegible] — विचार किया — और इलाके [illegible] को [illegible] दिया — कि उक्त मिटिंग — C.C. को — [illegible] [illegible] — के — दरख्वास्त — के साथ — भेजें — : —

इलाके मिटिंग — 12-11-37. विषय — Ch. Anukaran Tiru. 2/10/37.

[illegible] — : दरख्वास्त C.C. का इलाका मिटिंग के नकल 10 [illegible] ~~1936~~ 1937 के साथ लौटा दिया जाय (10 [illegible]) ~~1936~~ 1937 इलाका मिटिंग — :

विषय — Ch. Anukaran Tiru — उक्त [illegible] — को Ella insc[illegible] में [illegible] [illegible] रखने की कोशिश करने पर भी — इलाका [illegible] नहीं होगा — सो [illegible] — ने [illegible] — को हुकुम दिया — कि वह (Ch. A. Tiru) इलाके के [illegible] [illegible] मंडली में [illegible] [illegible] को [illegible] [illegible] किया जाय॥

सो उक्त प्रस्ताव का— सकल मंडलियों के पास पहुंचा— और सबने अपनी मर्जी पेश की— पर सब मंडलियों ने उस स्कूल नियम से न स्वीकार किये. पर— स्कूल का— मंडली— को कुछ चंदों ने— उसे मंजूरी दी— पर दीया. Ch. A Tira को कहा गया था कि वह सब कलीसियों की मंजूरी ले के— इस हुक्म पर वह काम आ गया सो इलाका— और कोई उपाय— नहीं देख कर, उसी प्रकार आदेश— कि Ch. A Tira स्कूल मदद के मंजूर— करने लिये प्रचार करने और मंडलियों की मंजूरी लेके— ; नहीं पूरा— हुआ— सो प्रचारक (Tira) का— काम— करते ही— काम का— हो जाता— है पर उसको देना— होर हफ्ता— पर— उसके लड़कों की— फीस के लिये ... का— था— इलाका— और का था मंडली हेड मास्टर को सूचित करें और यह कोई Ch. A Tira को सभा में बुलाकर सुना दी जाय। — Chairman S. Kula; Secty. N Topsua.

10-6-37. 10-6-37.

और— आगे रिपोर्ट दी जाय कि इलाकों में छुआ— छूत की बात— मौजूद है जैसा— दूसरे इलाकों में है।

मंडली— की— पासबान— होने— की बात निराधार— है; सम्मिलित— के— सब नागा रहते— हैं और उनमें कोई रुकावट नहीं डालते— हैं।

इलाके— पेपर पर जो ... बताई— गई है वह गलत— है बमौजिब— 10 वीं जून 1937 के इलाके मिनिट— को आप देखते हैं।

Chairman S. Kula Secty. N Topsua

12/11/37.

सब बातों को मंजूर किया।

S. Kula

16/11/37.

To the [illegible] for consideration + report. [illegible]

Domtoli 2-10-37

श्रीमान महाशय,

चार्च कौंसिल के सभासदों को सआदर

मेरा यीशुसहाए।

महाशयगण -

आप सभों को बिदित होवे कि टकरमा इलाका अन्दर खृष्टानी मंडली में छूआछूत का रोग फैलती जाती है जिससे मंडली में खृष्टानी प्रेम और बिश्वास घटती जाती है, जिस बिषय पर यहां का इलाका चेयरमेन उसको सुधारने में कमजोर मालूम पड़ते हैं और इस प्रकार से कर्म्मचारियों के ऊपर मंडली के काम में बाधा पड़ती है। मैं टकरमा इलाका भीतर रेडेगा मंडली में प्रचारक का काम किया, और वहां की मंडली ने मेरे काम में छूआछूत के कारण बाधा डाली और अभी वही बात समूची इलाका भीतर मंडली में फैलती जा रही है।

डोमटोली मंडली में एक सादी मुन्डा छोकड़ी, एक चीक छोकड़ा के साथ आसाम तरफ चल निकली थी, उसको मंडली छोटी सजा में रखा और अन्त में छोकड़ी पाप क्षमा पाई। पाप क्षमा मिलने बाद एक पादरी सुलेमान वगे और कितने भाई और मैं उसके साथ प्रेम भोज खान पान किया, पर क्या हुआ जो २ उसके साथ खाये पीये उनको डोमटोली मंडली अछूत समझती है और उनसे विवाद में लगे हुए हैं और इस प्रकार से खृष्ट के लोहू का मोल जो सब पापों से हमें शुद्ध करता है बेमोल का गिनते हैं। मंडली में बराबर रगड़ झगड़ चलती है, मंडली दो भाग होने चाहती है। इलाका चेयरमेन को सब मालूम है पर वे चुपचाप बैठे हैं, कर्म्मचारियों के ऊपर काम का बाधा पड़ने पर भी भाई बहिनों को समझाने में ढीले मालूम पड़ते हैं, बल्कि उनके पक्ष में रहते हैं, एक दो प्रचारक भी भाइयों के पक्ष में हैं। छूआछूत का रोग मंडली में बढ़ने देते हैं।

टकरमा मंडली के पंचों ने जिनके पास मैं ने काम का दरखास्त दिया मंजूर किए पर सुलेमान कुला मुझे काम देने में बहुत सा गचपच निकाला जिससे वहां के पंच भी इससे नराज हैं।

सो आप सभों से अर्ज है कि यदि वे यहां के इस गोलमाल को महीना दिन के भीतर साफ न करें तो उनकी बदली किई जाए सो चार्च कौंसिल सुलेमान कुला को इस बिषय पर हिदायत देने में बिशेष दृष्टि करे कि मंडली में ऐसी बात फैलने न पावे

आप लोगों का बिश्वास्त

खृस्तानुकरण योहन तिड़ू

प्रचारक डोमटोली

श्रीमान- चर्च कौंसिल- के सभा सदों सा आदर मेरा येसु सहाय-

महाशय गण-

आप- सभों को मालूम होवे- कि हमारा पुत्री जो मंगली सादी हुई उसको
हमलोग- अपने घर में लाये। दो या तीन- महिना- के पीछे वह- अपने
दादा भौजी के साथ- अपने माता पिता के घर चली गई- जिस दिन-
गई उसी रात को विहान होते समय- एक चोर- छोकड़ा- के साथ- चल-
निकली ७ दिन में फिर अपने माता पिता के घर लौट आई। तब उसके
पीछे सभा बैठी दोनों के इजहार में दोषी पाये गये पर सादी वाला-
लड़का निर्दोष गिना गया- इस लिये उसको सभा- और मंडली भी साजा-
दिये- दोनों किस्म- का सजा उसको मिला- और लड़की मंडली आईन-
भोतावीक- द्वार पास- बैठ के पुकार किया- और तीन महिना के बाद- पादरी-
बाबु सुलेमान बागे लड़की को पाप क्षमा- दिया- तब से लड़की का सास-
ससुर उसके साथ- प्रेम भोज किया- और पादरी- सुलेमान बागे दोनों सादी वाला-
लड़का और लड़की को मंडली आईन का- दृढ़ बन्धन में रहने का उपदेश दिया
और खान पान- में बहुत से भाई लोग समील में थे। डेढ़ साल होने बाद-
चिट्ठी काटते हैं कि उसका- खाना पीना, चुना तम्बाखु नहीं लेंगे और
इन साल भी चिट्ठी काटने का सलाह किये हैं और कितनों को समील किये
पर हम लोग- १ योहन- १, ७ के अनुसार अपने को निर्दोष समझते हैं यही छुआ-
छुत चिट्ठी काटने में लुइ गौर का प्रचारक- भी समील में है हम उसको चिट्ठी साथ दिखला
सकते हैं सो आप- लोग- मुझ बेचारे जन- को समझाइये कि संसारिक- पदा आईन
अनुसार सादी नियम टूटे व बन्धन में रहे मैं समझता हूं ख्रिस्तानी आईन
अनुसार उन दोनों रहे और छुआ छुत की बात मिट जावे - और हम जो
अभी १४ बर्ष मंडली में काम किया- इस समय- में मैं प्रचार काम से छुट्टी पाया हूं
इस काम से मुझको छोड़ने का मान तो नहीं था पर पादरी सुलेमान कुल्लु हमको
दो दफा जोरी से कहा- इस कारण मैं छोड़ दिया- - आप का आज्ञाधीन-

प्रभुसहाय- सुरिन- चौरापानी

F. 9.

श्रीमान महामान्यवार,

चार्च कौंसिल के सभासदों को मेरा यीशुसहाए ।

महाशयगरा,

आप सभों को मालुम होवे कि मैं ने एक चिट्ठी बीते महीने में लिखा जिसके बारे में सुनता हूं कि आप लोग उस चिट्ठी बारे बिचार निमित्त सुलेमान कुल्लु को सौंप दिये हैं, पर वे अब तक बात नहीं उठाते हैं, और अभी मंडली में छुआछूत की बात मेरे ऊपर और बहुतों के ऊपर चिट्ठी काट के फैलाते हैं । मंडली के लोगों को यह उचित नहीं है. । मंडली में बराबर रगड़ झगड़ तकरार चलती रहती है और इससे हम लोगों को मंडली के लोगों के साथ ईश्वर सेवा आराधना और प्रभुभोज खाने और पीने में अत्यन्त रोकटोक मालुम पड़ता है, सो अर्ज है कि आप लोग मुझे छुआछूत बिषय साफ करने निमित्त कुछ उपाय बताने में कृपा दृष्टि करेंगे ।

आप लोगों का बिश्वस्त —

ख्रीस्तानुकरण योहन तिड़ू

साः डोमटोली

पो॰ आ॰ - कोलेबीरा -

ता: ४-११-३७

From: Revd. Felix Schulze.
Lutheran Church.

Church Council
Received 9/11/37
Register No. 179
Date 4/11/37
File 9
Reply No. 600
Date 7.12.37.

Rajgangpur B.N.Ry.

Dated: 4.11.37.

To the

Secretary of the Church Counzil

Amrit Lal Tirkey, Esquire

R a n c h i

Dear Mr. Tirkey,

I am very glad to learn that you have been appointed Honorary Secretary of the Church. May God bless you and your work.

To day I am forwarding a case of Takarma Ilaka which needs really to be looked after. Of course, I do not know how far the Report of the two villagers is true, but anyhow I experienced that this spirit of the Munda-Jad is very harmfull towards the prosperity of our christian life in the villages.

Thanking you in anticipation

I remain

Yours very sincerely

F. Schulze

COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN
CHITANAGPUR AND ASSAM.

Mr. A.L.Tirkey, B.A.,B.Ed.
Secretary,
G.E.L.Church,
Ranchi.

Extract from the Minutes of the Church Council Executive, held on the 2nd Dec. 1937.

" 7. Takarma Ilaka ke bhitar Chhuwachhut ki bat.

Is ke sambandh men anek kagjat pesh kiye gaye:- Christanukaran Tiru ki chithi(2.10.37.), aur Christanukaran Tiru, aur Marcas Surin, aur Ilias Surin ki samilit chithi(18.11.37.). Pahli chithi Takarma Ilaka ko bichar ke liye bheji gayi thi. Us ko Ilaka panch ne apni ray ke sath lauta diya hai. In ke sath Padri Schulze Saheb ki chithi parhi gayi jis ke sath Christanukaran Tiru aur Prabhusahay Surin ki chithiyan bhi bheji gayi hai.

Chhuwachhut ki bat ko Mandli men barhte dekh kar Church Council apshosh karti hai, kyonki is se Mandli ki Christiani jiwan ki barhti men badha hoti hai. Batlaya gaya ki chhuwachhut ki bat Koronjo Ilaka men bhi prachalit hai. Is karan Church Council ne aisa bichar kiya:-

1. Ki Church Council ki or se Takrama aur Koronjo Ilakaon ko kaha jay ki Parha Panch ki bat girije men na sunai jay.

2. Ki Takarma aur Koronjo Ilakaon men Parha Panch ke chhuwachhut ki ki bat tea ko Mandli karmchari log Parha Panch se mil kar saphai kare.

3. Achchha hota ki is bat ka bichar Janam Parb ke pichhe(29 Dec. se 1 li January ke bhitar) kiya jata jab Padri Radsick Saheb bhi Takarma pahunchengen .

4. Pracharak Christanukaran Tiru aur Prabhusahay Surin ko salah diya jata hai ki we dusre Ilakaon men kam ke liye darkhast dewe."

Memo No. 606/37/F.9, Dated the 7th Dec. 1937.

Copy forwarded to Takarma Ilaka, Koronjo Ilaka, Christanukaran Tiru, aur Prabhisahay Surin for information and guidance.

A.L.Tirkey
Secretary,
G.E.L.Church,
Ranchi.

Church Council
Received 21.9.36
Register No 357
Date 16.9.36
File 7
Date

19/9

Takarma.
16-9.36.

To,
The Secretary Lutheran
Church Ranchi

Dear Sir,

I am very much glad to write you that a new Post Office has been opened at Lassia from 16th September 1936 and request you to write all the letters — as follows & oblige.

Rev. S. Kula – Takarma –
Lassia P.O. Ranchi.

Yours faithfully
S Kula
16/9

N.B.
Sir, please send the letter attached Mr. W Rasdick.

Church Council
Received 10.8.36
Register No. 299
Date 6.8.36
File 36 ... 9
Reply No. ....
Date ....

File

The Secretary, Lutheran Church Council
Ranchi

महाशयगण— C.C. के मेम्बरों को हमों का यीशुसहाय.

आप लोगों से हमों की मांग है कि कृपया करके आप लोग Berlin की खत 2nd July 1936 को मत ~~छप~~ इस. छपवाइये – क्योंकि हमों ने कोई बनावट बातें नहीं लिखी – पर जो सच है और जो हमारे विवेक में है और रहेगी – उन्हीं को हम लोग लिखे हैं – पर यदि किसी को इस से दुःख होता है तो हम लोग उस का पोछा करना छोड़ देते हैं पर तौभी अगर Berlin Board अपनी बातों को घरबंधु में छपवाने की जिद्द करे तो C.C. से हमों की मांग यही होगी कि वह हमों की दरखास्त को भी छापे और Berlin की 2nd July 1936 की खत को भी – जिसे लोगों को मालूम होवे कि सवाल क्या था – और उसका जवाब क्या हुआ.

आप लोगों के आज्ञाधीन
दास—

S. Kula 6-8-36.
J. Bhengra 6-8-36
Y. Dang 6.8.36
P. S. [illegible] 6.8.36
D. Horo 6-8-36
N. Tuti 6-8-36.
An Bage 6-8-36.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM
CHURCH COUNCIL KI KARYYKARAK SABHA KI BAITHKI.
Ta:13 July,1936.
---------oOo---------

2. Berlin Board ki chitthi tarikh July 2,1936. Yeh chitthi Council ko parh kar sunai gai aur is bar bahut bat bichar kiya gaya. Ant men yeh sankalp hua :-

Ki Berlin Board se arji kii jay ki kripa kar is chitthi ko chhapwane ka agrah na kare. Purani baton ko nikalne se phir golmal ho sakta hai,aur jo shanti sthapit ho rahi hai so bigar jaygi. Samuchi Kalisha men aur Kalisha ke baharwalon men in baton ko jahir karna Council awashyak nahin samajhti hai. Lekin is chitthi ka nakal Takarma Ilakake pas janti ke liye bheji jay.

Memo no:263/36/F.-36.

Dated Ranchi,the 28th July,1936.

Extract from the Minutes of the Church Council Executive of 13th July,1936 forwarded to the Rev: S. Kula,Ilaka Chairman,Takarma Ilaka, Takarma,for information.

L. Kandulna
Secretary,
G.E.L.Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
----------oOo----------

No.564/36/F.-36 or 9.

Dated Ranchi,the 28th July,1936.

Dear Rev: Kula,

Ap ko Yishusahay. Ap ka khat 25 July ka mila. Kadachit ap logon ko Berlin Board ki chitthi par Church Council Executive ke action par naraji ai.

Berlin Board ko Church Council ka resolution bheja gaya hai jo is chitthi ke samil bheja jata hai. Ap logon ko jo Berlin Board ki chitthi ka nakal bheja gaya hai so original form men hi bheja gaya hai transla tion nahin hai kyonki chitthi Hindi se hi likhi gai hai.

Ap logon ka bishwast,

L. Kandulna

P.S. Ap ki aur chitthiyan mila. Motabik unke Khutitoly Ilake se kai baton ka report manga jata hai.

R. 1517 **File**

Zakarma.
13-7-36.

Dear Sir

I hear that the C.E. is sending a candidate for Zakarma — We are sorry for we cannot now just get a vacant for him — moreover the most difficult point is that we cannot spare him for his lodging at all in the Hata. Sorry we have no extra room — to live in. So we request please do not send us any candidate at present

If you we can arrange for the said matters - then and their - We ~~ourself~~ ourselves request for the same.

Yours,
Shula
13/7/36

POST CARD

INDIA POSTAGE
NINE PIES

RANCHI DELY. 15 JL 36 2 35 P.M.

ADDRESS ONLY

14 JUL RAN

To,

The Secretary
Lutheran Church
Ranchi

File

Church Council
Received 28.7.36
Register No. 274
Date 25/7/36
File 36 / F-9
Reply No. [illegible]
Date

Lekarma.
25-7-36.

~~Dear~~ Mr. Kandulna

[illegible]

522/36/F-9 [illegible] C.C. [illegible]
[illegible]
Home Board [illegible]
[illegible] C.C. [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] Berlin Home
[illegible] C.C. [illegible]
Board [illegible] True C.C. [illegible]
[illegible] pp. 1. [illegible] Federation
[illegible]
Chota N. Colissa [illegible] Gulam [illegible]
[illegible] Germany [illegible]
[illegible]
[illegible] C.C. [illegible]

[illegible]

S. Kerketta (?)

Lekarma.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

-----------oOo-----------

No. 522/36/F.-9.

Dated Ranchi, the 20th July, 1936.

Ilaka Chairman Takarma,

Ap ko Yishusahay! Ap logon ki chitthi ka jabab jo Home Board se aya hai ek copy bhejta hun, Home Board ki ichchha hai ki yah chitthi Gharbandhu men chhapi jay parantu Church Council nahin chahti hai ki purani baten phir nikali jawen. Is karan Home Board ke sath likha parhi ho rahi hai.

A. D. Kandulna

Kuratorium.

Berlin-Friedenau
der 2nd July, 1936.

Chota Nagpur aur Assam

ki Lutheran Kalisha Berlin Board ki or se Yishusahay!

Takarma se darkhast Berlin Board ke pas bheja gaya (dated Takarma 29th February 1936) jis men Home Board se arji kii jati hai ki anek baton ko phaisla kare.

Bhejnehare bishes karke Federation ke phaisla ke is vakya se nishar ho gaye ki Mahasabha par yah dosh pherka jata hai ki wah unparliamentary kam kiya. Berlin ke Home Board ke angon ko malum nahin hai kin kin bishesh baton ko Federation 'unparliamentary' kahta hai. Federation ka Commission janega. Ham log itna kahte hain ki ap log aphi sochiye jo 1935 men May ki Mahasabha ke ang the ki wah Mahasabha uchit riti se chalti thi wa nahin. (Unparliamentary' ka mane yah hai 'jo sabha ke yogya nahin hai! Ap log sochiye ki us 1935 May mahine ki Mahasabha men kitna golmal tha kitne anuchit baten han apman ki baten kahi gai kya yah Christan Sabha ke yogya hai ? Agar nahin hai to wah byawahar 'unparliamentary' tha - Phir darkhast men likha gaya hai ki Director Stosch Saheb ne is kalank ko arthat 'unparliamentary' bina vote kiye grahan karne diya. Director Stosch kahte hain ki main ne aisa nahin kiya par Mahasabha se puchchha ki ap log Commission ke phaisla aur sipharison ko manjur karte hain wa koi ujur karta hai ? Is par kisi ne ujur na kiya. Mahasabha ke Minutes se pragat hoga ki yah bat thik hai wa nahin.

Age darkhast denewale log batate hain ki 'gat barsh May mahine men Mahasabha ne yah sankalp kiya ki sab baten jo jhagre ke karan hain inko September ya October ki Mahasabha men Mr. Stosch aur Lutheran Federation ke Pratinidhion ki upasthiti men bichar kiye jawen, par yah sankalp ek dam rad kar diya gaya'. Ham log puchhte hain kya Berlin Board Mahasabha ka naukar hai jisko Mahasabha hukkum ke aise kah sakti hai ki aisa karo waisa karo ? Kya Federation Chota Nagpur ki Kalisha ka gulam hai ki Federation ko apna kam Mahasabha ke hukkum ke anusar karna pare ? Director Stosch saheb ne ek dam suru hi men pahichana ki yah anhoni bat hai ki Mahasabha ki baithki hi men Kachhari ka kam kiya jawe ki muddai aur mudaleh ke amne samne phaisla kiya jawe. Ap log sochiye! anek log kahte hain ki Commission apna kam haribari se kiya, kewal 9 din baitha. Agar Commission jis ke ang sab hosiar hain aur jante hain ki aisa kam kis prakar se

se chalana chahiye, agar yah Commission apna kam 9 dinon men bari kathinta se pura kar saka to kitne din lagte agar Commission Mahasabha ke sath baitha hota ? Kya jane char haphte yathesht na hote. Aur golmal kitna bara hota! Yah pahichan ke Director Stosch ne Federation ko arji kii ki Commission ko jaldi bhejen aur tab Ranchi men pahunch kar Stosch saheb ne C.C. ko bataya ki achchha hai ki Commission bina Mahasabha baithe. C.C. us samay arthat October ke ant men manjur kiya. Waisa hi Dissenter logon ke malik log aur jinse Stosch saheb Ranchi men is bat ke bishay salah puchha so sabhonne manjur kiya Mahasabha ki baithki men (December 1935) koi na utha yah kahke ki jo ap logon ne kiya so thik nahin hai. Bhala, tab to ham puchhte hain kya yah uchit hai ki pichhe anek log jin ko Mahasabha ka phaisla achchha nahin lagta hai agyani logon ko uskate aur unko sahi karwate hain kah ke ki Commission ko Mahasabha men ~~upasthit~~ upasthit hona tha. Ham logon ke bichar men yah kahne ka samay November men wa Mahasabha ki baithki ki suru men tha. Ujur ki baton ko susamay men kahiye aur pichhe chup rahiye.

Darkhast ke aram men yah puchha gaya 'Muddai aur Mudaleh ke amne samne bina kiye ijhar lekar kaise Hakim kah sakta hai ki kaun doshidar hai ? Isse malum parta hai ki darkhast denewale log Director Stosch aur Commission ke kam ko thik nahin bujha we hakim ke aktiyar se na aye. Kisi ne unko Hakim ka aktiyar nahin diya. We Baidya ke aise aye. Is liye we Mahasabha ke angon ko bachan aur Sacrament se tayar kiya. Is liye Director Stosch phir phir ke aur sabhon se bole harek apna dosh pahichane aur man lewe, jo apna dosh pahichanta hai uska ksama kiya jata hai. Kisi ne jay nahin paya koi na har gaya. Bat yah nahin hai ki kaun doshidar hai. Commission ke phaisla aur sipharison men harek ko dikhaya jata hai kis bat men chuk kiya. Commission ki phaisla ke pahile khand ko parhiye jis men us bairta ke bishay likha gaya hai jo bhai bahin log ek dusre se rakhte hain. Harek apna dosh pahichane na dusre ke dosh ko barhawe. Jo apne ko dharmi thaharata hai uska Yishu ke sang kuchh ans nahin hai.

Ant men darkhast denewale likhte hain ki 'late President aur Princi pal ke bishay Federation ne kuchh prashansa ki bat likhi hai par Secretary ke bishay prashansa ka ek shabd bhi nahin likha gaya hai. Sara dosh C.C. aur Mahasabha par marh diya gaya ~~xxxxx~~ so doshidaron ka bhala duniya men hota hai'. Ye baten sach nahin hain. Parhiye sipharisen No.7 Is men pate hain ki na kewal late President parantu C.C. ke sab angon ki prashansa ...

ki prashansa ke bishay likha gaya hai. Yad bhi kare ki Mahasabha ki baithki men Secretary ke parishram o julum aur sahas ka prashansa bishesh patr se kiya gaya. Parhiye jo baten Dissenter logon ke bishay men Commission ke phaisla men likhi gai hain! Udas ki bat hai,ki darkhast men 'doshidar' shabd phir milta hai. Jinko darkhast denehare 'doshidar' kahte hain unke malik log Mahasabha ke samne apna dosh man liye. Is karan se unka dosh ksama kiya gaya hai,age doshidar nahin hain. Kya Lutheran Mandli ke bhai log bhul gaye ki pap ksama kis ko kahte hain aur us ka gun kya hai ?

Pyare bhai logo! Commission ke sab ang,Indian,European,American ek mat hoke phaisla aur sipharison ko likhwaya - un ki phaisla man se grahan karna chahiye! Bahut bahut log gat sal ke antim mahinon men man se binti prarthna kiya karte the ki Iswar Commission aur Director Stosch ke manon ko chalawe aur unki aguwai kare. Kya Ishwar ne binti ko na suni Nischay suni. Yadi ham yah biswas karte hain ki ham logon ki binti par Iswar malik logon ke manon ko chalata hai aur sari sachai lon marg batawega to ham kaise kahenge ki anyay ka phaisla hai ?

Commission aur Director Stosch ke kam se Lutheran Mandli ko ausar mila ki naye man se aram karen. Ham sab ke sab Iswar se binti karen! He Prabhu mujhe naye man ko dan kar kya jane Iswar dusri ber aisa suausar dega ? Mandli ke sab bhai bahinon se ham Berlin Board ki yah arji hai ki sab bairta chhor dijiye! Man se ksama kariye aur ek dusre ko pyar kariye.

Iswar ki asis unpar hai jo Yishu Masih se ksama pate hain.

Yisu Sahay !

Berlin Board ke ang!

Sd. Walter Richter Reichhelm
Chairman.
(2)Sd/- Forzard.
(3)Sd/- A. Brusau
(4)Sd. H. Roterberg
(5)Sd. D.E. Vits.
(6)Sd. Th. Elster

(7) Sd. K. Foertsch
(8) Sd. J. Elster
(9) Sd. H. Beenken
(10) Sd. Lokies
(11) Sd. J. Stosch.

18/4

ls

Lucknow
16-4-36.

[illegible],
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] 2.4.36 — [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] से
[illegible] रहे। —

[illegible]
[illegible] हाज़िर होता है
और [illegible] से
हैरान [illegible]

Church Council
10.4.36

INDIA POST CARD

WRITING SPACE

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

ADDRESS

INDIA POSTAGE
THREE PIES 3P

INDIA POSTAGE
HALF 1/2A ANNA

13 APR. 36

To,

The Secty.
Lutheran Church Council
Ranchi

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

-----------oOo-----------

No: 234/36/F.-9.

Dated Ranchi, the 5th. May, 1936.

Manyawar Padri Suleman Kula ap ko malum howe ki ap ki chitthi Latakel ke golmal ke bare mili aur Council men yah bichar hua ki ek Commission bhej kar wahan ka golmal saphai kiya jawe. Commission ke member Mr. Surin, Mr. Kandulna aur Rev: S. Kula chune gaye hain.

Ap is ka bhi phikir kijiye ki wahan ka us jhagre ke nisbat jitne kagjat yadi ap ke pas hon to ap purn Council baithki ke samay lete aiye bahut sambhaw hai ki purn Council ke bad hi ham log wahan jayenge aur kam karenge.

Ap ka bishwast,

L. Kandulna.

Ranchi 5-3-36

Sriyut Manywar Secretery babu P. Kandulna
ko mera Yishusahay hove

Main ap ko janata hun ki Mareha ka kam khatam karke ap donon wakil Soreng ke Sath Takarma men Thaharige jati chahe ate wakht Takarma men ek golmal ek byabhichari Mandli baharwale ke bare hai we mere pas aj hi aye the Main unko bola ki kamisan Khutitoly ja rahe hain unhi log janch karenge. So miharwani karke jake janch kijiye main unka darkhast bhi bhej deta hun.

Kujur

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI
Ta: 4 March, 1936.
----------oOo----------

KAM KE LIYE BOAS BHENGRA KI DARKHAST.

Babu Boas Bhengra ko likha jawe ki is samay Church Council ko koi aisa kam nahin hai ki de sake. Usko yah bhi likha jawe ki wah Padri Schibe saheb ko likhe agar we unko Pracharakon ke Class men bahal kar saken. Uske bad kisi kam ka umed ho sakta hai jaubhi kisi kam ki pratigya nahin dii ja sakti hai.

Memo nos:57-58/36/F.-9.

Dated Ranchi, the 7th. March, 1936.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 4th March, 1936 forwarded to the Rev: M. Schiebe and Boas Bhengra for information.

Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Received 18.2.36
No. 436
Date 12.2.36
File 9
Reply No.
Date

श्री श्री डा: श्री युक्त महामान्यवार प्रेसिडेन्ट एम. केरशिश लूथेरान मिशन हाता रांची।

महाशय,

मेरी ऐसी दीन अर्जी है कि मैं टकरमा स्कूल में १९३२ ई० में मिड़ल इंगलिस पास किया हूं। उसके पीछे मैं नौकरी के लिए एम० प्रेहन से १९३३ ई० में पूछा। प्रेहन साहेब बोले कि अभी हम लोगों के अधीकार में मिशन नहीं है। इस लिए अब मैं आप से फिर अर्जी करता हूं। कि हम को जरूर ही कहीं नौकरी मिशन में या बाहर में दे दीजिये। अगर जहां ही हुक्म हो जाने को तैयार हूं। मुझ को मेरा चाचा सब सिखाये पढ़ाये। अब मैं अपने से कुछ कर नहीं सकता हूं। चारों ओर जाँच किया। लेकिन पत्ता नहीं लगा। इस लिये मैं आप हीके पास जाता हूं। क्योंकि अब मिशन तो आप लोगों के अधीकार में आ गया। सो अब तो मिलने की आशा है। और आप तो पिता हैं। मेरी आशा है कि पिता को मांगने से जरूर खाना मिलेगा।

इसका हाल खबर ठीक ठीक जरूर भेज दीजिये। और मेरी ऐसी दीन और नम्र अर्जी को ग्रहण कीजिये।

आप का आज्ञाकारी शिष्य

Dated 12-2-36 Sora

Boas Bhengra (Village) Sora
P. O Lachragarh. Dist Ranchi
mine Adress is this way
Boas Bhengra (V.) Sora
C. O Head Teacher Bano School
P. O Lachragarh Dist Ranchi

To

prasident mo kerasise

Lutheran misson, compound

Ranchi. Dist Ranchi

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARYYABIBRAN.
Ta:11 January, 1936.

-----------oOo-----------

60. Director Stosch saheb ne Miss Storim ke bare yah kaha ki kai karanon se we unko (Miss Storim ko) Gumla ya Govindpur bhejne men sandeh karte hain so we unki ichchha par chhor kar kahen ki jahan we rahne ko sahas karti hai wahan Mr. Kerschis aur Khajanchi se bat bichar kar jawe.

Memo nos: 625-27/36/F.-9.

Dated Ranchi, the 22nd. January, 1936.

Extract copy from the Minutes of the full Church Council of 11th January, 1936 forwarded to Revds: M. Prehn, M. Kerschis and Miss Storim for information and guidance.

Secretary,
G.E.L. Church.

BOARD OF TRUSTEES OF THE G. E. L. CHURCH PROPERTY, RANCHI.

SUCCESSORS TO

THE MISSION TRUST OF NORTHERN INDIA

Administrating the former G. E. L. Mission Properties

(Incorporated under Act IX of 1921)

Fth

Honorary Secretary & Manager :—

D. M. PANNA, Esqr., B. A.,

Deputy Magistrate & Deputy Collector.

Purulia, Manbhum.

Ref. No. 28/35 *Dated* 31st January 1935 .

Church Council

Received 23.2.35

Register No. 625

Date 31.1.35

File 9

Reply No. ....

Date ....

Rev. M. Prehn,
G.E.L. Church ,
Ranchi .

Dear Mr. Prehn,

The report of the Church Council Commission on the Takarma Corn Bank dated 15.1.1935 has been duly received by me and I must thank you for the interesting report .

I feel that because of the qualifications of the local Indian Church workers it is not possible that the Bank would be run by them on business methods . We can not help it . The Commission has recommended the posting of a Missionary for a while to reconstruct the Bank .I welcome the recommendation and wish that one Missionary could be spared soon for the job .Any delay will make the reconstruction work ,difficult at present , more difficult in future .

In case a Missionary be not available ,I would suggest that the Takarma corn Bank be run from Ranchi itself by the Church Council Property Committee . In that case the services of Mali will be available . He will visit Takarma ilaka onee or twice a year for the purpose of realization. Any new loan from the Bank will be granted from Ranchi ,so that in case of any legal action necessary it will be easy to proceed in court .

If the office of the Bank be at Ranchi ,I propose that we may ask the Board of Trustees to invest some money in the Bank so that we may be able to extend the Bank's operations further ,and make it not a Bank for the Takarma Ilaka alone but for the whole Church .

I feel strongly that if it is found difficult to post a Missionary soon to Takarma even for a while ,the office of the Bank with all its registeres ,furniture etc. be brought to Ranchi ,and Mali and Daud Babu will do the office work under our directions .

I think the report that you have sent me is a copy ,and not the original ,and so I have kept it with me .

Yours sincerely ,

D. M. Panna

Report of the Church Council Commission inspecting the the Takarma Corn Bank.
14-15. I. 1935.

The Commision, consisting of Messrs N. Soy and M. Prehn met with the staff of the Takarma Corn Bank on the 14. and 15. January 1935 at Takarma. Mr. Th. Surin could not accompany the commission.
Present in Takarma were 42 from Takarma, 11 from Jonhatoli none from Konsode, none from Bongram, 7 from Kolibira 4 from Jaldega, 5 from Itam Loyonkel, none from Tati 2 from Siunathpur 2 from Saidpur. Total 83
from the Bank Staff : the Chairman Rev Sul Kula.
N. Topono, Secretary
J Topono Master, Treasurer.
P. S. Aind absent
A, Fritz absent
Yus. Bhengra Director
Nath, Tutti, Director.

Catechist Yusaph Bhengra reported at first on the begin of the Bank consisting of Prabhuprit money and Rs 2000 private capital of Rev. Eidnaes.
Till 1919 the Bank was under the management of Mansukh Manki, Yusaph Bhengra, Junas Topono and P.S. Aind.
After this the business was taken out of the hands of these four and was handed over to Patras Kandulna and Joh. Topono, pastors.
Rev Joh. Topono was at that time local pastor in charge of Takarma.
Reason of the change was some disaffection against Yusaph Bhengra's work. Still the Rev. Joh. Topono kept him on as his munshi.
Although the Bank had grown up to 1919 from about Rs15000 to Rs 18000 at that time also a number of people were much in arrear with their refunds.
Since 1919 the Bank was more and more decentralised. People understanding that the German Missionaries would never return as they were told thought they could do with the money according to their own sweet will. They thought themselves independent and so control was slowly lost.
Books were not kept in proper form. There was a list of debtors, there was also a cash book, but there was no ledgers and the amounts refunded were entered in the Cash Book only but not under seperate accounts of the debtors. So it is difficult for the Bank from its books to show who ~~and how much~~ paid and how much and when. Receipts were issued only on loose forms, no duplicates were kept.
As none really earnestly undertook the realisation work, the debtors kept quiet and by and by debts became time barred.
1930 an attempt was made by Mr D.M. Panna to revive the Bank. Under his instruction the loan register was rewritten and brought up to date as many of the loans given out in the various congregations were not booked in the main register, kept in Takarma.
Loans up to Rs 10000 were traced up, acknowledged by the debtors signed or stump impressed. A great number of debtors, especially also non-christians refused to reacknowledge their debts knowing they were timebarred. This bad example has weakened the new attempt, as others also seeing that no legal steps were taken or could be taken against the defaulters, becameobstinate and refused to refund.
1930 Boas Manki Candidate wasput into realisation work. Through him a good number of refunds have been collected 1931 48 entries and 1932 97, out of which 33 were made by people after Boas' discharge 1933 were only 14 entries made 1934 ~~none~~ two. since then nothing.
This shows that after the dismissal of Boas Babu the Bank work was again greatly neglected. It was put into the hands of the catechists. And everyone could have foretold, what will be the effect. They were powerless to realize money. Only strong hands could have achieved something. Takarma and some of the greater district branches have tried to make new efforts. At least new books were introduced as a ledger and a receiptbook with duplicate forms. This latter only in Takarma. But only good books do not mean much, as long as work is properly done. The amounts reallized are in the receipt forms, but in the ledgers ~~are the~~ entries are not made sinde years. So the old defect is again restarted. Who after long time will find mind to enter all these old items.. A number of receipts of 1934 are still without date and signature and the duplicates are not handed over to the refunder.
According to the register kept in Takarma there must be in store 105 mds of paddy and in the hands of the Treasurer must be Rs 23 9 0

The reason of the downbreak of the Bank weakness of the staff to handle the very confused situation of the Bank and to break the passive resistance of the members.
Negligence or ignorance in matters of accounting and bookkeeping.
No control or audit (books are declared by auditors as inauditable and the commision can only confirm this)
Illwill of the defaulting mmbers, hoping that the whole matter will be dropped (remarks to this effects were made to Rev. Prehn even giving an instance of a very influential personality)
Independance of variuos congergations ,which develop a very strong spirit of nonccoperation (wrong apprehension of Autonomy)
Decentralisation of Organisation.

Recommendations for the restoration of the Bank :

1) a strong Central Office with aclerk to keep the books up to date and to travel about for realisation and instruction business.
2) all offices (central as well as branches)must have their proper registers and receipts,(at least sash register and receiptbooks which are to be brought to Central Office for entries in the Main register.
3) All branchesmust be visited at least once from the Central Office for the purpose of inspection and propagation of a better spirit of cooperation.
4) no branch must be allowed to store up reallized paddy or money. Paddy must be sold as soon as possible and money must be centralized in Takarma
5) no branch is allowed to give loans of its own accord without previuos sanction from the Centre.
6) People must learn that the Bank is not their private enterprise but is a congregational matter to serve the congergation but not the individual (enrichment) -
7) Money realized is to be put on a Saving Bank Account with the Post
8) Loans given must be limited to about Rs 5- - or 10-- and must only be given to such who faithfully fulfil their obligations to the Bank
9) Kists musts be fixed and carefully be observed.
10) If possible a missionary should be placed at Takarma for a while to reconstruct the Bank by visiting the district there and trying to persuade the people to stand for their loans andso to revive the Bank.
11) If necessary against some defaulterers who reacknowledged their debts but do not care to pay even some amount towards refunds legal steps should be undertaken.
12) To all, that refund their debts faithfully and according to their abilities (under sacrifices) the whole amount of interest should be written of the moment they have paid off their principal. All, that show no or not much effort to do away with their debts the interest will be fully charged and if necessary realized by legal steps

Ranchi the 19-1-1935.

Commissioners C.C. G.E.L.Church

N. Sry 1-2-35

A. Prehn 1.2.35.

Church Council
Received 1.2.35
Register No. 562
Date 29.1.35
9
Reply No.........
Date.........

31/1/35

~~तलतकेल~~
तारीख ३रा जनवरी १९३५

To

The Church Council" Secretery

Through the Ilaka Chairman

~~महाशय~~

मैं आपका सेवक आप के चरणों को चूमता हुआ और आप पर भरोसा रख कर आप के साम्हने निम्न लिखित बातों का उचित विचार किया जाने को पेश करता हूं।

कि महाशय आपने अपने सेवक पादरियों का तनखा उनकी सेवकाई की लम्बाई के अनुसार बृद्धि कर दिये हैं।

अर्थात जब किसी पादरी की सेवकाई २० बरस हो गया है तो उसको ३०) रुपैये से बृद्धि कर ३५) रुपैये माहवारी कर दिये हैं।

उसके अनुसार आप के सेवक मुझ बेचारे की सेवकाई १९१४ ई॰से – १९३४ई॰तक २१ बरस हो गया है।

इस लिये हुज़ूर मालिकों से मेरी अर्जी है कि कृपया उचित विचार कर मेरा तनखा को बृद्धि कर दीजियेगा।

मैं आशा करता हूं कि मेरा तनखा को बृद्धि करेंगे।

जिस के कारण धन्यवादी बना रहूंगा ॥

आप का विश्वस्त सेवक
दाऊद केरकेटा
तलतकेल पादरी

Recommended by the Ilaka on -11-1-35- for the increment of the pay of said Pastor & oblige
Rev. [signature]
29/1/35

Church Council
Received 14.12.34
Register No. 492
Date 12.12.34 Ref. No.
File 9.
Reply No.

File

D. M. PANNA Esqr., B. A.,
Deputy Magistrate & Deputy Collector.,
BIHAR & ORISSA.

Purulia,

The 12th December 1934.

Forwarded to the CC f. consideration and action

Rev. M. Prehn,
G.E.L. Church,
Lutheran Compound,
Ranchi.

Dear Mr. Prehn,

You will remember that I have written to you more than one letter regarding the Takarma Corn Bank, but I am sorry to find that no report promised by Rev. S. Kula has been received by me yet. Lately you had been to Takarma, and you must have learned something about the bank.

Is the Church going to lose an income of Rs.1000/- or more annually by neglecting the Takarma Corn Bank? The Church Council cries for money and for more money, but if it neglects the sources of its incomes how can it expect monetary help from outside. If the Church Council is not faithful to what it has been entrusted with, however little it may be, how it can expect that greater things will be entrusted to its responsibility?

Can the Church Council, or rather its Executive Officers, not consider the matter of the Takarma Corn Bank?

Yours sincerely,

D M Panna

Church Council
Received 6.7.34
Register No 155
Date 2.7.34
File 9
Reply No
Date

श्रीयुक्त महामन्यवार,

चर्च कौंसिल,

जी० ई० एल० मिशन,

रांची।

महाशय,

आप को मुझ टकरमा इलाका के चोरबिन्धा मंडली के खस्त हरदुग्रान डांग के ओर से दीन अर्जी ऐसी है, कि मेरे गैर हाजरी में खुटीटोली इलाका के बोम्बोल केरा मंडली का योहन बुध के साथ मेरी स्त्री रहिल को टकरमा का पादरी सुलेमान कुला १६-५-३३ में छिपा के शादी कर दिया। शादी के समय लड़की रहिल अपने साथ में मेरे अनेकों कपड़ा आदि चीजों को भी लेते गई। इसके बिषय में मुझ को मालूम नहीं था। पीछे शादी के पांच दिन बाद मुझ को हाल मिला कि मेरी स्त्री दूसरे पुरुष से शादी हुई औ मेरे अनेकों कपड़ा आदि चीजों को भी साथ में लेते गई। तब मैं क्रोधित होके उन दोनों पुरुष स्त्री के पास चिट्ठी लिख भेजा कि वे मेरे चीजों को लौटा देवे। पर मेरे चीजों को लौटाने के बदले, वे मेरे बिरुध पंच पढ़ा किये। जिसमें टकरमा के परिस सभा के कई एक मेम्बर भी सामिल थे। पढ़ा पंच तरफ-सानी होके मेरे पिता को परिवार सहित देश बहार

P.T.O

किया औ इज़त बरबाद करने के लिये पढ़ा पढ़ा में चिट्ठी काटा। उसके पीछे मैं फिर दूसरे पढ़ा में अपने इज़त रक्षा के लिये आपिल किया। पर आपिल पढ़ा भी तरफसानी होके मेरे पिता को 50) पचास रुपैया लूट लिया, और मेरी स्त्री को भी ले लिये, बाद मुझ को मंडली से भी निकाल दियेह।

इस लिये मैं चर्च कौंसिल के पास, अपने धर्म का अगुआ, मां + बाप और मंडली का सिर जान कर, आप के कृपा चरण मे गिरके, आगे अदालत बढ़ने के पहिले अपना दुःख सुना चाहता हूं, और ऐसी अन्याय से मुक्त पाने के निमित्त यों दोहाई करता हूं, कि कृपा करके इसके बिषय मे जांच और बिचार किया जाय।

आप का कृपा आकांसी

खृस्त हरदुगन डांग

गांव - चोरबिन्धा

पो० ओ० - कमडारा

रांची।

चोरबिन्धा।

२ जुलाई ३८।

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI
Ta: 19 December, 1934.
----------000----------

TAKARMA CORN BANK.

Mr. Panna ki chitthi tarikh 12-12-34 Takarma Corn Bank ke sambandh ki parhi gai. Rev: M. Prehn, Mr. N. Soy aur Mr. Th. Surin January 14 aur 15 ko Takarma ke liye Commission hoke jawen aur Corn Bank ke liye tadaruk karen.

Memo nos: 811-13/34/F.-9.

Dated Ranchi, the 20th. December, 1934.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 19th. December, 1934 forwarded to the Rev: M. Prehn, Mr. N. Soy and Mr. Th. Surin, for information, guidance and compliance.

Secretary,
G.E.L. Church.

657/34/F.-9.

16 November, 34.

Rev: S. Kula,
Lutheran compound,
Takarma.

Piyare Padri Babu Suleman Kula ap ko mera bahut Yishusahay!

Main ap se ek bishesh bat ki arji kar raha hun. Main ne in dinon men kaiek janon ke munh se suna ki Babu Elias Topono C.P. jane ke pahile Takarma men master rahte huwe mandali se nikala gaya tha. Suna hun Ithe ke Barnabas Aind ki beti ke sath athwa kisi dusri larki ke sath byabhichar ke karan mandali se alag kiya gaya tha. Kadachit purane Pracharakon se arthat Babu Yusaph Bhengra Pracharak se janch karne se ap sal tarikh ka pata laga sakenge arthat pukar Bahi se pata lag jayga athwa dusron se bhi sabut pa sakenge. Yadi pukar Bahi men ho to uska nakal athwa tadaruk dwara jo sabut ho uska lekh mujh ko shighr bhejiye. Yadi mandali men phir grahan hua hai aur yah bhi bahi men darj hai to iska nakal bhi bhejiye. Agenda men ap is bishay ko dekh sakenge so yah bahut darkar hai. Mujh ko bataya gaya hai ki wah mandali se nikala gaya aur kabhi punargrahan nahin hua hai. So ap isko Very Urgent jan ke turant likh bhejiye.

Age shubh,

[signature]

Church Council
Received 29.11.33
Letter No. 444
23.11.33
9
Reply No. 70
Date

29/11/33.

The Secretary Lutheran Church Council
Ranchi

From — Rev. Skula — Takarma — Baria — Ranchi.
23-11-33.

Mahasay
Ap ke upasakay.

Main ap ko ap ki Chithi No. 18/33/F-9. Dated 24-May 1933. per akarsit kar arj karta hun ki kripa kar Suleman Lugun ke sadi ke bare jaldi C.C. ka phaisla sanaiyo. Ukt jaw mujhe C.C. ke phaisla ke liey lang kia hua hai.

Ap ke agyadhin das.
Rev. Skula 23/11/33.

Church Council
Received 29.11.33
No. 446
25.11.33
9
Reply No.........
Date.........

29/11/33

To
The Secretary Lutheran Church
Council Ranchi

From Rev. S. Kula Takarma 25-11-33.

Mahasay.

Ap ko Jysahay.

Ilake me patras Lurin Garubera ki darkhast par bichar kar chi nipṭara kia ki Patras Lurin ka darkhast jonta toli Mandli panch ko 7 ~~Lato~~ Swalong ke sath lauta di jay aur panch apna ray usr Lavalon per dewe. phir patras Lurin ka darkhast aur jonta toli ka jabab ~~Lomboi~~ Church parish jaban per larki ka nahi kar hai ray ke liey bhejā jay. So Ilake ne padri ke dwara aisahi kia aur seh jagah ka ray nathi kar C.C ki kripaya ray ke liey bhejte hain.

So meharban C.C. patras Lurin ki darkhast per bichar kar Ilake ko ~~jabab~~ hukum dene ki kripaya karegi.

Ap ke agyadhin das.

Rev. S. Kula Takarma

25-11-33.

महाशय

श्री पुल्क महामनेवर जोन्हा टोला मराङ्ला के प्रचारक प्रचिन्ह लो पांचगन भाइयों को ईशम स्वारू बेड़ा के लोवेद लौर मुकता के बेरो पत्तरस सुरिन का प्रेम साथ प्रभु सहाय होवे

महाशय गानों को मेरा बेचैन लो तकलीप को कुदशा वाधन कर सुनाता हूं कि मेरा शादी चुरदाग के जुमुबा लौर फुलारी की बेटी फुलमानी मुंड्यां के साथ लाता केल मे हुला था शादी होकर वह मेरे साथ साल भर भी ठीक से ने रह कर वह भोरंग भाग गई लाभी ~ बाबी हो गया उस को कुछ पात्ता ही नहीं है . . . लाब महाशय गानों को मुझ दीन ताबेदार के लोर से दरखशत देकर लाजि है कि भाबिष मे मुझ को क्या करना है इसी बोतों का मराङला पांचों से राय लौर सालहा बुझना चाहता हूं उन के राय सला हा में ताबेदार को रहने की पूरी इच्छा है इस लिये कृपा कर के महाशय गान प्रेम से सिफारिश करे

२५।। परस्स
सुरिनी
व: क: कतीप

व: क: दानियल
लुगुम पत्तरपुंआ
२४-४-३३

१. कब शादी हुई ? पतरस कुरिन-इराम को
फुलमनी मुईयां की शादी ता: २६-२-१९२९ ई.
लताकेल-गिर्जा में हुई।

२- किसने शादी दी ? पादरी बाबू मनसिद्ध रेमरोम-
ने शादी दी।

३ शादी के बाद उनका रहन सहन कैसा था ?
शादी के बाद उनके बीच में एकदम-निप्रेम था-

४. लड़की कब चली और कहां ? लड़की केवल-
१९२५ ई. में अकेला-रहकर दूसरा लड़का के साथ-
आसाम भूटान-चली गई।

५- लड़का का-वा लड़की का दोष था ? लड़की का-
पूरा दोष था- कारण कि लड़के को बढ़नी से
काटती थी और पत्थल से भी मारती थी और
दांत से भी लड़के को काटती थी।

६ आज लड़की का-भागा हुआ-कितना दिन हुआ ?
लड़की का भागा हुआ-२ बरस हो गया-।

७- लड़की का कुछ ठिकाना-खत वगैरह आता है
कि नहीं ? लड़की का-कुछ ठिकाना खत
नहीं आता है।

जोन्हारोली मराङली पंचों की सिफारिश—
मराङली पंच उपरोक्त अंकित-७ सवालों पर
संक्षेप करके यह निपटारा करती है कि अपने
पंच हैसियत पर इलाका चेयरमैन-के पास-
यह निवेदन करती है कि वे भी लड़के को
भविष्यत में क्या करना है चेयरमैन की हैसियत
पर सुपरिमर्स दे सकते हैं।

Immanuel Bage
Itam.
24.4.33.

Yakub Bage
Catechist.

Daniel

[illegible] Council

15.1.3[illegible]

INDIA

POST CARD

479
16.12.33

RANCHI 18 DEC 33 12

INDIA POSTAGE

NINE PIES

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

[illegible]

લિ: [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

પો. ઓ. - [illegible]

[illegible]

To,

The Secretary.
Lutheran Church Council
Ranchi.

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER

Kaamrova
Baripada
16-12-33.

Fehlt

महाशय, पत्र- का लिखना- का- मुझ परितापक
का- बहुतर पीड़ा पहुँचाया/
साल- से ज्यादा- हुआ कि- मुझे फिर न सादी
पाते ~~सेने~~ का- परिवार- आप लोगों के पास- रहा
के द्वारा लिखा- और जवाब- न पाते थे-
मैं- पत्री. S. Kula- के- द्वारा- फिर से- रवाना
तक- याद दिलाया- पर आपका- लोगों मुझ पर
~~तोकों~~ आप लोगों- से- कोई जवाब-नहीं
मिला- मैं तो- आशा- करता था- कि- आप
लोग- जरूर मुझे- हाल- देंगे- उस में जो होता
था- आप लोगों- हाँ- वा- नहीं. मुझे कोई बात
की खबर-नहीं है/. सो मैं निहायत ही
दुःखित- हूँ/. और दुःख- से मैं यही
अनुमान करता- आप- लोगों ने लिखते इसका
कारण है कि इस महीने- के- अंत मुझे
इसका- जवाब- जरूर मिले- नहीं तो
मैं आप लोगों से ऐसा बर्ताव करूँगा-

सो- मुझ पर- दया करके- पत्र
जल्दी- दीजिये — मैं बहुत ही

Office
Let me see this
memo. ~~Att.~~
27/3/34

Baribiringa Parish
From Kanaroawa
24-3-34

To The Lutheran Church Council
Ranchi ko yishusahay

Mahashay,
apko yahi jante hain ki
Memo no. 643-44/34/F.-9 ka kya phaisla
hua kripa kar is ka khabar dene ki
kripa karenge. apka bishwast
Sewak
Rev. [illegible] Bage

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

NINE PIES

RANCHI
DELY.
MAR. 34
2 30 P.M.

Church Council
Received 27. 3. 34
Register No. 813
Date 24. 3. 34
File 9
Reply No.
Date

To, The Secretary
Lutheran Church Council
Ranchi.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM
CHURCH COUNCIL KE KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 14 December, 1933.

---------oOo---------

11. PATRAS SURIN KA BIWAH-BICHCHHED.

Takarma Ilake ke Kanaronwa ke Patras Surin ka darkhast tatha Ilake ka tadaruk report ityadi parh kar sunaye gaye. Phir yah bhi malum hua ki chhor kar bhagi x hui stri abhi Assam men jiwit hai aur apne bartman purush ke sang is desh men laut ane wali hai. Sab prakar ki dasha par soch kar yah sthir hua -

SANKALP: Ki Patras Surin ke sambandh men jo kagjat Council men aye hain purn Council men phaysla ke liye rakha jay.

Memo No. 643-44/34/F.-9.

Dated Ranchi, the 9th January, 1934.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 14th December 1933 forwarded to the Rev: S. Kula & Mr. P. Surin for information.

Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARYYABIBRAN.

Ta: 14 February, 1934.

---------oOo---------

PATRAS SURIN KA BIWAH ANUMATI.

Takamma Ilake ke Patras Surin ki darkhast tatha tadaruk ke kagjaton ke bishayon par dhyan diya gaya. Patras Surin sadi ki anumati chahta hai parantu uski biwahit stri ab tak jiti hai. Is dasha par Council apsos karti hai -

SANKALP: Ki Council ain anusar uski biwahit stri ke jite ji sadi lene ya pane ki anumati nahin de sakti hai parantu yah sipharish karti hai ki uske liye tyagpatr pake sadi karne ka marg saph se khula hai.

Memo Nos: 835-36/34/F-9.

Dated Ranchi, the 15th. February, 1934.

Extract copy from the Minutes of the full Church Council of 14th. February, 1934 forwarded to the Rev: S. Kula & Babu Patras Surin for information.

G.E.L. (AUTONOMOUS) CHURCH
RANCHI.
CHOTANAGPUR & ASSAM

Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
CHURCH COUNCIL KE KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 14 December, 1933.
-----------ooo-----------

11. PATRAS SURIN KA BIWAH-BICHCHED.

Takarma Ilake ke Kanarohwa ke Patras Surin ka darkhast tatha Ilake ka tadaruk report ityadi parh kar sunaye gaye. Phir yah bhi malum hua ki chhor kar bhagi hui stri abhi Assam men jiwit hai aur apne bartman purush ke sang is desh men laut ane wali hai. Sab prakar ki dasha par soch kar yah sthir hua -

SANKALP: Ki Patras Surin ke sambandh men jo kagjat Council men aye hain uka nakal Council ke angon ke pas bheja jay aur unki ray lii jakar agami purn Council men phaysla ke liye rakha jay.

Memo Nos: 660-72/34/F.-9.

Dated Ranchi, the 11th. January, 1934.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 14th December 1933 forwarded to all the members of the Church Council for information, guidance and compliance.

Secretary,
G.E.L.Church.

True Copies.

25-11-33.

To,

The Secretary, Lutheran Church Council, Ranchi.

From, The Rev: S. Kula, Takarma.

Mahashay

Ap ko Yishuhay. Ilake ne Patras Surin Sarubera ki darkhast par bichar kar ehi niptara kia ki Patras Surin ka darkhast Jonhatoli Mandali Panch ko 7 sawalon ke sath lauta di jay aur Panch apna ray un sawalon par dewe. Phir Patras Surin ka darkhast aur Jonhatoli ka jabab Churda Parish jahan par larki ka nahihar hai ray ke liey bheja jay. So Ilake ne Padri ke dwara aisahi kia aur sab jagah ka ray nathi kar Church Council ki kripaya ray ke liey bhejte hain.

So meharban Church Council Patras Surin ki darkhast par bichar kar Ilake ko hukum dene ki kripaya karegi.

Ap ke agyadhin das
Sd/- Rev: S. Kula, Takarma.
25-11-33.

Mahashay

Shri yukt mahamanyawar Jonhatoli mandali ke Pracharak Prachin o Panchgan bhaiyon ko Itam Sarubera ke Obed aur Mukta ke beta Patras Surin ka prem sath Yishusahay howe.

Mahashay ganon ko mera bechain o taklip ki kudasha bayan kar sunata hun ki mera shadi Churdag ke Jushwa aur Dulari ki beti Phulmani Bhuinya ke sath Latakel men hua tha shadi ho kar wah mere sath sal bhar bhi thik se na rah kar wah Bhotang bhag gai abhi 8 barss ho gaya us ka kuchh pata hi nahin hai ...... Ab mahashay ganon ke mujh din tabedar ke or se darkhast de kar arji hai ki bhawishya men mujh ko kya karna hai isi baton ka mandali Panchon se ray aur salah bujhna chahta hun un ke ray salah men xxxxxx tabedar ko rahne ki puri ichchha hai is liye kripa kar ke mahashay gan prem se sipharish kare.

Sd/- Daniel Lugun, Patarpunji. Sd/- Patras Surin.
24-4-33.

1. Kab shadi hui ? Patras Surin Itam o Phulmani Bhuinya ki shadi tarikh 16-2-1925 Latakel girja men hui.
2. Kisne shadi dii ? Padri Babu Mansidh Hemrom ne shadi dii.
3. Shadi ke bad unka rahan sahan kaisa tha ? Shadi ke bad unke bich men ekdam nishprem tha.
4. Larki kab chali aur kyon ? Larki kewal 1926 men akela rahkar dusra larka ke sath Assam Bhutan chali gai.
5. Larka ka wa larki ka dosh tha ? Larki ka pura dosh tha karan ki larke ko Baithi se katti thi aur Pathal se bhi marti thi aur dant se bhi larke ko katti thi.
6. Aj larki ka bhaga hua kitna din hua ? Larki ka bhaga hua 8 baras ho gaya.
7. Larki ka kuchh thikana khat wagairah ata hai ki nahin ? Larki ka kuchh thikana khat nahin ata hai.

Jonhatoli mandali panchon ki sipharis -

Mandali Panch uprokt ankit 7 sawalon par sankalp karke yah niptara karti hai ki apne Panch haisiyat par Ilaka Chairman ke pas yah niwedan karti hai ki we bhi larke ke bhawishyat men kya karna hai Chairman ke haisiyat par suprамarsh de sakte hain.

Sd/- Yakub Bage, Catechist.
Sd/- Paulus Prachin, Jonhatoli.
Sd/- Daniel Lugun.
Sd/- Christcharan Jonhatoli.
Sd/- Christsahay Dang, Jonhatoli.
Sd/- Martin Lugun, Patarpunji.

Sd/- Immanuel Bage, Itam.
24-4-1933.
Sd/- Christopal Bage.
Sd/- Yusaph Jonhatoli.
Sd/- Jaymasih Surin.

Churdag.
2-10-33.

Rev: S. Kula ke Yishusahay-

Main ap ka bheja hua chitthi adi paya aur kul hal malum hua. Main jaisa larki ke taraph se janch men jaisa paya likh bhejta hun.

Main ukt sat sawalon ke jabab likhit anusar janch kiya. Pahila dusra tisra panchwan chhatwan ke sawal jabab thik hi hai chautha sawal jabab par kuchh khol ke janata hun ki larki Ratnanda ke Daniel Dang ke sath jo un samayon men yahan dhangar tha phans gai. In ke bare ganw men baithki bhi hui thi. Larki ka tin mahina ka garbh tha ye donon baithki ke rat hi ko Assam bhag nikle. In ka bhagna 1926 ke lag bhag November mahine men hua.

Satwan sawal ke jabab par yahan ke panch o(pita gar hajir tha mahiman gaya hai)larki ki mata ne bataya ki pandrah din bitta hai ki unka ek chitthi aya tha jismen we apna hal chal likh bheje the. We ek sath rahte hain donon jite hai. Unke pas do balak the ek mar gai ek balika ab tak jiti hai. Daniel Dang apne bhai Daud ke nam se likha tha jo Ratnanda men rahta hai aur apne bhai se ganw laut ane ka ray puchhta hai. In sab baton ka janch yahan ke Prachin Samuel, Jaymasih Bhengra aur Juel Bhuinya ke sath kiya gaya.

Jyade shubh -
Ap ka sangi karmachari.
Sd/-Rev: N. Bage

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARYYABIBRAN.
Ta:21 September, 1933.
-----------oOo-----------

9. KANDIDATON KA PADABHISHEK.

Kandidaton ki Padabhishek sambandhi ray jo mandaliyon ke padriyon se aur ka Ilakon se ai thi so Council ke samhne President se parhe gaye aur un par batchit hui aur yah niptara hua -

SANKALP:(kh) Ki Kandidat Suleman Bage ka padabhishek Ranchi ke girje men nahin parantu dihat arthat Out-Station ke girje men howe jahan wah kam karega.

Memo No: 378-79/33/F-9
Dated Ranchi, the 3rd. October, 1933.

Extract copy from the Minutes of the full Church Council of 21st. September 1933 forwarded to the Rev. S. Kula & Suleman Bage, for information/guidance ~~and compliance.~~

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

69/33/F.-29.

3rd. July, 33.

Piyare Kula Babu,

Ap ko mera bahut 2 Yishusahay nitya howe.

Samachar, idhar ap ke kaiek chitthi milin par ap ko unka uttar dene men kaiek karnon se der hui. Main kuchh samay tak Ranchi chhor kar ghar bhi gharbari kam ke liye gaya tha.

1. Ap aur ek padri mangte hain. Council ki Karyyakarak Sabha ne jo bichar kiya hai so sankalp ap ko bheja jata hai. Is men President ka bishesh kam hai. Unka kahna hai do padri se bhi Takarma Ilaka ka kam chal jayga parantu Latakel ka padri kam nahin karne sakta hai, barabar bimar rahta hai. Usko badla chahiye aisa we kahte hain. Ap ka kya bichar hai ?

2. Malgujariyon ke sambandh men. Ap ko malum howe ki Council to sirph aisi jamin jagahon ko leti hai jinko wah amdani ke liye bandobast karegi. Par jaisa ap ka hata hai to uske liye Ilaka hi ko dena chahiye. Kripaya janaiye ki junglon se abhi bhi hamon ko kya phayda ho sakega. Gachhon ko katne ke siway kya jungle se kax koi bishesh phayda hai ? In junglon ka malgujari Council degi. Ap likhiye ham log ap ko yah malgujari bhej denge ki ham ap log yahan Maharaja ke Office men bhejenge. Bhala hai ap hi Tahshildar ko dijiye.

Ap se jabxxx jababi chitthi pane se ham chinta karenge ki ap ko malgujari mile.

Prem se,

Age shubh,

Secretary,

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI.
Ta: 26 June, 1933.
----------oOo----------

4. TAKARMA ILAKE KE LIYE AUR PADRI.

Takarma Ilake ke Chairman Padri Suleman Kula ne likha hai ki unki itni bari Ilaka ke liye 2 padriyon ka dekh bhal yathesht nahin hai kyonki uchitrup se charwahi na hone se logon ki bhari nuksani ka dar hai so unke Ilaka ke liye koi na koi Padri bhej diya jay. Is bishay par kuchh der tak batchit hui aur yah sthir ~~hua~~ kiya g aya.

SANKALP: (kh) Ki President ko yad dilaya jay ki Padriyon ki barsati baithki men jin Kandidaton ka Padabhishek hoga unko chhor jinko we yogya samjhen unke sambandh men Nirnayawali ke niyamanusar Ilakon se tadaruk karke Ministerium se bhi ray ~~kwax~~ lewen jisten barsat ke samay men yogya logon ka Padabhishek kiya ja sake.

Memo No: 61-62/33/F-9

Dated Ranchi, the 30th. June, 1933.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 26th. June, 1933 forwarded to the Rev: J. Topono & Rev. S. Kula for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

18/33/F.-9.   24th. May.   33.

Piyare Padri S. Kula,

Ap ko yishusahay! Ap ka 19-5-33 ka Post Card mila jismen ap Suleman Lugun ke bishay men likhe hain. Ap ko malum howe ki is ber arthat Conference ke pichhe ki baithki men full Church Council men sadi bishayak baten nahin lii ja sakin. Is liye abhi yah bishay agami full Church Council tak pending rahegi. Monsoon meeting ke samay yah bishay liya jayega so ap yahi hal abhi unko janaiye.

Yishusahay sath,
Age shubh,

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARYYABIBRAN.
Ta: 18 January, 1933.

----------oOo----------

11. BOAS MUNDU KI DARKHAST .

Takarmabasi Babu Boas Mundu ne darkhast bheji ki unka bhutkal ka dosh gunah chhama kiya jay aur unko kahin kuchh kam diya jay. Takarma Ilake ki sipharish bhi parhi gai. Bahut der lon uske bhut, bartman aur bhawishyat ke bishayon par dhyan diya gaya. Uske rit byawahar bhi bichare gaye. Ant men uske liye yah bhala paya gaya.

SANKALP: Ki abhi bartman men Babu Boas Mundu Takarma se Ranchi laya jay aur Kolpotiyar-Pracharak kam men lagaya jay jo kam wah sidhe Council ke adhin men hoke kare. Padri M. Prenn uske kamon ka dekh bhal kare. Usko abhi Rs 15/- mahina talab diya jay jismen se Rs 5/- uske purane rin ko bharne ke liye mahina kata jay.

Memo no: 1303-1304/33.
F. - 9.
Dated Ranchi, the 20th. January, 1933.

Extract copy from the Minutes of the full Church Council of 18th. Janaury, 1933, forwarded to the Rev. M. Prehn & Babu Boas Mundu for information and guidance.

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

Church Council
Received 16.1.33
Register No. 499
Date 14.1.33
File 9
Reply No. ....
Date ....

copy forwarded to C.C. for information.
Boas Babu.
11/1/33.

[signature] 16/1/33

To,

Lutheran Church Council Ranchi.
Through Ilaka Takarma

From

Boas Babu
Dated Takarma the 11th January 1933.

Mahashay,

Ap ko mera Yishusahay.

Main dintapurbak ap se binti karta hun, ki jo bhul chuk main ne kiya, usko kripa karke chhama kijiye aur bane to Mandli men kam dijiye. Ap ke is daya ke kam nimit main sada dhanyabadi hun. Ainde hajur hi malik hain.

Ap ke agyadhin sewak
Boas Babu
Takarma 11/1/33.

इलाका पंच का फैसला ।—

१४ 1/33.— इलाका पंच बोअस बाबू को सब दोष गलत को माफ करती है और उसके दरख्वास्त को सिफारिश करती है कि कौंसिल इसको कोई काम देवे।

J. O. Tiga
Secy
14/1/33

Rev. S. Kule
Takarma
14/1/33

Church Council
Received... ~~1095~~ 16.1.33
Register No. 474
Date.... 16.1.33
File... 9
Reply No............
Date..............

~~Sat~~ 16/1/33 F

To, The Church Council
Ranchi

From The Anusabha - Takarma.

Dated the 14th january 1933.

Mahasay.

Ap ko ysusahay.

Chum ki Takarma Ilake ke ander swapalan sambandhi jos pahunchane ki nihayat jaruri hai - So Council se arj ki jay ki wah apne 2 membaron ko bheje ki we Ilake ke ander bhir 2 asthanon men bhai-bahinon ki sumlit baithki kare.

Sthan—	Tarikh.
1. Takarma......	2. 2. 33
2. Sibnathpur.	4 ....
3. Poglsya	6 ....
4 Domtoli	8 ....
5. Banbringa.	9 ....
6. Kanarowa	10 ....
7. Jomtatoli	12 ....
8. Bano	15 ....
9 Dumbria	16 ....
10 Latakel	17 ....
11 Tati	20 ....

Anusabha minute. 12.1.33.

So Anusabha se C.C. ko arj kii jati hai ki kripa kar wah President aur Rev. M. Prehar ko ukt sthanon men swapalan sambandhi jos dene ko bheje—

Ap logon ke das.

Rev. S. Kule
Takarma
14-1-33.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI. (Behar) India.

Secretary: P. HURAD,

380/32.
No. F. m. 9.

Dated the 19th. July, 19 32.

Rev: S. Kula,
Lutheran Compound,
Takarma.

Manyawar Padri S. Kula,

Ap ko mera Yishusahay! Ap ki chitthi tarikh 16.7.32 ki mili, jismen Pracharakon ke kath men do ana dene ki arji ke sambandh men likha hua hai. Ap ko malum howe ki is bishay par mujh ko athwa Council ko kuchh ray deni nahin hai. Mahasabha 1927 ke Karyya bibran men jo likha hai us par karmmchariyon ko chalna aur use manna chahiye. Karmmchariyon ko jo chahe rajya ke hon athwa mandali ke, niyam manna chahiye. Jo kahta hai nahin man sakunga usko swaichchha se kam chhor dena chahiye.

[signature]

Secretary,

Church Council
Received 19.7.32
Register No. 158
Date 16.7.32
File 9
Reply No.
Date

19/7/32

[illegible]
[illegible] ७. 32.

श्रीमान — सेक्रेटरी — साहेब — पादरी महाशय।

I. [illegible] (नाई-बाहियों का) [illegible] को — [illegible] [illegible]

II. [illegible] लोग — [illegible] में [illegible] करवाने — का — उजुर — करते — हैं

[illegible] १९२७ [illegible]

[illegible] करवाने का विरोध करते हैं —

आपका —
Rev. S. Vinla

इस विषय पर मुझ को अथवा कौंसिल को कुछ राय देनी नहीं है। महासभा १९२७ के कार्य विवरण में जो लिखा है उस पर कार्यकारियों को चलना और उसे मानना चाहिये। कार्यकारियों को जो चाहे राज्य के हों, अथवा मंडली के, नियम मानना चाहिये। जो कहता है नहीं मान सकूंगा उसको स्वेच्छा से काम छोड़ देना चाहिये॥

[illegible signature]
19.7.32

16.8.35

[illegible]

To
The Secty.
Lutheran Compound
Ranchi

[illegible]

12.8.35
128
16.8.35

No. 370/32.
F.-9.

Dated Ranchi, the 13th. July, 1932.

Manyamar Padri S. Kula,

Ap ko mera Yishusahay! Ap ka Post Card tarikh 7.7.1932 ka mila. Ap ko malum howe ki us Pracharak ka service 15 baras gina jayga, karan ki wah ~~1~~ 5 baras school ka arthat mandali hi ka kam kiya hai.

Secretary,
G.E.L. Church.

Jakarma
7-7-32

મહાશય—

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] — service

[illegible]

[illegible]

સમ ક્રિયેટ કે લિયે— પૂછતા હું।

[illegible]

Jakarma
Boria PO
7-7-32.

Ram S. Vaid[illegible]

INDIA

POST CARD

INDIA POSTAGE 3P THREE PIES

INDIA POSTAGE HALF 1/2A ANNA

3 JUL 32
11 30

WRITING SPACE.

ADDRESS ONLY

Church Council

11. 7. 32

131

7. 7. 32

9

Reply No.

Date........

To. The Secretary-
Lutheran Church Council
Ranchi

Office Copy

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

CHURCH COUNCIL EXECUTIVE KI BAITHKI KA MANTABYA.

Ta: 22 June 1932.

---------000---------

3. TAKARMA ILAKE MEN TALAB SAMBANDHI MATBHED.

Takarma Ilake ke pracharakon ne ek darkhast Council men bheja ki Ilake ki Am Sabha ne Ilaka Chairman ke prabhaw se vote dwara aisa phaysla kiya ki usse talab Scale ke anusar talab dena namanjur hua. Age ki Padri log scale ke anusar pate hain par pracharak log purane scale motabik dukh bhog rahe hain. Is darkhast par Karyyakarak Sabha ne uchit dhyan dekar apni ray yon dii.-

SANKALP: (k) Ki 1927 Mahasabha ki scale padriyon, kandidaton aur pracharakon ke liye hai isliye in sab karmmchariyon ko mandali ki samuchi amdani se usi scale ke anusar talab diya jay athwa pura betan ke liye yatheshţ rupaiye na howen to usi scale ke adhar par anupat karke banta jay.

(kh) Masteron ke liye Ilaka se unke talab ke liye kaisa diya jayga so Council ke agle sankalpon ke anusar hai arthat unke talab ke total ghata (deficit) ki sankhya aur mandali karmmchariyon ki talab sankhya par anupat karke banta jay.

(g) Ki Pracharakon ka talab sambandhi anban ke karan centralise rokna ek dam anuchit aur aniyamit hai kyonki yah mandali ki amdani hai aur pracharakon ki nij amdani nahin hai. Pracharak log Ilaka Sabha ke bichar ke birudh Council men athwa Mahasabha men apeal kar sakte hain parantu amdani centralise karne men we roktok nahin kar sakte hain kyonki yah bhi Mahasabha ki agyanusar kiya jata hai yadi koi pracharak talab ke anban ke karan aprasann ho to wah stipha de sakta hai par centralise nahin rok sakta hai.

Memo No. 308-309/32.
F.-9.

Dated Ranchi, the 30th. June, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 22nd. June, 1932 forwarded to the Rev: S. Kula & Pra: Jusaph Bhengra for information, guidance and compliance.

Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

---------ooo---------

2. HANUKH SINH KA PRACHAR KARYYA.

Takarma se Padri Suleman Kula ne Ilake ki or se Council ko sunaya ki Babu Hanukh Sinh ne Ilake men prachar karne ke liye athwa pracharak kam ke liye darkhast diya parantu Ilake ne bichar kiya ki wah pracharak hokar nahin parantu Kh Ilake men padriyon ki nigrani men rahke Mangal Samachar ka prachar kare. Council ne is par dhyan dekar yahi phaysla kiya.

SANKALP: (k) Ki Church Council ki or se Babu Hanukh Sinh ko talab ya tankhah kar nahin parantu uske pratipalan ke liye sahayta ke rup men samay samay par kuchh paisa dewe.

(kh) Ki wah Ilake men athwa uske bahar bhi sansarikon ke pas men jakar dharmm prachar kar sakta hai parantu Ilake men jab mandaliyon men prachar kare to awashya hai ki wah hamare padriyon ke dekhbhal men rahke yeh kam kare.

Memo No. 303/32.
F.- 9.

Dated Ranchi, the 28th. June, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 22nd. June, 1932 forwarded to Rev. S. Kula / Mr. Hanuk Singh Takarma for information.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Received 31.5.32
Register No. 50.
Date 28.5.32
File 9
Reply No.........
Date.........

File

~~SH~~ 30/5/32 — Jakarma.

26-5-1932.

महाशय- आप लोगों को यीशुसहाय।

जकरमा- इलाके में हनुख सिंह ने १२-५-१९३२ को दरख्वास्त किये कि इलाके के अन्दर में प्रचारक का- काम मिले ———— अनेक तर्क वितर्क के बाद इलाके ने १३-५-३२- को यह फैसला- किया।-

a, हनुख सिंह के दैनिक खुराक- के लिये कौंसिल को जो वह प्रतिज्ञा- की चिट्ठी है लिखी जावे।

b, हनुख सिंह को आगे प्रचारक का- काम- नहीं दिया जाता है।

c, कौंसिल से रोजाना- खुराक पाकर जकरमा- इलाके के अन्दर पादरियों के निगरानी में रहकर कुमर का काम करता- रहे।

आगे शुभ-

Jakarma
Basia P.O
26/5.

आप लोगों के आज्ञाधीन
दास

Rev. S. Kula.

936/32.
F. - 9.

14th. March, 32.

Takarma Ilake ke Karmmcharigan!

Ap sabhon ko Church Council ka bahut Yishusahay!

Ap logon ka darkhast jise ap logon ne talab Scale ke sambandh men likha tha so hamon ne paya aur us par bichar kiya.

1. Ap logon ko malum howe ki jo Scale thahraya gaya hai 1927 ki Mahasabha se uska arth yahi hai ki Scale anusar Karmmchariyon ko yadi diya ja sake to wah simana ka uncha hadd hai usse adhik koi Ilaka beshi nahin de sakegi. Wahan tak de sakne athwa na de sakne ki bat Ilake Panch ko hai jo apne Khajane ke samarthya ke anusar dene ko jababdih hai.

2. Bartman yug men ke Khajane ki dasha ke karan abhi tak kisi prakar ka likhit pariksha ka course nahin thahraya aur na kisi ki pariksha lii hai jis se koi Ilaka pariksha sath ka betan dene wa koi karmmchari betan lene ki dawi nahin kar sakte hain.

Age shubh,

Ap logon ka hit chintak,

Secretary,

G.E.L. Church.

Church Council
Received 12-2-32
Register No. 688
Date 21.2.32
File 9
Reply No.
Date

~~[illegible]~~ 12/2/32

[illegible] इलाका के सभागण —

धर्मावतार महाशय -

हजूरों के पास हम पुकारकगण का यही अर्ज है कि छोटा नागपुर लूथरान कर्मचारियों के लिये महासभा के समय १९२५ में नया स्केल ठहराया गया और १९२८ से सब इलाकों में चालू है इसलिये हम पुकारकगण का यही अर्ज निवेदन है कि जो नया स्केल का स्टेनडर्ड रखा गया है उसी के मोताबिक ~~किया जाय~~ आशा है। इस में हम पुकारकगण मंजूर हैं।

आइन्दे हजूर मालिक हैं -
२६-१-३२

योहन बागे -
योहन सुरिन
कुशलमय - सुरिन ।
J. [illegible]
[illegible]
Ch. A. Y. Tiru
योहन [illegible]
[illegible] - सुरीन
[illegible] - बागे
परमेश्वर तोपनो [illegible]
Anandmasih Mundu
J. Horo
प्रभुदयाल सुरीन -
Pr. K. Bagraik. [illegible]
J. Kerketta

Reply
(1) C.C. suspended exams for financial reasons.
(2) The parties [illegible] getting ~~Rs~~ 40/= & not ~~Rs~~ 50/= the maximum.

आशय — कौंसिल से ।
जो — इसी विषय पर — प्रस्ताव
हो चुका — है — इस को — जवाब
आने — तक — ठहरें —
और — इस — विषय — पर —
कौंसिल — से — आप — [illegible] —

Rev. S. [illegible]
21-1-31.

[illegible] 21/1/31

Church Council
Received 5.2.32
Register No. 667
Date 2.2.32
File 9.N.52
Reply No.
Date

टकरमा.
2.2.32.

महाशय —

सादर — को — यीशुसहाय —

आपका — कार्ड — मुझे — हाल — में मिला —

I Rev. Daniel Mundu को — अभी — छुट्टी दी गई है।
आगे पेंशन — कमिटी — के — आज्ञा — का — [illegible]
फैसला है —

II आपका — C.C. प्रचारकों — के — वेतन — बारे
इस समय — के — दुःख — के अनुसार — उन्हीं
रहना — के — जैसे — प्रचारक — लोग — [illegible]
मासिक — वेतन से — २६/- २४/, २२॥). आदि
पाते — रहते — हैं — जो — पंडितों के — नहीं मिलता है —
सो — केन्द्रवालों — मेरी — मांग — सुनी जाय —

III. मदन — सुभाष ने — मैं M.E. लड़का स्कूल — और
U.P. लड़की — स्कूल — आदि का — नहीं दिया — है —

IV — आपका — अनुमति हो तो — Candidate
Suleman Bage को अभी दूसरे जगह भेज
दीजिये —.

Takarma.
Basia P.O.
2.2.32.

आपका — आज्ञाकारी दास —

Rev. S. Kula.

Jakarma
11-1-31.

Mahasay-,

Ap ko yesusahay.

I Kripa kar mujhe jaldi bataiyo ki Jakarma M.E. & U.P. school ki bidiarthion ka hisab mardame sumari men — main dunga wa koi dusre se mangajayga

II. Rev. P. Mundu Baribringa ko kab se chutti di gae & wahan ke kam bahat kharab hote hain —

Rev. P. Mundu December ke ant hi mera ghar chale gaye — So Parish chora hua hai — Main kea karun — Kripa kar hal dijiye.

Church Co[uncil]
Received 15.2.
Register No. 613.
Date... 11.1.32
Repl[ied] 5.2

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

Takarma ~~men~~
~~of~~ am sabha – 21 Jany
ko thahraya gaya hai –

Apke agyadhin das
Rev. S. Kula
Takarma
Basia P.O

ADDRESS

INDIA POSTAGE THREE PIES 3P 3P

INDIA POSTAGE HALF ANNA

BASIA 12 JAN 32

RANCHI 12 - 1

To

The Secretary Church Council
Lutheran Church.

Ranchi

Church Council
Received 28.9.31
Register No. 360
Date 24.9.31
File 9
Reply No. ....

Jakarma
28/9/31. 24. 9. 31.

[illegible]

[illegible]

Rev. [illegible]

N.B.

[illegible]

Rev. [illegible]

टकरमा लुथेरान मिस्सन के इलाका सभा के
निकट अर्जी निवेदन पत्र ।

महाशय,

इलाका सभा के सभापति औ प्रतिनिधिगणों को टकरमा इलाका के प्रचारकों का योयुसहाय होवे। आगे सभा को मालुम होवे कि हम मराडलों के कर्म्मचारी रो, रो, के अपना दुःख सुनाते हैं कि सभा हमारे आंसुओं को पोंछे, क्योंकि हजूर ही हमारे दुःखों पर समदुःखी होनेवाली हैं, सो हजूर अपने लचार दासों की नीचे लिखी दरखास्तों पर दयाशील औ न्यायशील होकर विचार प्रगट करें।

१- इयाह के आप अपने दासों के घटी तलप को मेहरबानी से पूरी कीजिये आप अपने कर्म्मचारियों के सिरतो हिसाब बाही से देख सकेंगे, हां कितने कर्म्मचारियों की घटी तलप १८९१ ईस्वी से चला आता है, ऐसे हालत में आप के दास अत्यन्त दुःखी होकर अपने बाल बच्चों को पढ़ाने में असामर्थी हैं औ साऊ महाजनों के ऋणी हो रहे हैं।

२- इयाह के आप के दास तलब के घटी का दावी करता है लगाएत १८९१ ईस्वी से, सो किसी तरह कहीं से घटी तलप के दिये जाने का हुकुम हजूर से फरमाया जाए, अगर हजूर बर्त्तमान में घटी तलप नहीं दे सकती है तो पीछे किसी समय उन घटियों को पूरा करने की वादा करने की कृपा करें।

३- इयाह के आप के दासों का नया तलप स्केल को बर्त्तमान महवारी तलप का मध्यम नीचे लिखे मोताबिक है।

नं०	प्रचारकों Ch. Ay. Tim का नाम	गोत्र	कामशुरु	कामबर्ष	पास	नया तलप स्केल	बर्त्तमान तलप
१-	युसफ	भेंगरा	१८९४	३७	M.E. 8th C.	२५)	६)
२-	प्रभुदयाल	तोपोनो	१८९४	३७	U.P. 5th C.	२०)	४)
३-	बोआस	तोपोनो	१८९९	३२	M.E. 9th C.	२५)	६)
४-	मतासिङ्ग	मन्की	१८९९	३२	U.P. 5th C.	२०)	२)
५-	योहन	जोजो	१८९९	३२	U.P. 5th C.	२०)	४)
६-	योहन	बागे	१९०५	२६	M.V. 7th C.	२५)	१२)
७-	याकुब	बागे	१९०६	२५	U.P. 5th C.	२०)	८)
८-	प्रभुसहाय	सुरिन	१९०७	२४	M.V. 7th C.	२५)	३)
९-	सामुएल	बागे	१९०७	२४	U.P. 5th C.	२०)	४)
१०-	पूर्णप्रसाद	लुगुन	१९०८	१६	U.P. 5th C.	२५)	१४)
११-	योहन	सुरिन	१९०८	१५	U.P. 5th C.	१४)	२१)
१२-	हाबिल	तोपोनो	१९०९	२२	M.V. 7th C.	२५)	२)
१३-	पूर्णप्रसाद	मन्की	१९०९	२२	M.E. 7th C.	१८)	१९)

नं०	प्रचारकों का नाम	गोत्र	कामशुरु	कामबर्ष	पास	नयातलप स्केल	बर्त्तमान तलप
२४	युसफ़	होरो	१९०८	२२	U.P. 5th C.	२०)	२५)
२५	खृस्तानुकरण	तिडू	१९१०	२१	M.E. 9th C.	२५)	८।।)
१६	युनस	डांगवार	१९११	२०	M.E. 7th C.	२५)	६)
१७	पतरस	जोजो	१९१४	१७	U.P. 5th C.	१४)	१४)
१८	पतरस	डांगवार	१९२२	६	M.V. 7th C.	१४)	२।।)
१९	प्रभुसहाय	सुरिन	१९२४	८	M.V. 7th C.	१४)	११)
२०	आनन्दमसीह	मुन्डू	१९२७	४	M.E. 7th C.	१२)	२।।)
२१	कुशलमय	सुरिन	१९२८	३	M.E. 7th C.	१२)	
२२	कुशलमय	तोपनो	१९२८	३	M.E. 11th C.	१२)	
२३	कलेप	बगेरला	१९०५	२५	M.V. 7th C.	१२) २५)	१२)

हम लोग बहुत आशा में है कि आप अपने दासों की आशा जरूर से पूरी करेंगे ।

आप सभों के आज्ञाधीन सेवक

ता: १७-९-१९३१ ईस्वी

Ch. A.Y. Tiru Catechist

१- युसफ़ मेंगरा प्रचारक सीवनाथपुर व: खास
2- कुशलमय तोपनो प्रचारक [illegible] व: खास
३, बेल्लस तोपोनो प्रचारक रोमजोल्त व: ख:
४, प्रभुदयाल तोपोनो प्रचारक- गढ़ कसीमदी व: ख:
५ यूनस डांग प्रचारक टुटीकेल व: खास
६ [illegible] प्रचारक जोहाराटोली व: खास
7 योहन सुरिन प्रचारक लोमगढ़ व: खास
८ मनसिद्ध मारवी केवटांग व: ख:
९ प्रसादप्रसाद मरकी प्रचारक व: ख:
१० हाबिल तोपनो प्रचारक गवाथसा वा खा:
११ आनन्दमसीह मुन्डु सेरेंग [illegible] वा खा:
१२ समुएल बाग प्रा: बांगराम वा: खा:
[illegible]. युसफ़ होरो- प्रचारक [illegible]- व. ख.
१४ प्रभुसहाय सुरिन- प्रचारक बेड़ाटांगर व: ख:
१५ योहन बागे डुमरिया व: खा:
१६ कलेप बगेरला प्र: जुरकेला व: ख:
१७ पतरस जोजो प्र: बड़ाकिरंगा व: ख:

१२- [illegible] प्रचारक- [illegible] व: खास
१८ पतरस डांगवार प्रचारक सैंपुर व: ख:
20. Ch. A.Y. Tiru Catechist Tati
२१- प्रभुसहाय- प्रचारक व: ख:
22- प्रसादप्रसाद [illegible] व:
२३ योहन डोमसखी वा: खा:

[illegible] Rev. Shulz 21.9.31.

४. टकरमा इलाके के प्रचारकों की ओर से तलब की त्रुटि के बिषय दरखास्त। उन्होंने सब कोई मिल कर अपने अपने निज काम की अवधि, Qualification शिक्षा रूपी योग्यता नया तलप स्केल और बीते आठ महीनों का मध्यम तनख्वाह दिखा कर उजुर किया।

१. कि घटी तलप पूरी किई जाय।

२. कि १९२८ से जो घटी हुई सो भरी जाय अथवा किसी भविष्य मे भरने की वादा दिई जाय।

इन पर बात बिचार करने के बाद इलाका सभा ने प्रस्ताव किया कि-(१) इलाका सभा प्रचारकों की बात को चर्च कौंसिल के पास पेश करे जिस्ते वह इसके बिषय उचित बिचार करे।

(२) कि इलाका पंच, पेरिश पंच और प्रचारकपन पंच के साथ इस बिषय पर कार्रवाई करे और चेष्टा करे कि वे महाडलों देन-देने और दिलाने मे अधिक कार्रवाई करे।

(३) कि यह बात आम सभा मे डाली जाय।

(४) कि इलाका कार्यकारिणी सभा किस प्रकार नीचे के पंचों से कार्रवाई करना होगा उसका बिचार करके कार्रवाई करे-यह अधिकार इलाका सभा उसको देती है।

ये प्रस्ताव समर्थन और दृढ़ाये गये।

प्रार्थना साथ सभा अन्त किई गई।

Tcakarma.
24-10-31.

Mahasay,

Ap logon ko mera ysusakay. Main bahut hi dhanyabadi hunga agar ki C.C. meri binay ko sunkar ni chi anhit tarikh men hajir hoe. Acha ~~hga~~ hoga Jadi C.C. apna pratinidhi 12-11-31 ko Tokarma men bhejne ki meharbani rakhe.

10-11-31 ko Karamcharimeeting
11-11-31 ko Ilaka — "
12-11-31 ko Am sabha "

So meri arjee hai ki C.C. apna pratinidhi bhej kar amsabha ke roj do bisay per logon ko bujhawe — arthath —: Mandli ki atmik & laukik wa arthikh dasa per —. Kripa—

Church Council
Received 22.10.31.
Register No. 401
Date 24.10.31.
Reply No.
Reply Date

Fili

INDIA
POST CARD
REPLY.
WRITING SPACE
ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
HALF ½A ANNA

RANCHI 26 OCT 31 12.25 P.M.
RANCHI

kar— 9.

C.C. majhe samay ne age khabar dene ki meharbani kare.

Ap logon ke
agyadhin das.
Rev. S. Kuda
Taharma
24/10/31.

To.
The. Secretary
Lutheran Church Council
Lutheran Compound
Ranchi

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM

---------oOo---------

10. TITLING COMMISSION KA REPORT.

Takarma llake ke Titling ke bhai log apne gaon ke Yunas ganjhu se gaon ke jamin jagahon ke hakkiyat par jhagrne aur mokdamma men parne ke karan Roman mandali ki or ja rahe hain. So unko samjhane bujhane ke liye Council ne President aur Padri Prehn aur Mr. Nirmal Soy ko bheja tha. Inki munh jawani report suni gai aur unpar bahut soch se donon paksh ke bishayon par dhyan diya gaya aur yahi sthir kiya gaya.

SANKALP : Ki phir se Titling ke bhaiyon ko President ek charwahi patri likhe ki Council bhaiyon ko nyay ki riti se sambhalne aur sahayta karne ko sada taiyar hai.

(kh) Ki Padri Suleman Kula ko likha jawe ki wah bhi barambar wahan jake bhaiyon ko samjhawe bujhawe aur unki uchit sahayta kare.

(g) Ki bhaiyon ko yah bhi likha jawe ki jis roj we ganjhu se mel milap apne bich men karne ko taiyar honge usi samay we Council ko khabar dewen wah usi samay ke liye apne pratinidhiyon ko bhejega.

N.B.- Titling Commission apna likhit report Council ko dewe.

Memo No. 465-66/31.
E.- 9.

Dated Ranchi, the 2nd. September, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council ~~Executive~~ Executive of 27th. August, 1931 forwarded to the Rev: J. Lopono & Suleman Kula. for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Received 1. 9. 31
Register No. 307
Date 29. 8. 31
File No. 9
Reply No.
Date

BA Jokarma.
1/9/31 29 – 8. 31.
JH

Mahasay Ap logon ko – Yisu sahay.

1/ Jitling ke. bhai jo Ranchi
mandli men gaye – the.
Lutheran purane tahar men
apne men dono ko garh
sakte hain –.
Jitling manjla ka jamahandi
men main dekha – ahan
per – ukt tahar – gairmajurwa
aur. darj hai –
so. kripa – kar jaldi hal
mile –

2/ Barsati – sixa – padrion ka
hoga – ki nahin – ?

3/. pracharon ka sixa class
ke hain – lene ka kya
, ray hain – ?

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

HALF 1/2A ANNA

RANCHI
DELY.
AUG 31
11 30 A.M.

// Socialist se meri arjee hai ki we ap aur N. Soy. phir ek bar T. thing ate ~~to~~ main bahut khus hota —

Ap logon ke Das.

Rev. S. Paulo
29/8.

To.
The Secretary
Lutheran Church
Ranchi

OFFICE OF THE SECRETARY, LUTHERAN CHURCH COUNCIL, CHOTANAGPUR & ASSAM

---------oOo---------

2. MARKAS SURIN MAUZA KURKURA.

Takarma Ilake ke Kurkura ganw ke Markas Surin ka darkhast Council pas aya jismen likha hai ki uski stri Meri Topono sadi ke pichhe se barabar bhagti phirti thi. Panch ke samjhane ke samay wah rat ki andheri men nikal bhagi aur us din se aj tak uska pata nahin hai. Arthat 1927 ke July ko nikal gai aur na jane Assam Bhutang gai So is dasha men usko phir se sadi pane ka hukm Council dewe. Is bishay par batchit aur badanubad hua aur is par aisa bichar pragat kiya gaya.

Ki darkhast anusar 1927 se Markas Surin ki stri lapata hai. So Gharbandhu men yah Istihar dewe ki uski stri Meri Topono ab tak kahin jiti hai ki nahin yadi thahraye huwe samay tak koi jabab na awe to Markas adalat men darkhast de sakta hai ki usko tyagpatr mile athwa nahin to 7 barson tak 1927 se thahar ke sadi pa sakta hai.

Memo No. 286/31.
F. - 9.

Dated Ranchi, the 12th. August, 1931.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 21st. July, 1931 forwarded to Rev: S. Kula, Chairman Takarma for information, guidance and ~~compliance~~ compliance to the party concerned.

[signature]
Secretary.
G. E. L. Church.

Church Council
Received 20.7.31.
Register No. ......
Date 1.7.31
File ......
Reply No. ......
Date ......

Takarma
1-7-31.

Mahasay Log Ap-ko-ysusahay.

[illegible] ke raiyat log mujhe chhota [illegible] keonki ab tak [illegible] girja nahin ati hain aur abhi to we khas Titling ke man Roman girja aur paracharak ke liey ghar banane per hain —

So main to bahut udasmen hun — keonki CC bhi mujhe kuchh hal nahi ndia aur dawe. Rev. P. Munda bhi Baribringa men nahi n rahte hen — Titling - Baribringa pracharak pan ka ek tola hai. Larai abhi to ant hai aur Gaunjhu ka jit larai men hai.

So aap unke liye
prarthna kijiye.
Main es hapta bhi
whan jata hun — aur
5 — 6 roj whan
rahunga — So jadi
apse ho sakega to
aiye — main apko
bahut hi dhanyabad
karta — Aap ke.
Rev. S. Nule

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER.

INDIA POSTAGE
HALF ½A ANNA

POST CARD
WRITING SPACE
ADDRESS ONLY

To.
The Rev. A. John.
Chainpur
~~Kinkel~~. P.O.
Gumla.
via. Simdega. Barwe
(Ranchi)

HARDA... INDIA 10 JUL
...KEL ... 6 JUL 3...
BASIA ... CHI
... 9 JUL 30
... 5 JUL ...
... 11 JUL ...
...HONA...

Takarma.
1-7-31.

Mahasay — Aap-ko — ysusalay.
Main phirse — C.C. ko arjee
karta hun ki — wah mere
prakar per Dhyan dene per
kripa kare —.

Zitling ke Gaujhu & Rayat
log — larai — takrar ke karan
se — 19 ew — Roman ho-gaye.
Larai abhi to aut hai & Gaujhu
ki jit hui — per rayat log
abhi to — mokadma ko age
le le jaienge — aur apne
ko — Roman girja
ga... meen — pracharak rakhne ka
bichar kiey hain —
So bahut hi naraj men hun
kerinki main es kam

ne liay — sahay.
nahi in — pa ha hun.
Rev. P. Mundu bhi
whan nahi rahte
hain — dawe.
mujhe chan ka kam
So jada ap log meri
arjee par meharbani
kar — ate to main
ap logon ka bahut
hi Ilanzahad karta
kea jane unka man
phir. gay — Rev. S. Kula

POST CARD
INDIA
WRITING SPACE
ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
HALF 1/2 A ANNA

RANCHI

Church Council
Received 6.7.31
Register No. 135
Date 1.7.31
File 9
Reply No.
Date

To
The Secretary,
Lutheran Church Council.
Lutheran Compound.
Ranchi

Church Council
Received 20.9.31
Register No 170
Date 17.9.31
File 9
Reply No
Date

File

Chainpur 17.7.31

Acknowledged by a post card outw. 21-7-31

Dear Mr. Hurad.

main aj Takarma ke padri babu S. Kula ka chitti ap ke pas bhej deta hun. Rev. S. Kula Titling ke bhaiyoun ke R.C. mission men jane ke bare men likhta hai. Main asa karta hun ki ap hi ke pas aisi chitti bheji jawe. Asa hai ki ap is bare men necessary action lenge.

Yours truly
A. John.

I am sorry I could not go to Titling from here. It is far too distant, and I was already on my way to Ranchi, when the P.C. arrived here.

A. J.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: D. Hurad.]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar.)

No. 68-69/31. Dated the 9th. June. 1931.
F.- 9.

Rev: S. Kulla,
Lutheran Compound,
Takarma.

Manyawar Padri S. Kula ko Yishusahay! Ap ki 6 June ki chithi mujhe mili, jismen ap Babu Boas Mundu ke Corn Bank men Clerk kam karne ke sambandh men likhe hain. Ap ne mujhe yah bhi janaya hai ki uske Clerk thaharaye jane ki bat 12.6.31 ko Am Sabha men hogi. Main ne ap ki baton ko Circular dwara Executive ke sahmne men pesh kiya.

Ap log sab koi jante hain ki Church Council men Boas Mundu ke bahali hone ki bat ab tak pending hai aur isi karan se jo Pracharak kam Ilake se usko Takarma se mila tha so Council ne radd kar diya aur ap ne mujhe janaya ki, June se usko chhutti mili hai. So jab bat aisi hai to ap logon ne kyon Mr. D.M. Panna ko thik riti se yah bat nahin janai aur C.C. ka hukumnama unko kyon nahin dikhaye Executive Sabha Full Council ke is bichar ko nahin utha sakti hai aur na koi Ilake ki Am Sabha Council ke hukum ko utha aur radd kar sakti hai. Isliye main Executive ka bichar ap ko janata hun ki Boas Mundu ka mandali ke is kam men Clerk hone ke liye Council ka bhi pura roktok hai jab tak Council dusra phaisla na kare.

Yadi Clerk ki awashyakta ho to barttman men Ilaka Chairman us kam ko karta rahe athawa dusra yogya jan is kam ke liye chuna jawe.

Ap logon ka shubh,

D. Hurad

Secretary,
G.E.L. Church.

File Council

Church Council
Received 4.8.31
Register No. 230
Date 31.7.31
No. 9
Reply No.........
Date.........

From, Rev. J.J.P.Tiga,
Lutheran Compound, Takarma.

To,
The Secretary, Lutheran Church Council,
Ranchi.

D/- Takarma, The 31st. July 1931.

Dear Sir,

I have raised the question already and in the following lines I only wish to re-confirm the same thing. It is a thing which I take to be absolutely necessary and a thing that cannot be slighted. It is in fact one of the conditions for the existence of our Church.

It is a corollary and an inevitable outcome from the fact that German missionaries are needed for some years more to work with us. It is understood that they are coming only to help us, that also only for a certain length of time. This I count to be a temporary patching. It necessarily means that they are giving us a time to equip ourselves with all the requirements to continue our existence even when they shall have to withdraw from this land. But the question is, what is the need ? Among many other things , the need of trained men & women becomes conspicuous and predominant.

In the main it is for this reason that the present German missionaries had to leave their homes once again and to plant their soft feet once again in the thorny plain of Chotanagpur. It was only because of the want of well trained men and women that the former grandeur of our Mission has become stagnant, a thing for which our present missionaries have to mourn and shed tears on their return from Germany. I am sure it is only for the want of well trained men and women that the former arrangements made by the earlier missionaries could not be maintained and kept up when they withdrew their hands. Had there been worthy Indian successors to those worthy missionaries of the pre- war period , our present plight should never have been so lamentable.

It is as clear as the daylight that Germany is still trying her best at her own cost, not out of her abundance but out of her own need, to nurture our Church and to bring her up to a full grown bride endowed and adorned with life and health both in body and in spirit.

This being so and her sympathy as well as love for the Chotanagpur Church which she herself conceived and has brought forth, being so great, it is believed that she would not like to see us her own children inefficient to undertake responsible positions in the Church.

As has been written above ,which is nothing but a repetition of one of the conditions under which the German missionaries are hailing in India, they are not to remain with us always. We have in the long run to stand on our own feet which has also been our attempt ere long and have not attained even an iota of success as yet. This means that without losing opportunity we should devise means to train up our young men and women either at home or abroad.

" We need missionaries "-This is the outcry of the public from every corner. This they do, not out of complete ignorance, but because of their inward feeling of real necessity. As Rev. A. John has emphatically repeated more than half a dozen times, so also with no less emphasis have I to say the very same thing and there is not the least doubt as to its genuineness. The only point where I differ, happens to be this that, we need men and women well trained and well equipped, not only from our German brethren but from our own home as well. The reason is plain. Germans are not to be with us always, even if we would, and this is an Axiomatic truth. And if such men from our own home are available, it shall be a false contention to say "My young man ,there is no work for you in the Church". It is not beyond doubt that there will be temporary and minor difficulties on the way but the need is such that they can be overlooked

and overcome. If we need , say , three missionaries annually, it is far better to send two young men from here to Germany for three or four years course, every year. They will come back to us to remain and to work with us life long never to go away from us at any time.

I venture to say, as it appears so plainly, this will be not only foresighted , but also economical. I think this is clear in itself and I need not elucidate it. I beg to plead that , even at the cost of holding back the expected missionaries, if need be, our own young men and women be sent there to the place where our spiritual fathers lived and do live even today.

I therefore humbly beg to move the Church Council that she make necessary arrangements to send our two young men for training to Germany or to any other suitable place, annually, and also one young woman biennially until a sufficient number of them come out to relieve the foreign missionaries who have taken, are taking and shall have to take countless troubles in these our most critical days.

The face value of this proposal might be very very insignificant but considering the core of the thing, this will be an unblottable contribution from Germany.

Yours Sincerely,

Rev. J.J.P. Tiga.

Headmaster, Lutheran M.E. School,

Takarma.

File
9/6/31.

Executive Members

Herewith a letter from Rev. S. Kula of Takarma. The letter is self-explanatory. If the Corn Bank business is going to be a government affair I will not have much to say but as it is connected with the Church very closely I think we object to his appointment now when his application is pending with us.

Please let me know your views at once as this is urgent.

[signature]
6/6/31.

Let me make it clear that no Amsabhas of Ilakas can & should override the C. Council in any matter. They can only appeal to the Genl. Conference if they like.

[signature]
8/6/31.

I am of the same opinion with the secretary. It should be postponed until the matter is not discussed in the council.

J. Topno.
8-6-31

I agree to the above
Bm 8/6

According to the decision of Mr. Parsons the power seems to have been conferred on the Am Sabha to elect a clerk and the Am Sabha any over-ride both Mr. Parsons's suggestion and that of the Council. Hence I would leave it to the Am Sabha.

[signature]
8/6/31

Jakarma.
6-6-31

Church Council
Received 8.6.31
Register No. 65
Date 6.6.31
File 42 or 9.
Reply No.

Mahosay.

Ap sabhon ko mera Ysu sahay.

Jakarma Dhan kothi ke janch ke liey Mr. D.M. Panna 28 May 1931 ko chan aye the - aur janch kar ke, ue Ilaka ko niche ankit baton ko Am sabha ke jariey saction karne ko ray diey hain.

1/ Dhan kothi thik hone tak Secretary Board of Trust ke supervision men rahe.

2. Dhan kothi ke liey B. 20/ per (mahina) ek clerk hoe.

3/ Abhi hal ke liey Dhan kothi apna kam chalane ke liey dusron se karja lewe. et.

N. B. Mr D. M. panna ne kuch apna ray bhi Clerk ke liey de gaye hain - arthat unka kahna hai ki - Babu Boas Munda ko Am sabha Dhan kothi ke liey Clerk sanction karen.

So main esi bat ke (boas ko Clerk thahrana) bisay acha samjha ki Council se ray lum jiste Ilake ko es men piche jhanjhat nam na parna pare - jaise ki pahle hua tha.

12-6-31. ko Am sabha hogi jismen ki ukt bat bichar hogi - so kripa kar Council mujhe ~~kripa kar~~ samay ke age hukum dewe ki Am sabha bhul men na pare.

phirse arj hai ki Council mujhe ge kripa kara jarur hal dewe.

Ap logon ke agyadhin Das.

Rev. S. Kula
6-6-31.

N. B. Main kiti par das dene ko nahin par C.C. ka hukum aur Salah chahta hun.

टकरमा
28-5-31

महामान्यवर, श्रीमान चर्च कौंसिल के कार्यकारक सभा को मान्की बाबु बोआस मुन्डु
की ओर से योसुसहाय। — हजूर को सविनय जाता है कि चर्च कौंसिल की Memo.
नं० 19-20/31 / F-9 ता: 29 + 30 अप्रैल 1931 । १२. Boas Mundu — (Purn Council Sabha)
फदिदवो को मिला वो उसके साथ इलाकापन्च टकरमा को पूरी कार्रवाई कागज मिलो
सच्ची नकल -
ता० 8-5-31 जो चेयरमन के पास भेजी गई सो पढ़ कर इलाका को सुनाई गई, इसपर
इलाका विचार कर संकल्प किया कि:— संकल्प :- चर्च कौंसिल का चिट्ठी जो
चर्च कौंसिल के वजरिये बोआस बाबु के पास भेजी गई है वह बोआस बाबु को दे
दिया जावे और लिखा जावे कि वे अपना काम माई महिना 1931 के अन्त में
बन्द कर देवे और टकरमा प्रचारकपन को इलाका सेक्रेटरी काम का जिमा इलाका
चेयरमेन को देवे और यह बात टकरमा प्रचारकपन को भी सुना दिया जावे।

The above document + letter No. 19-20/31 / F-9 forwarded to
Babu Boas Manki for information and guidance.

Sd. Rev. S. Kulla
21/5/31.

इस पर तबेदार चर्च कौंसिल की कार्रवाई को धन्यवाद के साथ ग्रहण करता है कि
वह अपना आदमी को नहीं भूल गया है और हमेशा उससे निकटवर्ती सम्बन्ध रखने
की कोशिश में है। तबेदार मान लेता है कि उसका टकरमा में प्रचारक काम
ग्रहण करना बिन कौंसिल के मंजूरी के अनुचित था - यह केवल कारोमदी इलाका
के स्वाधीन अखतियार से कौंसिल से बिना मंजूर कराये तबेदार को पहिले ही
3, 4 जनवारी 1926 में ससपेन्ड करने का प्रतिफल था - जिसके द्वारा से मालिक को
बहुत ही निरादर हुआ होगा। इस महापाप के लिये तबेदार एक किता क्षमा की
प्रार्थना भेज चुकी है पर इससे सन्तुष्ट न होकर दोबारे आर्जी करता है कि क्षमा
दिया जाय, ताके तबेदार के कैफियत पर न्यायशील नजर गुजरान कर आयोनाम्
स-मन्डली अपने खास इलाके के सुधार और बढ़ती निमित तबेदार को इन-
रस मिलने में कृपा की जाय - आइन्दे हजूर के आज्ञाधीन होकर तबेदार
ता० 21-5-31 को इलाका सेक्रेटरी का काम छोड़ दिया और 31-5-31 को
आखरी गिर्जा करके मन्डली से विदा यो लेगा जैसा इलाका चाहता है।

आपके आज्ञाधीन
आप का विश्वास्त सेवक
मान्की बाबु बोआस मुन्डु - खास टकरमा
28-5-31.

Forwarded to C.C. for kind and favourable consideration.

~~For information~~

Rev. S. Kula.
25-5-31.

Church Council
Received 29.5.31.
Register No. 67.
Date 26.5.31
File 9
Reply No.
Table

Church Council
Received 25.5.31
Regr. No. 66
Date 23.5.31
File 9
Reply
Date

File

Takarma.
23-5-31.

To The Lutheran Church Council Ranchi
From Rev. S Vinko(?) Takarma.

महाशय — आप सभों को मेरा हार्दिक धन्यवाद।

मैं आशा के साथ आप लोगों के पास इन बातों को पेश करते हुए विनय करता हूँ कि कृपा मुझे सहाय कीजिये —

बड़ी किरिंगा सर्कल प्रचारक जान के मौजा तितलिंग में - रैयत और ज़मीनदार में - खूटकट्टी संबन्धी झगड़ा छिड़ गई है — यानि रैयत लोग एक मत होकर जमीन्दार पर ४ वर्ष पूरा के अनुसार मालिक पैर कर्जी(?) दिये हैं (Simdega में).

और बाकी रैयत लोग १७–१८ घर रोमी बन गये हैं - अभी २ हफ्ते से वे तितलिंग ही में रोमी प्रचारक के आराधना में ईश्वर सेवा किये हैं। रोमी प्रचारक तितलिंग ही में भाइयों ही के घर पर फिर आ करते हैं। मैं किसी हालत से ~~दूसरों के~~ Simdega में इसका खबर पाने पर - बड़ी किरिंगा प्रचारक को हवलदार बुलाया — और पूरा हिसाब पाने पर मैं एक रात - उन भाइयों को खूब समझाया — और जांच को भी समझाया। जांच तो राजी होने चाहते हैं पर रैयत नहीं मानते हैं — अंत में ईश्वर की दया से भाई लोग मुझे इकरार दिये हैं कि "हम रोमी ~~में~~ (मिशनरी(?)) ही छोड़ेंगे - पर लड़ाई करना नहीं छोड़ेंगे" —

यह इकरार वे मुझे तब दिये थे - जब कि वे एक हफ्ता रोमी आराधना में हाजिर हुए थे — यह इकरार देने के बाद भी फिर वे रोमी ही आराधना में शामिल हुए (अर्थात वे आज तो दो रविवार रोमी आराधना में शामिल हुए)

उनके मन को रोगी आदर खूब दुखाया है - जिसे
मुझे जरूर - पापबल करवाऊंगा —
और भाइयों का मन इसमें पक्का किया गया है.
मोकदमा अब तक चल ही रहा है— और मुझे पूरा
विश्वास है कि वे रोगी ही वापस चले जायेंगे यदि
हम उन्हें न बुलावें— मैं तो अपनी शक्ति भर परिश्रम
किया— पर— अफसोस है मेरा- परिश्रम बेफायदा
हो रहा है- अलावे- मिशन के दूसरे कामों से मुझे पूरा
अवकाश भी नहीं मिल रहा है- और अभी हाल में भी
मुझे अवकाश [illegible] नहीं है।

मुझे मालूम है कि तिवलिंग- वही तिरिंगा पेरिंग का मुकुर है ✗
और परवा परगना का कलेजा है। ।
(गांगू + रैयत सब खुशहाल हैं)

सो मैं अति ही जोर से अपना विनय भेजता हूं
कि कृपा कर आप लोग आकर मेरी सहाय
कीजिये— जहां तक जल्दी हो आप लोग आने की
मेहरबानी कीजिये—

लि: आप लोगों के निवेदक—
पादरी सुलेमान कुला—
रकरया.
23. 4 — 31

N.B. यह लोग बुरी रीति से अनजान कर के रोगी वापस गये
यहां तक कि ✗ इसे गांई पोलियों प्रचारक बन को कोई
कुछ पता नहीं। सिवा— पादरी P. Mundu को तो मालूम नहीं है
रोगी तरह जाना क्या आगे आप तक मालूम नहीं।
क्योंकि वे वहां देखता नहीं। रहा करते हैं।
Rev. S. Kula

P. S. John को रसीद विषय पर 20-4-31 को
चिट्ठी भेजा— और भाइयों को भी मालूम
लिखा हूं पर मुझे मालूम नहीं कि वे क्या किये हैं।
S. Kula

Church Council
Received 27.5.31
Register No. 69
Date 27.5.31
File 9
Reply No.
Date

No. 151 File

Ranchi,
The 27th May 1931.

Dear Mr. Hurad,

Regarding the Takarma Grain Gola matter ,I have been asked by the Deputy Commissioner to help the Auditor in resuscitating the now defunct Gola at Takarma. I shall be going to Takarma to-morrow and propose to stay on there till the 31st May,if possible . President Johan Topono is going with me too. Perhaps Mr.John will also come . I understand that you are a member of the Commission appointed by the Church Council to straighten the affairs of the Grain Gola. It will be well if you also can come with me to Takarma tomorrow.I shall be leaving Ranchi at 6 A.M.

Yours sincerely,

D. C. Haune

No. 52/31
F-9.

28th. May 31.

Rev. M. Kerschis.
Lutheran Compound.
Ranchi.

Dear Mr. Kerschis,

In view of our financial stringencyit is very necessary that we see to the legitimate expenses of the car whenever used. We have also to see that the Council should bear the expense only for work which strictly speaking belong to the Council. In case of private use , of course the party using will have to meet its expenses, at least the cost of petrol and for the wear and tear of the tyres etc.

As the car is going out to-day to Takarma taking Mr. Panna who is deputed by the Deputy Commissioner for the Corn Bank affair, I take it that this trip is on Government Order and does not belong to the Church Council. The Takarma people petitioned the Dy. Commr. and an Auditor is being deputed for the work for whom Takrama has deposited a certain sum towards his fees etc, it is desirable that they also pay towards the expense of the car. The present investigation is by Government and not by the Council. The initiation of this present affair is taken by Takarma and not by the Council. It is therefore fair and just that they should meet the expenses.

Kindly therefore make this clear to Mr. Panna that he tell the Takarma people about it or that he kindly see that the expenses are met.

Yours sincerely,

[signature]

Memorandum.

From,

P. Hurad, Secretary
G. E. L. Church,
Chota Nagpur & Assam.
RANCHI.

No. 19-20/31.
F. - 9.

LUTHERAN COMPOUND,

Ranchi the 8th. May, 1931.

To the Rev. S. Kula.
& Babu Boas Mundu
Lutheran compound
Takarma.

Copies of the Church Council's Resolutions of 29th. and 30th. April, 1931, regarding Babu Boas Mundu's suspension from Church work and his explanation justifying his actions with regard to School Funds forwarded to Babu Boas Mundu through Ilaka Chairman, Takarma / the Rev: S. Kula, Ilaka Chairman, Takarma Ilaka for information and guidance.

P. Hurad
Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM
PURN CHURCH COUNCIL KI SABHA.
Ta: 29 & 30 April, 1931.
----------oOo----------

11. BOAS MUNDU.

Boas Mundu abhi Takarma men wahan ke Pracharakpan ki anumati se Pracharak kam kar raha hai. Parantu usko 1924 men Karimatti ke School men sarkari Khajane ka bahut rupaiya bina hukm le lene ke karan dand diya gaya aur Council ne use kam se chhutti dekar usko Kandidat Pad se bhi alag kiya. Abhi wah Council men do darkhast bheja hai ki usko chhama diya jay aur phir jo rupaiya usne le liya so nyaysangat bat thi isliye uska hisab kitab kabul kiya jake usko phir se kam diya jay.

SANKALP : Ki Boas Mundu ki darkhast ki baten Advisory Board aur Church Council ke Minuton se milan kiya jawe aur dekha jawe ki uski baten kahan tak satya hain. Yah bishay age ko Karjkarak Sabha ke samhne howe.

----

1. BOAS MUNDU.

Boas Mundu ke kitni aur chitthi dusre kagaj aur darkhast mile. Secretary ne bataya ki Boas Ilaka-Secretary kahkar sahi kar kagjon ko Council men bheja hai. Yah bhi bataya gaya ki wah Karimatti men rahte kam se suspend hua aur ab lon Council se kam men nahin lagaya ja saka hai aur iske sambandh men Takarma Ilake ke Chairman se 3 bar likha parhi hui hai aur Ilake ko janaya gaya hai ki jis jan ko Council kam se alag kiya hai usko Ilaka bina Council ki manjuri ke phir koi kam nahin de sakta hai. Uske abhi do darkhast Council ke pas hai jin men se ek men wah chhama mangta hai aur dusre men wah Karimatti men jo rupaiya le liya uska kaiphiyat ko thik batlata hai. So jab tak uske in do darkhaston ka phaisla na howe tab tak wah mandli ka koi karmmchari nahin mana ja sakta hai. Isliye sankalp hua

SANKALP: Boas Mundu ko batlaya jawe ki Council ki bina manjuri aur uske pahile ke paisa kauri ke golmal ki saphai ke age Takarma men Pracharak kam lena anuchit hai. Uchit tha ki wah Council se grahan ho ke kam kare. Isliye usko aur Ilake ko bhi likha jawe ki wah turant kam chhor dewe aur Ilaka bhi bin Council ki manjuri ke Boas ko kam na dewe aur Council bhi age ko usse koi kagajpatr nahin grahan karega aur na usko Ilaka Secretary hi man sakta hai.

Sd/ J. Topono.
President.

Sd/ P. Hurad.
Secretary.

Church Council
Received 28.4.31
Register No. 984
Date 14.4.31.
File 9

7/A

श्रीयुक्त मन्यावार प्रेसिडेन्ट पाद्री योहन तोपोनो — रांची ।

महाशय ।

चर्च कौंसिल के पदधारी गण — रांची ।

सी सी ई सी युक्त मन्यावार प्रेसिडेन्ट पाद्री योहन तोपोनो आप को व कौंसिल के पदधारी गणों को मैं मरकाश सुरिन रांची मण्डली में गिर्जा करने वाला मौजे कुरकुरा में रहने वाले का बहुत २ यीशु सहाय पहुंचे

अर्जी ।

आगे चर्च कौंसिल को मालूम होवे कि मेरा बिहवाति स्त्री बढ़ी ब्रोलियाजर तोपोनो की बेटी मेरी तोपनो टकरमा में रहने वाली से पाद्री लूकाश तोपोनो के द्वारा से साढ़ी हुआ था साढ़ी ता: ६-२-१९२५ ई० पाद्री लूकाश तोपोनो ने दिये थे और उसी रोज बरात चले गये और ता: १० को टकरमा में भोज था — ता: ११ को कुरकुरा पहुंचे और ता: १२ को केवाल स्त्री घर में कुरकुरा में थी · तब से ता: १२ को टकरमा भाग गई और उसी रोज लाके ता: १४ में कुरकुरा लाये तब ता: १५ को केवाल घर में अर्थात कुरकुरा में थी और फिर भी ता: १६ को टकरमा भाग गई ऐसा ही सब दिन साल भर तक आज लावेंगे तो काल ही भाग जायेगी और काल लावेंगे परसो ही भाग जायेगी ऐसा ही से मैंने उसको दो बर्ष तक समझाया और उसको माता पिताओं को भी हम उसको समझाने को कहा पर तौभी किसी का बात को न मानी और न कुरकुरा में रहती थी केवाल टकरमा में और उसको जहां २ परिवार है तहां २ रहती थी — और जब तीन बर्ष होने लगा तब मैंने बाबु पाद्री लूकाश तोपोनो के पास जा के दो तीन मरतबे सवाल सुनाया — कि उसको अर्थात मेरा बिहवाहित स्त्री को किसी सुरत चाहे पांचों के द्वारा से पाद्री प्रचारक जा करके उसको समझाइये अगर किसी का बात नहीं मानेगी तो मुझ कोई जबाब देवे कि मैं दूसरी स्त्री को साढ़ी कर सकूं · ऐसा बात कहने से बाबु लूकाश तोपोनो को रांज लाया और मुझको यह जबाब भी बाबु से मिला कि तुम बहुत मूर्ख है जो दूसरी स्त्री साढ़ी करने चाहता है तुम को हम देखेगा जो हम दि साढ़ी दिया है तब इस बात में मैंने चूप रहा · तब कुरकुरा के भाइ लोग पाद्री को समझाया तब से बिचार करने का ठहरा दिया · और ता: ५-६-१९२७ ई० को कुरकुरा से पांच आदमी जा करके · और टकरमा के पांच · प्रचारक · पाद्री सब मिल के दोनों तरफ के पांच स्त्री को पुछने लागे · को समझाये पर किसी को कोइ जबाब नहीं दिया और एक दम घर से बहार निकाल के भाग गई और समय रात थी इससे उसका पता नहीं मिला · तौभी मैंने मेरा सासुर को बोला दिया कि ठीक से बुझा लो कि मैं साल भर तक इसका आसा देखेंगे — लेकिन वह तो न टकरमा में न कुरकुरा में लेकिन वह तो आसाम ओरेंग भाग गई और मुझ को कुछ पत्ता नहीं मिला न जाने जिन्दा है और न जाने मर गई मुझ को न मालूम है

इस लिये मैं चर्च कौंसिल से अर्जी करता हूं कि मुझ को दूसरी स्त्री को साढ़ी करने का हुक्म फरमाया जावे — क्योंकि मैं ऐसी दशा में पड़ा हूं कि ना मेरा बन्धु भाई कुछ नहीं है केवाल माता पिता — और माता पिता सब भी ऐसी कुदशा में है कि मेरा तो हाथ पांव के दर्द से कोई काम ही नहीं सकती है और पिता को तो बयाल बिमारी पकड़ा है न किसी से बोल चाल न काम उदयाम कुछ नहीं करता है तो मेरा काम उदयाम खाना पीना गुजार कैसे चालेगा और कितना दिन अकेला रहूंगा — ऐसी कुदशा को देख करके आप लोगों को कुछ भी दया माया नहीं होगा, जरूर माया होना चाहिये — क्योंकि जो साढ़ी नियम को तोड़ता है उसके लिये जरूरत है कि जावान भर इस कड़ा आईन को रखना — और जो साढ़ी का नियम को नहीं तोड़ा है ऐसे लोगों के लिये अथवा जवान जुवानियों के लिये क्यों ऐसा कड़ा आईन रखा गया — ऐसा कड़ा आईन रखने से कितने खिस्त बिश्वासी जवान जुवाली धर्म के मार्ग पर से भटक जाते हैं हाय, इस में आप लोगों को कुछ भी दया माया नहीं होता है उचित है कि आप लोगों को जरूर उन लोगों को बचाने का उपाय करना चाहिये जरूर; क्योंकि साढ़ी न मिलने के कारण से कितने तो संसारीक मार्ग पर उलट जाते हैं और कितने तो कुकु दरा अर्थात रखनी रखते हैं उनको तब से मण्डली से अलग रहने का हुक्म फरमाया जाता है · देखिये कैसा महा पाप है और ईश्वर का यह इच्छा नहीं है कि पुरुष स्त्री अकेला अकेला रहे · लेकिन एक दूसरे का सहायक होवे — जैसा ईश्वर ने कहा कि आदम को अकेला रहना अच्छा नहीं — क्योंकि कितना दिन मैं अकेला रहूंगा · इस वास्ते मैं चर्च कौंसिल से अर्जी करता हूं कि इस दुराचरा को अर्जी को मेहरबानी से ग्रहण कीजिये । और इसका जबाब जलदी मुझ को मिल जाये

कि लिखना मैं अकेले रहूंगा एक तो बनेगा दूसरा नही बनेगा· क्या करेंगे ईश्वर की खुसी है जो कुछ होने वाला है सो ईश्वर से हो सकता है आदमी से नहीं। इस लिये ईश्वर ने जगत को ऐसा पेयार किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दिया कि जो कोई उस पर बिश्वास करे सो नांश न होवे परन्तु अनान्त जीवान पावे ›› और ईसा मसीह ने भी कहा है कि यदि तु ७० गुना ७ बेर अपने पापों को मान लेवे तो मैं क्षमा करने को तैयार हुं। इस लिये मैं फिर भी अर्जी करता हुं कि मेहरबानी से मेरी बिन्ती को ग्रहण कीजिये - आगे कितना लिखुं भूल चूक जो हुई है मांफ किया जाये -

अब प्रेम से लिखना बन्द करता हुं - आमीन।

आगे शुभ ।

लि: मरकाश सुरिन
कुरकुरा - ब: ख: ।

ता: १४-४-१९३१ ई०

File

लुथेरान चार्च कौंसिल मोकाम रांची

ता॰ १५-४-३१

महामान्यवर,

चार्च कौंसिल को कंडिडेट बोकास मान्झी की ओर से

योशुसहाय—

दीनतापूर्वक हजूर को जनाता हूं कि कोयवा को ससपेण्ड करने में कारीगढ़ी इलाका ने भारी अन्याय किया है सो कृपया पैत्रिक प्रेम और न्यायशील नजर से देखा जाकर ससपेन्सन का मिनिट केन्सल कर दिया जाय।

क्योंकि यह बात साफ है कि केनेडे साहब हमारे मण्डली कामचारियों का स्केल यद्यपि कोई स्कूल में काम करनेवाला क्यों न होवे बिना हमारे लुथेरान महासभा रांची के चाहे बिना पुराने मण्डली स्थापक लोगों से बिना मन्जूर करवाये कोई तरह से कभी पुराने स्केल को रद बदल नहीं कर सकते थे न तो बिना मन्जूरी से घटा बढ़ा सकते थे। कुछ परवाह नहीं कि उनका फर्ज बहुत ज्यादा जागरित क्यों न होवे थोड़े दिन का धर्म बाप अनाथ लड़को को पुराने घरैली रीति से बेसी खोराकी दे नहीं सकता है अगर यदि देवे भी तो यह उस लड़के के लिये जीवन भर का क्लेश और बोझा हो जायगा।

कृपा करके जरा ध्यान कीजिये कि सन १९२७ ईस्वी में जो हमारे रांची महासभा में नया स्केल का मन्जूरी हुआ है उसका कायदा यही था कि केनेडे साहब अकेला ही कितने फेर बदली मेम्बरों के साथ आपने नये कन्डिडेटों का स्केल को पुराने स्केल से दूना बढ़ा कर प्रचलित कर चुका था उस समय मैं मण्डली में काम करता था और महिना १०) रु० से सुरु करके महिना २०) रु० तलब पाया करता था अब देखिये हम लोग जो Non Matriculation कंडिडेट थे और १२ वर्ष तक काम मण्डली में कर चुके थे उनका और पीछले Non Matric. कन्डिडेटों का सुरु तलब समान हो गया। इस अन्याय को हम लोग जानते थे पर मौका न मिला कि केनेडे साहब को छेड़, क्योंकि हम मण्डली में कभी ५) कभी १५) कभी २०) रु० पाते थे स्कूल का स्केल पर दावी नहीं कर सकते थे। १९२५ को जब मैं

एक घरबन्धु में पढ़ा कि नया कन्डिदात लोग- जौभी उनका तलब सुरुही
में १०) रु० करके बढ़ाया गया है तौभी- एकही वर्ष में फिर २) का बढ़ती
के लिये दरखास्त किये और कौंसिल मी A. B. के मिनिट अनुसार
हम- पुराने कन्डिदातों का कुछ परवाह नकरके केवल नये कन्डिदातों के
बढ़ती का सिफारिस A. B. को दिया। तब मैं भी- १९२५ के सुरुही
में दरखास्त किया- कि A. B. के मिनिटानुसार (मेरा) सुरु तलब २०) और
बढ़ती तलब २६) रु० जमा करके ४६) मेरे लिये भेजिये- तिसपर
वारतासाहिब A. B. के हुकुम- से सुरु- २०) रु० और बढ़ती सलाना
नहीं पर ३ साला- बढ़ती (२ वर्ष के लिये) ८) देके पौना का certify और Entitle
कागज- लिख भेजा- और A. B. उसी समय- से Definite Contribution
इलाका को भेजने लगा- और मुझ को फरांकी मारके जबाबलिखा
कि आप इलाका से अपना हकिआत बढ़ती रुपैया को मांगिये।
इसी चलाकी- पर मेरा जीव नराज हो गया- कि क्योंकर नये कन्डिदातों
को जौभी- ग्रेड्युवेट नहीं है- १०) रु० बढ़ाकर स्कूल से देता है और
पुराने कन्डिदातों को मन्डली से पाने का हुकुम देता है। मैं जबरजस्त
नये स्केल के विरुद्ध और अन्याय के विरुद्ध सामहना करने के मतलब से
अपना बढ़ती रुपैया को दो साल का १९२) रु० स्कूल फीस से लेकर
केश बुक में दर्ज किया और करीब २०० रुपैया को ३१) रु० सैकड़ा
सूद के बहाने से दर्ज किया- और यह जानकर कि A. B. से कुछ
कारवाई होने पर मेरा- दुर्दशा न होवे जबत किया और इलाकापन्च
को नहीं दिया। मैं इलाकापन्च को दीनतापूर्वक- अपना मतलब
समझाया- और हाथ जोड़कर अर्जी किया- कि कृपा करके A. B.
को लिखिये कि- वह अपने कन्डिदातों का- १०) रु० महिना २ का
रुपैया लौटा लेवे तो मैं भी १५ दिन के भीतर कनेडे साहब के
लौटा लेने का चिट्ठी पहुंचते ही अपना कूल बिल- रुपैया को
आप- लोगों के पास- हाजिर करूंगा। पर इलाका मेरे बात पर
कुछ ध्यान न दिया और उस काजी के समान- मुझको ४-१-२६
में ससपेन्ड किया- जो पहाड़ पर ठेस लगे तो घर में आके अपना
सिलेटी फोड़े। मैं ज्यादे का लिखूं आप लोग- समझदार हैं
कि उन्होंने (इलाका) कौंसिल के अधिकार को कहां तक लताड़ा है
और A. B. के अधिकार में भी हाथ डाला- जो इलाका को
हर्गिज करना नहीं था- सो मुझ से किया। मुझ को खास में

नोटिस देकर काम से रोक दिया। मैं बेचारा होकर दोनों पार्टियों से आर्जी किया कि बाबू लोग मैं कौंसिल का आदमी हूं मैं बहुत खुसी होता कि यदि यह नोटिस आप लोग कौंसिल और A. B. के मार्फत जारी करते। उन्होने अपना गलती समझ लेकर मुझ को पूरा तलब देने का करार किया उस समय तक के लिये कि जब तक मैं कौंसिल से कोई आज्ञा न पाकर कारीमट्टी हाथा नहीं छोड़ दिया। मैं रांची जाकर बाबू निर्मल सोर को इसका कुल बेआन बता दिया।

आगे करीब ७, ८ महिना बाद कोर्ट साहब ने कारीमट्टी के बेआईनी काम को confirm किया और उसको पाकर मैं कौंसिल को जनाया कौंसिल भी १९२७ के अन्त२ में A. B. के जैसा फैसला सुनाया। मैं तुरन्त गड़बड़ रुपैया को साफाई करने के लिये C. C. का पोस्टकार्ड को इलाकायन्य में सौंप दिया। उन्होने मेरा बढ़ती रुपैया स्वीकार किया और २०) रु० जो मैं जबत किया था उसको भी अपने करार मोताबिक सालभर का ३०) रु० महिना के हिसाब से ३६०) रु० में मोजर कर दिया। मेरा बाकी प्रायः १५०) रु० कारीमट्टी इलाका के जीमे रह गया। जिसको छोड़ देने के लिये इलाकाने मुझको आर्जी किया मैं भी खुसी से छोड़ दिया हूं। हजूर में बताना यही मेरा कुल बेआन सचार है। इसी के लिये यदि कौंसिल का न्याय अपना अंगुली को काट डालेगा तो मेरी आसा है कि कौंसिल का न्याय अपने सिर को भी हजारों बार काटेगा।

मेरा बिन्ती है कि अनुग्रह करके अन्याय का परिहार करके मेरे बिबेक को दुःख मत दीजिये वह समय आवेगा जिसमें ~~अन्याय रोकना हमारे मण्डली~~ अन्याय रोकना और तलब की समाधानुसार जिलाका मण्डली को कैसा फराड़ डालेगा। यही मेरी पहिली आर्जी है।

दूसरी कि अभी मैं कोई नौकरी नहीं लिया हूं पर जैसे मण्डली मुझको बुलाया तैसे मैं अपने निज जन्म इलाका में डूबती हुई कोर्नि बेंक को जगाने और इलाकाओं सेन्ट्रालिजेसन में लगने के फिकीर में हूं आर्जी है कि जौभी मैं अपना नीज इलाका में काम करना तो नहीं चाहता हूं तौभी थोड़ा दिन अपना इलाका को जो बहुत ही गिर गया फिर से उठाने का यत्न करने दीजिये।

यदि लिखावट में कडुवा मालूम करेंगे तो कृपाया माफ करेंगे।

आप लोगों का बिश्वास्त
[illegible]
ता: १५-४-३१

Church Council
Received 25.4.31
Register No. 970.
Date 24.4.31
Reply 9

निवेदनपत्र- महाशय कौंसिल-सेक्रेटरी साहब
गोस्सनर राँची-

महाशय,

आप को टकरमा इलाका की ओर से यीशुसहाय-मुंके आज ता: 24 अप्रैल 1931 को S.D.O. Gumla महाशय की ओर से मुझ को यही नोटिस मिला कि डिप्टी कमिश्नर ने Corn bank audit की मुकर्रा तारीख को 4 मई से 22 मई में बदल किये हैं। Auditor टकरमा में 22वीं मई हाजिर होंगे। इसके अनुसार मैं टकरमा इलाका के नाम से हजूर को दीनतापूर्वक आर्जी करता हुआ नेवता देता हूं कि आप 22वीं मई को टकरमा में हाजिर होकर आडिट के दिनों में हर हालत पर हमारी सहायता करने की कृपा कीजिये। आइन्दे हजूर की मेहरबानगी पर हम शामिल हैं।

आप का दीन सेवक
कन्हैयालाल जोनस मांकी
इलाका सेक्रेटरी टकरमा
ता: 24-4-31

Miscellany

File

Church Council
Received 25.4.31
Register No. 966.
Date 15.4.31
File
Reply No
Date

9

लूथेरान-चर्च कौंसिल-मोकाम-रांची
ता: १५-४-३१.

महामान्यवर, चर्च कौंसिल को-टकरमा-इलाका सेक्रेटरी की ओर से यीशुसहाय।—

आगे आप को-सविनय-जनाया जाता है कि डिपुटी-कमिश्नर रांची अपना-लोकल-ऑडिटर-को-टकरमा-कोर्नबेक-के-ऑडिट-निमित्त ठहराये तारिख २री माई को भेज रहे हैं-कि ४थी ता० सोमार फजीर-से-काम सुरु-होने-सके।

इलाका-दीनतापूर्वक आप-को अर्ज करता है।

१:- पादरी एडनेस के चले जाने के बाद-जितने-पादरी-लोग-कोर्नबेक का चलानेहारे और इलाका इन चार्ज में थे [पादरी मनसुरन मान्की-लोबारोम पादरी योहन तोपोनो आगे-प्रेसिडेन्ट साहब, पादरी लुकस तोपोनो] सब को २,३ माई को टकरमा पहुंचने के लिये हुकुम फरमाइये।

२:- पादरी योहन तोपोनो को-विशेष तौर से हुकुम-दिया जाय-कि वह अपने सुपरवैजरों तथा मुनसीबाबू युसफ गंगरा के साथ ३ माई को टकरमा-में हाजिर रहें और जितना दिन तक ऑडिट का काम खतम-नहीं हुआ है-यहां ठहरें। क्योंकि इलाका नितिर से मालूम होता है कि प्रेसिडेन्ट साहब का टकरमा कोर्नबेक पर लालच करना ही कोर्नबेक के नुकसान का मूल कारण है।

३:- कुपाया स्कूल-हेडसुपरवैजर को हुकुम-फरमाया-जाय कि कोरोनतो सेकण्ड मास्टर (युनसगोपुर) जो-भी-कि-कोर्नबेक-का रुपैया-पकड़ता है-३ माई को-अपना-खर्चा के साथ-टकरमा में हाजिर होवे।

४:- चूंकि बहुत-कर्जदारों का-बहाना है-कि जर्मन-साहेब-लोगों के आने से-ही-रुपैयाँ-लौटा सकते हैं। इलाका-ऑडिट के समय में-कौंसिल-सेक्रेटरी और एक जर्मन मिश्नरी का-हाजिर रहना बहुत ही-मुनासिब-समझ-दीनताई से-जुलूम-अर्जी के साथ नेवता करता है-कि-आप-कोई खास-का झगड़ा को हुल्लड़ों-में सान्त-करनेहारे-होवें। और ऑडिट का-काम-चल-सके।

५:- ऑडिटर-को-डेरा-देने-के-लिये-कोई जगह नहीं-दिख पड़ता है, सो-अर्ज-है-कि हेडसुपरवैजर-को-हुकुम-फरमाया-जाय-कि M. E. [बड़ा] स्कूल [बंगला] का-पूर्ववाला-कोठरी-जो पहिले एडनेस साहब का-ऑफिस-भी-था-और छोटा-स्कूल-घर-जो दक्खिन तरफ है-उसके पश्चिमवाला-स्कूल गोदाम-खाना पकाने-के लिये ऑडिटर-साहब को छोड़ दिया-जाय।

आप-का-विश्वासी
कंडिडात-बोकास मान्की
इलाका-सेक्रेटरी-टकरमा-
ता: १५-४-३१.

P. T. O.

Church Council
Received 963
Register No. 963.
Date 16.4.31.
File 9.
Reply No. ....
Date ....

Office
Send it to Elders concerned for report
[initial] 3/7/31.

१६-४-३१-

मान्यवर महाशय चर्च कौन्सिल का
सादर सलाम नमस्कार -

पत्रिका का अध्याय — फरीदपुर के हाथ में
छुआ छूत का लिख के बारे पंचों ने [illegible]
लिया और स्थान स्थान में लिया -

एक नन्ही [illegible] लोहरा [illegible]
रहा उसने [illegible] चावल [illegible] बनाने वास्ते [illegible]
मुकर्रर किया उसी से सब का छू गया कह कर [illegible]
लोग उठा।

फरीदपुर के लिखने का मतलब कि यह दस्तूर
को नियम में ठहरने में होना चाहिये कि नहीं क्योंकि
फरीदपुर के प्रचारक पन में २० प्रायः लोहरा लोग हैं।
अचानक छुआ छूत हो जाय तो फरीदपुर को बहुत
तकलीफ होगा सो फरीदपुर के शांति वास्ते कोई जवाब
[illegible] मिले -

अगर यह दस्तूर ठीक है तो चर्च कौन्सिल
मिटाने का कोशिश करे तो बहुत अच्छा होता -

छुआ छूत को [illegible] बार अगर कौन्सिल
पूरी मदद पाने चाहे तो [illegible] को [illegible]
प्रचारक पन में जांच करे -

अगर फरीदपुर ने लिखने में गलती किया है तो माफ
किया जाय —

ख्रीष्टी का धर्म टाटा में है उसी नहीं यह हाल
हुआ है। पर ख्रीष्टीय टकरमा रहा लगाकर पेरिश
हमारिया प्रचारक पत्र में प्रचार किया है ——

Johan Baye

President's Deptt

Church Council
Received 22.9.30
Register No. 350
Date 17.9.30
File 9
Reply No. ....
Date ....

seen. returned to the secretary
J. Topno

Takarma.
17-9-30

महाशय,

आप को येशु सहाय।

आप की चिट्ठी No. 311/30 F-9 ता: 5-8-30 के जो मुझे Boas Munda के विषय लिखी गई थी-

जवाब —:

मैं ने इलाका सभा और स्थानीये सभा को बुलाया- और उनका सम्मिलित बैठकी किया — और आपकी चिट्ठी को पेश कर दिया-
बैठकी टकरमा में 10-9.30 को हुई- और वह सभा जो फैसला किया- वही मिनिट की बात को आपकी सेवा में भेजता हूं- और आशा करता हूं कि आप मेहरबानी करेंगे -.

~~No 2~~. मिनिट नं: 2. ता: 10-9-30.

बाकु बोआस मुन्डु के विषय।

C.C. अपना ५-८-३० की चिट्ठी से Boas का प्रचारक ठहराये जाने के विषय कैफियत मांगा।
इसी को इलाका और स्थानिये प्रचारक पन पंच मिल कर एक सांझ दिन भर बहुत महिन तौर से तर्क वितर्क किया-:
जिस में स्थानिये पंचों का कहना है कि हम लोग उसके (Boas) सार्टिफिकेट के अनुसार बाकु बोआस मुंडु को प्रचारक के तौर यहां रखे हैं और कैडिडेट के तौर नहीं" और उन लोगों की मर्जी है कि Boas यहां प्रचारक का काम करता रहे जब तक की C.C. उसके लिये दूसरा उपाय न करें (जब कौंसिल अपना आदमी जान दूसरे काम पर लेवे तो हमों का कोई उजुर न होगा)
इस पर इलाका पंच-पन्च कौंसिल को बिनय करता है कि कृपया स्थानिये पंच इसका कैफियत लेने कि कृपा करें ताकि मंडली में किसी प्रकार का विभेद न होवे।

लि: आपके तबेदार
Rev. S. Kula
17.9-30.

Church Council
Received 15.9.30.
Register No. 338.
Date..................
File....9....
Reply No..............
Date..................

बहुजुर जनाब डिपटी कमिश्नर साहब बहादुर मो काम रांची।

जनाबआली सलामत - अर्जगुजारी यह है कि टकरमा इलाके में मान्यवर पादरी पी: एडनेस साहब जो आपने ख्रिस्तानों का हितचिन्तक और दिल से थे, टकरमा इलाके के लुथेरान ख्रिस्तान प्रजाओं से सूपधान और सिरनी दान लेकरके एक कोठी खजाना आमकी भलाई के वास्ते जमा किये, और बड़ी मेहनत वो हिफाजत से उसको १७०००) रुपैये सत्रह हजार रुपैया से कुछ अधिक बढ़ा कर आपने देश लौटने के वखत टकरमा इलाका के लुथेरान ख्रिस्तानों के आम को सौंप दिया। पादरी साहब काम चलाने के लिये बड़ी होशियारी से उन तीन जनों को नियुक्त किये जो धान कोठी के कारबार को ठीक से जानते थे। पादरी साहब के छोड़े हुए हेदायत में सब कुछ साफ है। बाद उसके ३०-२-१९२९ इस्वी में मान्यवर पादरी योहन तोपोनो को जिम्मा दिया गया और उसी समय धान कोठी के लिये तेरह सुपरवैजर मो ठहराये गये। उसी समय से धानकोठी सर्वनाश के तख्ते पर बिछा दिया गया याने कोई कागजात का ठिकाना मालुम नहीं होता है।

जनाबआली यह धानकोठी छोटानागपुर के समुचे लुथेरान ख्रिस्तानों का धन नहीं है यह केवल टकरमा इलाके के दीन लुथेरान ख्रिस्तान प्रजागण का है। यह कोठी क्या संसार वो ख्रिस्तान सभी प्रकार के कौम को वखत पर बहुत फायदा पहुंचाया करता था। विशेष कर टकरमा स्कूलों के बोर्डिंग और मंडलीयों को इससे फायदा होता था, पर अभी टकरमा इलाके की आर्थिक अवस्था अति सोचनीय है।

जनाबआली आप गरीबों के दु:खदर्शी हैं आप गरीबों के गरीबी पूंजी को डूबते देखने से हमेशा उसको रक्षा करने को तैयार हैं जी। इसलिये सरकार बहादुर से सविनय अर्ज है जी कि इस डूबते हुए धन को जांचकर फिर से कायम करने में मदद करने की कृपा करें, कि भविष्य में हमारे वो हमारे सन्तानों की उन्नति में कोई आर्थिक बाधा न आ पड़े। आइन्दे हजुर मालिक वो खाविन्द हैं। वाजिब जान अर्ज किया।

कातिब कन्डिडात योआस मन्की टकरमा इलाका
का आंग. खास टकरमा पो: ओ: बसिआ
जिला रांची

Sd/

१ युनस्होरो-तिलिंग गौंझू खास
२ मसीह प्रकाश डांग हथनन्दा वः खास
३ पौलुस मन्की आः मनसुख मन्की
पन्द्रापानी

नं० २
चिट्ठी का नकल मान्यवार स्वोस साहब, पी० आइडनेस और चर्च कौन्सिल को दिया जाता है। और चर्च कौन्सिल से सविनय आर्ज है कि कोठी को फिर से कायम करने के लिये उचित प्रबन्ध करें।

Sd/5 पतरस जोजो बारीबिरिंगा

6. पुराप्रसाद तोपनो ऐडेगा

7. दाऊद समद ऐडेगा

8. पौलुस लुगुन रोसली पंच ऐडेगा

9. Timothius Topono Aedega

10. युसफुस लुगुन ऐडेगा

11. सुलेमान करकेटा पोगालोया

12. योशुआ तोपनो पोगालोया

13. मरकुस तोपनो पोगालोया

14. युसुफ मन्की पोगालोया

15. पतरस आइन्द व: खरश्रा

16. पुलुसपाल कन्डुलना

17. अब्दुल बुढ़ पोगालोया

18. अब्राहम बागे टाटी वा: खा:

19. Mansidh Bage Tati

20. पौलुस होरो समहादु

21. Timothius Bage Tati

22. Junathan Topono.

23. Christ Heran Herng

24. हाबिल लुगुन बड़िगा

25. सोमोन तिलतोला

26. Johan Kandulna.

27. मसीह प्रकाश बारजोगा

28. Patras Jojo Baribiringa

29. S Topono Mayomdega.

30. युनस डीबिरिंगा

31. मनसीद्ध लुगुन

32. मनसीद्ध बरजो कनारोवा व: ख:

33. Jusaph Kandulna Bumbulda.

34. अब्राहम समद कनारोवा

35. S Lugun Kanaroawa.

36. Johan Dangwar Aedega L.P. school

37. Eshak Lugun Aedega.

38. J Surin Aedega.

39. पतरस समद ऐडेगा

40. जयमसीह तोपनो ऐडेगा

41. हाबिल तोपनो ऐडेगा

42. पौलुस गुड़िया खकरमा

43. इलियाजर तोपनो ऐडेगा

44. पतरस समद ऐडेगा

45. मनसिद्ध समद ऐडेगा

46. पतरस लुगुन ऐडेगा

47. पुरन-लुगुन ऐडेगा

48. मतियस बरला ऐडेगा

49. मतियस मुण्डु खकरमा व: ख:

50. सही पहन लुगुन ऐडेगा

51. इलियाजर समद ऐडेगा

52. हाबिल लुगुन ऐडेगा

53. निकोदीम डांगवार ऐडेगा

54. योशुआ तोपनो ऐडेगा

55. पहन समद ऐडेगा

56. P.S. Aind.

57. A ming

58. J. Horo.

59. [illegible]

60. M. Topono.

File

Church Council
Received 25.2.31.
Register No. 771
Date 17.2.31.
File 9.
Repl. No. ....
Date ....

लुथेरान चार्च कौंसिल छोटानागपुर और आसाम।
मो० रांची ता: २१-१०-३०.

महामान्यवर, चार्च कौंसिल को कंडिडात बोआस मुण्डू की ओर से येसुसहाय।

प्रेसिडेन्ट साहब के हुकुमानुसार मोताबिक चिट्ठी ता: ६-१०-३० के चिट्ठी ता: १२-१०-३० बाबत माफ मांगने कौंसिल से - तबेदार आज्ञाधीन होकर अर्ज करता है कि जो कुछ जान वा अनजान से कसूर किया हो - कौंसिल कृपाया माफ करने का तकलीफ उठावे।

आप के आज्ञाधीन
कंडिडात बोआस मुण्डू
रकरमा - २१-१०-३०.

No. 63

सो. सी.- सेक्रेटेरी के निकट-

महाशय,

मै इस दर्खास्त को जो मेरे पास बिना - इलाका के जरीये आये थी - आप के पास भेजता और + फारवार्ड करते हैं। आप कृपाया देखिये कि यह विचार में लेने के लिये कायदे से आता है वह नहीं - जो अगर दर्खास्त कोई इलाका के जरीये ही आना होता है तो यह दर्खास्त लिखने हारे को फेर वापस फेर दिया जाय -

आपका.

S. Filey
for
A. John.
17.2.31

Church Council
Received 27.4.31.
Register No. 979
Date 15.4.31
File [illegible]
Reply No. ....
Date ....

लुथेरान चार्च कौंसिल- मोकाम- रांची

ता: १५-४-३१

चार्च कौंसिल को कंडिडात को आम मारफत की ओर से

योग्य महाशय—

विनयपूर्वक हजूर को जनाता हूं कि-फरीदवों को ससपेन्ड करने में कमिश्नर इलाकाने भारी अन्याय किया है सो आपाया पै निवेदन और न्यायशील- नजर से देखा जाकर ससपेन्सन- का मिनिट कन्सील कर दिया- जाय।

क्योंकि यह बात साफ है कि केतेडे साहेब हमारे मन्डली कर्मचारियों का स्केल यद्यपि- कोई स्कूल में काम-करनेवाला क्यों न होवे- बिना हमारे महासभा रांची के चाहे बिना पुराने मन्डली स्थापक लोगों से बिना मंजूर करवाये- कोई तरह से कभी पुराने स्केल को रद बदल नहीं कर सकते थे न तो बिना मन्जूरी से घटा बढ़ा सकते थे। कुछ परवाह नहीं कि उनका फन्ड बहुत ज्यादा जागिरात क्यों न होवे- बाद दिनका चार्ज काम- अनाथ लड़का को पुराने ढरैली रीति से बेसी खोराकी दे नहीं सकता है अगर यदि देवे भी तो यह उस लड़का के लिये जीवन भर का क्लेश और बोझा हो जायगा।

कृपा करके जरा ध्यान- कीजिये कि सन१९२३ ई० में जो हमारे रांची महासभा में नया स्केल का मन्जूरी हुआ है उसका कारण यही था कि केतेडे साहब अकेला ही कितने फेकल्टी मेम्बरों के साथ अपने नये कन्डिडातों का स्केल को पुराने स्केल से दूना बढ़ाकर प्रचलित कर चुका था, उस समय मैं मन्डली में काम करता था और महीना १०) रु० से सुरू करके महीना २०) रु० तलप पाया करता था। अब देखिये हम लोग जो Non Matriculation कन्डिडात थे और १२ वर्ष तक काम मन्डली में कर चुके थे उनका और पीछले Non Matriculation कंडिडातों का सुरू तलप समान हो गया। इस अन्याय को हम लोग जानते थे पर मौका न मिला कि केतेडे साहब को छेड़ें, क्योंकि हम मन्डली में कभी ५) रु० कभी १५) कभी २०) रु० पाते थे, स्कूल का स्केल पर दावी नहीं कर सकते थे। १९२५ को जब मैं एक घरबन्धु में पढ़ा कि नया कन्डिडात लोग जो भी उनका तलप सुरूही में १०) रु० करके बढ़ाया गया है तौभी एकही वर्ष में फिर ५) रु० का बढ़ती के लिये दरखास्त किये और कौंसिल भी A. B. के मिनिट अनुसार हम पुराने कन्डिडातों का कुछ परवाह न करके केवल नये कन्डिडातों के बढ़ती का सिफारिश A. B. को दिया। तब मैं भी १९२५ के

सुरु ही में दरखास्त किया कि A. B. के नियमानुसार मेरा सुरू तलब २०) रु०
और बढ़ती तलब २६) रु० जमा करके ४६) रु० मेरे लिये भेजिये। डीसपर
वारनर साहिब A. B. के हुकुम से सुरु २०) रु० और बढ़ती सलाना नहीं
पर ३ साला बढ़ती १२ वर्ष के लिये ८) रु० महिना हक पौना का Certify
और Entitle कागज लिख भेजा और A. B. उसी समय से Definite
Contribution इलाका को भेजने लगा और मुझ को परांको मारके
जवाब लिखा कि इलाका से अपना हकीकत बढ़ती रुपैया को मांगिये।
इसी चलाकी पर मेरा जीव नराज होगया कि क्योंकर नये कन्डिदातों
को जो भी ग्रेड्युवेट नहीं हैं १०) रु० बढ़ाकर स्कूल से देता है और
पुराने कन्डिदातों को मण्डलों से पाने का हुकुम देता है। मैं जबरजस्त
नये स्कोल के बिरुद्ध और अन्याय के बिरुद्ध साम्हना करने के मतलब
से अपना बढ़ती रुपैया को दो साल का १६२) रु० स्कूलफ़ीस से
लेकर केशबुक में दर्ज किया और करीब २०८) रु० को ही) रु०
सैकड़ा सूद के बहाने से दर्ज किया और यह जानकर कि A. B.
से कुछ कारवाई होने पर मेरा नुकसान न होवे जब्त किया और
इलाकापन्च को नहीं दिया। मैं इलाकापन्च को दीनतापूर्वक
अपना मतलब समझाया और हाथ जोड़कर आर्जी किया कि
कृपा करके A. B. को लिखिये कि वह अपने कन्डिदातों का
१०) रु० महिनार का रुपैया लौटा लेवे तो मैं भी १५ दिन के भीतर
कोनेडे साहब के लौटा लेने का चिट्ठी पई हो अपना कुल बिल
रुपैया को आप लोगों के पास हाजिर करूंगा। पर इलाका मेरे
बात पर कुछ ध्यान न दिया और उस आदमी के समान मुझ को
४-९-२६ में ससपेन्ड किया जो पहाड़ पर ठेस लगे तो घर में आके
अपना गोसलेटी फोड़। मैं ज्याद क्या लिखूं आप लोग समझदार हैं
कि उन्होंने (इलाका) कौंसिल के अधिकार को कहां तक
लताड़ा है और A B. के अधिकार में भी हाथ डाला, जो
इलाका को हर्गिज करना नहीं था सो मुझ से किया। मुझको
क्लास में नोटिस देकर काम से रोक दिया। मैं बेचारा होकर
दोनों पार्टियों से आर्जी किया कि आप लोग - मैं कौंसिल
का आदमी हूं मैं बहुत खुसी होता कि यदि यह नोटिस
आप लोग कौंसिल और A. B. के मार्फत जारी करते।
उन्होंने अपना गलती समझकर मुझको पूरा तलब देने का
करार किया - उस समय तक के लिये कि जब तक मैं कौंसिल

से कोई आज्ञा न पाकर कारीगरी हाता नहीं छोड़ दिया। मैं रांची
जाकर बाबू निर्मल सेन को इसका कुल बयान बता दिया।
आगे करीब ७, ८ महिना बाद जेनेई साहब ने कारीगरी के बेआइनी
काम को Confirm किया और उसको पाकर मैं कौंसिल को
जनाया। कौंसिल भी १९२७ के अन्त में A. B. के जैसा फैसला
सुनाया। मैं तुरन्त गड़बड़ रुपैया को सफाई करने के लिये C.C. का
पोस्ट कार्ड को इलाकाध्यक्ष में सौंप दिया। उन्होंने मेरा बकती रुपैया
स्वीकार किया और २०८) रु० जो मैं जबत किया था उसको भी
अपने करार मोताबिक सालभर का ३०) रु० महिना के हिसाब से
३६०) रु० में मोजरा कर दिया। मेरा बाकी प्राय: १५०) रु० कारीगरी
इलाका के जीमे रह गेगा। जिसको छोड़ देने के लिये इलाका ने
मुझ को अर्जी किया। मैं भी खुसी से छोड़ दिया हूं। हजूर में
बताना - यही मेरा कुल बयान सचार है। इसी के लिये यदि
कौंसिल अपना आंगुली को काट डालेगा, तो मेरी आशा है कि
कौंसिल का न्याय अपने सिर को भी हजारों बार काटेगा।
मेरा बिन्ती है कि अनुग्रह करके अन्याय का पहिचान करके मेरे
विवेक को दु:ख मत दीजिये - वह समय आवेगा जिसमें अन्याय
स्वेल और तलप को समयानुसार जनता- मन्डली को कैसा
फराड़ डालेगा यही मेरी पहिली अर्जी है।
दूसरी - कि अभी मैं कोई नौकरी नहीं लिया हूं पर जैसे मन्डली
मुझ को बुलाया तैसे मैं अपने निज जन्म इलाका में डूबती
हुई आने बैंक को जगाने और इलाका को सेन्ट्रालिजेसन में
लाने के लिये फिकीर में हूं। आजी है कि जो भी मैं अपना
नीज इलाका में काम करना तो नहीं चाहता हूं तौभी थोड़ा दिन
अपना इलाका को बहुत ही गिर गया - फिर से उठाने का
यत्न करने दीजिये।

आप लोगों का विश्वासी
कोन्डपात बोआस मान्की
खास रकारमा
ता: १५-४-३१

यदि तिवावर में
कडुआ मालूम करेंगे
तो अपराध माफ
करेंगे।

forwarded
to the C.C. Office
for action
M. [illegible]
25.4.31.

Church Council
Received 21.7.30
Register No. 216.
Date
File 9
Reply No. 147—148/30
Date 9. 9.

Takarnia.
16.7.30

File

Ape ko Ysu dhay.
16.7.30.
Ap ko padri-menme —
dated the 9th
July, 1930 ko jabab —:
Marin Boas Mundu Candidate
Kebahali bare Kuda adin
tahun — Keom ki cha
hat. adhani ex logom se
mere ane ke pahle hue.
So main L. Topono Padri
ko likha hun. wahi
C.C. ko es ka jabab
dinge. Keom ki malum ka
samay B. Mundu chan
kahali hain. aur Heka
bhi es bisay par mahina
janti hai.

So main ... Ose
puchta hun
es likhaparhi men
ke samay men Adas
kam kare wa - nahin.

arthat - ekdam wa
kam band kar diwe
wa - piche phaisla
hone par kam band
kare —.

Apke
Rr agradhin das.
Rev. J. Prule

INDIA POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE HALF ½A ANNA

RANCHI DELY. 20 JUL 30 ...

To.
The Secretary.
Lutheran Church
Council; Ranchi.
(Behar)

Church Council
Received..13.8.30.
Register No.264.
Date....6..8..30..
File.....9....
Reply No.............
Date...................

To

The Secretary
Church Council,
Ranchi

Karimati
6.8.30

Maháshay,

Áp kí chithí No 147-148/30 F. 9 dated 9-7-30 milí. Uske anusár Iláká Sabhá ke Káryyakárini membrán do bát ke jabáb dehí hain.

(1) Karimatí Iláká ne C.C. ke anjáne Boas bábu ke garbar hisáb ko kaise thík kiyá.

(2) Kyon usne Boas Mundu ko mandlí men kám karne ká certificate diyá.

Jabáb:-

(1) C.C. kí chithí ke anusár ki, "Jab tak wah rupaiyá ká saphái na kare tab tak usko kám nahín diyá jáyegá," Karimatí Iláká Sabhá ne 8 January 1928 ko baith kar ukt bábu ke sáth saphái karne ke nimitt sawál jabáb kiyá. Sawál huá, "Áp Rs 300/- ko bhar denge ki nahín?" Jabab mila, "Sál bhar bechare ko C.C aur Iláká Sabhá ne bekám baitháyá aur Rs 336/- ka harjá karwá diyá. Isliye Sabhá agar Rs 336/- ko bhar dewe to main bhí Rs 300/- ko bhar deungá." Is jabáb se niruttar ho, Sabhá ne aur kuchh nahin kiyá; kewal C.C ki chithí ke anusár use kám aur hatta se nikal ne ko kah diyá. Is garbar ko saphái karne ke nimitt Iláká ne kitní ber C.C. ko arjí kiyá, par na C.C. ke member na A.B. ke member áye, jisse

339/20.

Ilaká Rs336/- ká jabáb ukt bábu ko nahín de saki. Iláká ko yah mán lená pará ki usne ukt bábu ko sálbhar betankha aur bekám hajat kiyá jisse usko taklip aur harja utháná pará. Is káran Iláká ne shocha ki Rs336/- aur Rs300/- kyá jáne barábar ho gayá. C. C. bhi pichhe to bilkul chupcháp ho gai, jisse aisá málum huá ki Boas bábu ká dosh máp hogayá. Isí múrkh bichár se Karimati Iláká ke agyani Káryyakárini Sabhá ne usko ek Certificate bhí de diyá.

(2) Karimati Iláká ki Káryyákáriní Sabhá ne shochá ki itne din ke dismiss se ukt bábu ka man sudhar gayá. Isíliye jab usne barí dintá se arjí kí tab Sabhá ne dayálu atmá se usko Certificate diyá ki kahín Mission men koi chhota kám pawe yah nahín ki Pádri ya Kandidat ka kám. Kyon ki kisi ke samuche jíwan men ágh lagá dená sháyad páp ho sakta hai.

In jabábon par agar áp ke sewak bhúl kiye hain to kripya chhamá pradán kijiye.

Áp ke agyadhín sewak

sd/ Rev. M. Manki
Secretary 6/8/20

sd/ Rev X. A. Aind
Ilaka Chairman.

See overleaf

Memo No: 339/30.
F-9.

Dated Ranchi, the 15th August 1930.

Copy of the letter from the pastors of Karimati forwarded to the Head Supervisor of Schools for his opinion & such comments as he deems necessary to elucidate the subject now under consideration.

[illegible]
Secretary

The Council of the Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919. Secretary: P. Hurad.]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar.)

No. 311/30. F-9 Dated the 5th. August 1930. 19

The Rev. S. Kulla.
Chairman, TAKARMA Ilaka.
T a k a r m a.

Manywar Padri Suleman Kulla ko bahut Yishusahay !

Ap ka 16win July ka Post Card yahan 21 July ko mila. Ap ne mujhe yah likh bheja hai ki ap Boas Manki Candidate ke bare men kuchh nahin jante hain kyonki yah bat sthaniya logon se ap ke ane ke pahile hui thi ityadi.

1. Ap ko malum howe ki jab ap Takarma khas ka charge le chuke hain to jo kuchh Ilake Panch se athawa Parish Panch se athwa anya Panchon se athawa bhutpurbb Chairman se bhul ki riti se hua hai, unko Ilake Panch athawa anya Panchon ke sahmne rakhke ap ko sudharna hai. Jab ap ko Church Council ka bichar aur phaisla malum ho gaya hai to uske anusar jo uchit hai so ap logon ko karna hi hai. So ap is bishay par uchit karrawai kar mujhe susamay men hal dijiye.

2. Ap ka dusra Post Card jismen ap ne chhua chhut ke bare men likha hai so main aj President ko jimma deta hun ki ap ko is bishay par khuli riti se jawab dewe. Asha karta hun ap ko santoshjanak uttar mil jayega.

Age shubh,

Ap logon ka shubhchintak ,

P. Hurad

SECRETARY .

146/30. 9th July 30.
F.- 9.

To,

Babu Boas Mundu,
Takarma Lutheran Compound,
Takarma.

Ap ko Yishusahay! Ap ki chitthi mili aur Ilaka Chairman Ma: padri Christanand Aind aur Ilaka Secretary Ma: padri Mansukh Manki ke sanyukt certificate ka nakal jo chitthi hi men diya hua hai so mila Ap ko janaya jata hai ki ap Council ke dwara se Karimatti bheje gaye the aur kisi Ilake ke dwara se nahin. Ilake ko ap ko na bahali karne ka na dismiss karne ka adhikar tha. Council ki ray se Advisory Board ne ap ko Karimatti Ilake ke School kam se chhutti di thi. Abhi Advisory Board ka sab kam Council ke jima men hai. So bina Council ke ap ki hisab kitab thik karni aur ap ko certificate dena bhi Ilake ka najayj kam hai. Isliye ap ko jo certificate Ilake ne diya hai so yatharth nahin hai aur Karimatti Ilaka ap ko kam dene ke liye dusre Ilake ke pas sipharish bhi nahin kar sakti hai.

Padriyon aur Candidaton ko bahal karna, badli karna saja dena aur punargrahan karna sirph Council ka kam hai aur Ilakon ka kam nahin hai. Isliye Takarma men bina Council ki agya ke ap ko bahal karna Takarma Ilake ke akhtiyar se bahar hai.

[signature]

Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

Church Council
Received...26.6.30.
Register No.166.
Date..24.6.30.
File....9.......
Reply No...........
Date...............

मान्यवर,

सेक्रेटरी साहब को यीशुसहाय.

आप की चिट्ठी नं० १२८/F-9 ता 20-6-30.

जिसको पादरी बाबू लूकस तोपनो चेयरमेन को मेरे विषय लिखते हैं; मुझे मिला - और उसके प्रत्युत्तर में मैं कारीमट्टी इलाका का सर्टीफिकेट जो मुझे मिला है - आप लोगों के सेवा निमित भेज देता हूं; आप लोग उसका नकल फिर कर यदि चाहें तो कारीमट्टी से ले सकते हैं।

True copy.

It is to Certify that Babu Boas Mundu Candidate served in the Karimatti School for two years from 1925-26. During the period his work was satisfactory and he was found trustworthy. But at the end of the period he had to submit his resignation owing to certain disorder in cash account which was adjusted on the 8th January 1928. There is therefore not a least objection against him. His character is good and he is competent for his work. We therefore recommend him for any church work and we believe that he will do his work satisfactorily.

Ilaka Chairman
Sd/- Rev. X. A. Aind
30-4-30.

Ilaka Secretary
Sd/- Rev. M. Manki
30 IV. 30

आप का सेवक -

२८·६·३०. }

कान्डिडेट बोआस मुण्डू
टकरमा कमाटोली
पो: आ: बसिया.
जिला. रांची.

187/30.
F.- 9.

20th June, 30.

Manyawar Chairman Takarma Ilaka,

Ap ko bahut Yishusahay. Ap ko malum howe ki Ma: Padri Lucas Topono ne 9-6-30 ko Council men mere pas likha tha ki babu Boas Mundu ne Takarma ke khali pracharakpan ke liye darkhast diya hai so wah age kam pa sakta hai athwa nahin. Is bishay par main Church Council ke October 1927 minute ke 8wen prisht bishay sankhya III 1 par ap logon ka dhyan akarshit karta hun jahan likha hai :-

SANKALP : Ki Boas babu ko likh kar janaya jay ki jab tak wah Karmatti Ilaka ke rupaiye ke garbar ki saphai na kare tab tak Council usko kam nahin de sakti hai aur talab bhi nahin de sakti hai.

Ilaka ko malum howe ki Boas Mundu babu ne Karimatti men koi Rs 400/- rupaiya bin Panch ki anumati ke uthaya aur apne liye kharch kiya aur ab tak nahin bhara. So wah School bibhag men kam karte huwe dismiss hua.-- Council ka sankalp is bishay par spasht hai.

Age shubh.

Secretary,

G.E.L. Church, Ranchi.

Church Council
Received 12.6.30
Register No. 140
Date 9.6.30
File 9
Reply No.
Date

Takarma 9/6/30

To
The G. E. L. Church Council,
Chota Nagpur & Assam

मा० महाशय,

मैं २८ वीं माई को लोम्बोई जाके मा० पादरी नथानिएल बागे से चार्ज लिया पर वहां काम का आरंभ अबतक नहीं किया हूं। मैंने मा० पादरी सुलेमान कुला को चार्ज देने के लिये ४थी जून को बुलाया था। वे आये थे पर कोई विशेष कारण से तुरन्त लौट गये पर आशा है कि इसी हप्ते के अन्दर उनको चार्ज दिया जा सकेगा और तब मैं अपने नये जगह में काम आरंभ कर सकूंगा। फिर चीज इत्यादि ले जाने को गरिया नहीं मिलते हैं जिससे शीघ्र ही जाना कठिन होता है।

फिर आप को जनाते हैं कि यहां टकरमा प्रचारकपन का जगह खाली है जिसके लिये बाबु बोआस मुण्डु कंडिडात दरखास्त दिये हैं। सो आप से सविनय अरजी है कि आप इसके सम्बन्ध में क्या राय देते हैं, क्योंकि वह तो खासकर चर्च कौंसिल का जन है। मुझको तो मालुम नहीं है कि कमेटी में रहते हुए इनके बारे कौंसिल कैसा फैसला किये हैं। मेहरबानी कर इस का जवाब शीघ्र ही मिले।

आप का आज्ञाधीन
लूकस तोपनो

Head Supervisor

The Chairman of Takarra has written me to say that the late Cand. Boas Manki has applied to be employed as a catechist in the Ilaka. As a candidate his services were lent to the Education Deptt. & hence working at Karimati. Will you please let me know on the reverse of this slip under what condition he had to leave the department. I dont find any specific charge & punishment in my records.

An early response will oblige.

Yours sincly
[signature]
19-6-30.

Vide. C.C. Minutes of October 1927.
P. 8. Item III (1).

To
The church council,
Ranchi.

~~Dated~~ 19-6-30.

Babu Boas Manki was dismissed from his service at Karimati because of ~~the~~ his misappropriating the school money and on account of his obstinacy. Notice to this effect was given to the C.C. by the A.B. Offg. Supr. through the A.B. and his matter may be found in the minutes of the A.B. which in a hurry I cannot find now. This matter may be talked in the meeting of this afternoon by which time I may be able to find out further enlightenment.

N. Singh
Offg. Supr.